जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 11 खेल

एशेज : सिर्फ दो दिनों में खत्म हुआ पार्थ टेस्ट, ऑस्ट्रेलिया में आठ विकेट से जीता मुकाबला

Page 09 देश

पूर्व पीएम के बेटे को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, यौन उत्पीड़न मामले में आईपीसी 354 के तहत...

शुक्ल पक्ष, मूल, विक्रम संवत् 2082 • औरंगाबाद • रविवार • 23 नवम्बर 2025 • वर्ष 27 • अंक 342 • पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,15,350	₹ 1,64,000

आज का इतिहास

1967 : दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज गैरी कर्स्टन का जन्म हुआ। उनकी कोचिंग में भारतीय टीम ने 2011 में विश्व कप जीता था।

2003 : सीरियाई सरकार ने उत्तरी सीरियाई शहर अलेप्पो के चारों ओर हवाई हमलों में 40 लोगों की जान ले ली।

न्यूज बाइट्स

रेलवे ने चालू वित्त वर्ष में की एक अरब टन माल दुलाई

नई दिल्ली (ए.) । रेलवे ने माल ढुलाई में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए एक अरब टन माल ढुलाई का आंकड़ा पार कर देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अपनी इस उपलब्धि का आंकड़ा देते हुए रेलवे ने बताया कि उसका माल ढुलाई प्रदर्शन देश के आर्थिक ढांचे को मजबूत कर रहा है और 19 नवंबर तक उसकी माल ढुलाई क्षमता 1.020 अरब टन तक पहुंच गई है।

बिहार में भाजपा करेगी 243 सीटों के बीएलए-1 कार्यकर्ताओं का सम्मान

पटना (नि.सं.) । बिहार विधानसभा चुनाव में 89 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी भाजपा अपने सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों के बीएलए-1 कार्यकर्ताओं को 29 नवंबर को सम्मानित करेगी। यह निर्णय भाजपा के चुनाव प्रबंधन विभाग की बैठक में लिया गया। प्रदेश संयोजक राधिका रमण ने बताया कि सम्मान समारोह पार्टी के प्रदेश कार्यालय स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में पूर्वाह्न 11:00 बजे आयोजित होगा। इस अवसर पर बीएलए-1 कार्यकर्ताओं की चुनाव में भूमिका को देखते हुए उन्हें सम्मान दिया जाएगा। चुनाव के दौरान बीएलए-1 कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने बूथों पर मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करने और मतदाता सूची में सुधार में अहम भूमिका निभाई।

योजनाओं की निगरानी को पंचायत स्तर पर बनेगी कमेटी : मंत्री

पटना (नि.सं.) । पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने शनिवार को विभाग में कामकाज शुरू कर दिया। मौके पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि जिला परिषद की संपत्ति को चिह्नित कर उन्हें विकसित किया जाएगा, जिससे विभाग की आय में वृद्धि हो और स्थानीय स्तर पर युवाओं को रोजगार मिल सके। ग्राम पंचायत स्तर पर योजनाओं के अनुश्रवण हेतु एक कमेटी का गठन किया जाएगा, जिसमें राजनीतिक दल के सदस्य शामिल होंगे। मंत्री ने विभाग की संरचना एवं कार्यप्रणाली को समझा। पदाधिकारियों एवं कर्मियों से मुलाकात कर उनके दायित्वों के बारे में जानकारी ली। विभाग की संरचना एवं कार्यप्रणाली को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। साथ ही विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। मंत्री ने विभागीय पदाधिकारियों के साथ कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निगरानी के लिए कमेटी का गठन होने से योजनाओं के क्रियान्वयन की पारदर्शिता बढ़ेगी।

जी20 लीडर्स समिट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिया संदेश, कहा

आतंकवाद में मादक-द्रव्यों की अहम भूमिका

- **इस पहल का लक्ष्य ड्रग्स की अवैध कमाई से आतंकवाद को मिलने वाले फंड को रोकने के लिए वैश्विक स्तर पर संगठित और ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करना है।**

एजेंसी | नई दिल्ली

जोहांसबर्ग में आयोजित जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ और स्पष्ट नीति को मजबूती से दुनिया के सामने रखा। इस बार प्रधानमंत्री ने मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद के बीच तेजी से मजबूत होते खतरनाक गठजोड़ को वैश्विक सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर चुनौती बताते हुए "G-20 इनिसिएटिव ऑन काउंटरिंग द ड्रग–टेरर नेक्सस" चलाने प्रस्ताव रखा। इस अभियान का उद्देश्य ड्रग्स की कमाई से आतंकवाद को मिलने वाले आर्थिक समर्थन को वैश्विक स्तर पर रोकने के लिए संगठित और ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करना है। मौजूदा प्रस्ताव के तहत भले ही भारत ने सीधे तौर पर सीमा पार आतंकवाद का नाम नहीं लिया हो, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के पिछले रुख को देखते हुए यह स्पष्ट है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवाद को समर्थन देने में मादक पदार्थों की तस्करी की बड़ी भूमिका रही है। वर्ष 2023 में नई दिल्ली में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन में भी आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा और "ज़ीरो-टॉलरेंस" की नीति पहली बार घोषणा पत्र का हिस्सा बनी थी। प्रधानमंत्री मोदी लगातार हर बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच से आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति और अनुभव साझा करते रहे हैं—कभी सीमा पार आतंकवाद पर, कभी टेरर फंडिंग पर, तो कभी क्रिप्टोकरेंसी के दुरुपयोग पर। सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने दो और महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी रखे। पहला, विश्व के विभिन्न हिस्सों में मौजूद पारंपरिक और पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली, सांस्कृतिक ज्ञान और समुदायों की विरासत को संरक्षित करने के लिए "वैश्विक पारंपरिक ज्ञान कोष" का निर्माण। प्रधानमंत्री ने कहा कि मानवता की सामूहिक बुद्धिमत्ता को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना दुनिया के भविष्य के लिए आवश्यक है। दूसरा प्रस्ताव "जी-20 अफ्रीका स्किल्स मल्टीप्लायर इनिसिएटिव" से जुड़ा है। मोदी ने कहा कि अफ्रीका के विकास और युवाओं की क्षमता को सशक्त बनाना पूरी दुनिया के हित में है। इसलिए भारत अगले दशक में अफ्रीका के दस लाख युवाओं को तकनीकी रूप से प्रशिक्षित करने के लक्ष्य के साथ 'ट्रेन–द–ट्रेनर्स' मॉडल अपनाने का सुझाव दिया है। इसके तहत तैयार होने वाले लाखों प्रशिक्षक आगे करोड़ों युवाओं को आधुनिक तकनीक, स्किल और रोजगार क्षमता से जोड़ेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस पहल में सभी जी-20 साझेदार देश वित्तीय और तकनीकी सहयोग देकर हिस्सा ले सकते हैं।

मोदी के प्रस्तावों के बाद सम्मेलन में मौजूद देशों ने वैश्विक सुरक्षा और मानव कल्याण से जुड़े इन विषयों को गंभीरता से लिया। विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि जी-20 स्तर पर ड्रग–टेरर नेक्सस को रोकने पर औपचारिक सहमति बन जाती है तो यह अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक ऐतिहासिक और निर्णायक कदम साबित होगा।

ड्रग्स पूरी दुनिया में तेजी से फैल रहा

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि फेंटेनिल जैसे जानलेवा ड्रग्स पूरी दुनिया में तेजी से फैल रहे हैं, जो न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य बल्कि सामाजिक स्थिरता और वैश्विक सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा बन गए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ड्रग्स की काली कमाई अब आतंकवाद का सबसे बड़ा ईंधन बन चुकी है, और केवल देशों के अलग-अलग प्रयासों से इस खतरे पर काबू नहीं पाया जा सकता। इसलिए, वैश्विक स्तर पर संयुक्त रणनीति और साझा कार्रवाई अब अनिवार्य है। उम्मीद जताई जा रही है कि दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में इस प्रस्ताव को औपचारिक रूप दिया जाएगा।

25 नवंबर को होगी नीतीश कैबिनेट की पहली बैठक

महिलाओं व युवाओं से जुड़े बड़े फैसलों पर टिकी निगाहें, कई फैसलों पर लगेगी मुहर

निज संवाददाता | पटना

बिहार में नई सरकार के गठन के बाद अब सबकी निगाहें नीतीश कैबिनेट की पहली बैठक पर टिकी हैं। मंत्रियों के विभागों के बंटवारे के बाद अब मंगलवार, 25 नवंबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में एक अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास में पहली कैबिनेट बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक को सरकार की नई कार्ययोजना और आने वाले दिनों की प्राथमिकताओं के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार पहली कैबिनेट बैठक में सरकार सबसे पहले विधानमंडल का सत्र बुलाने का प्रस्ताव पास करेगी, जिसमें नए निर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। साथ ही अनुपूरक बजट पेश करने को लेकर भी निर्णय लिया जाएगा। पिछली सरकार में वित्त विभाग सम्राट चौधरी के पास था, लेकिन इस बार मंत्रालय जदयू के खाते में गया है और ऊर्जा व वित्त विभाग का जिम्मा संभाल रहे मंत्री बिजेंद्र प्रसाद अनुपूरक बजट पेश करेंगे। पहली कैबिनेट बैठक में महिलाओं और युवाओं को लेकर महत्वपूर्ण फैसलों की उम्मीद की जा रही है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री महिलाओं के लिए रोजगार प्रोत्साहन, कौशल विकास, उद्यमिता सहायता से जुड़े प्रस्तावों पर मुहर लगा सकते हैं, जबकि युवाओं के लिए पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में आर्थिक व अकादमिक सहयोग से जुड़े फैसले भी संभव हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार जनता ने नीतीश कुमार पर पहले से अधिक भरोसा जताया है और उसका सीधा असर शासन की सक्रियता में दिखना तय है। रोजगार, पलायन, शिक्षा-स्वास्थ्य और राज्य में निवेश बढ़ाने जैसे मुद्दों पर नीतीश सरकार पर ठोस पहल का दबाव रहेगा। नीतीश कुमार की राजनीतिक पहचान हमेशा से वादों को पूरा करने वाले नेता की रही है — चाहे बिहार में शराबबंदी लागू करने की बात हो या हर घर बिजली और सस्ती बिजली उपलब्ध कराने का वादा, नीतीश कुमार ने जिम्मेदारी संभालते ही वादों को धरातल पर उतारा है।

ऐसे में कैबिनेट की पहली बैठक को जनता उम्मीदों के नजरिए से देख रही है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि 25 नवंबर को होने वाली बैठक में कौन-कौन से फैसले राज्य की नीतियों और आम जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव की दिशा तय करते हैं।

29 को सीएम नीतीश कुमार के पिता की 48वीं पुण्यतिथि

पटना (नि.सं.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पिता और प्रख्यात वैद्य कविराज राम लखन सिंह की 48वीं पुण्यतिथि आगामी 29 नवंबर को कल्याणबिगहा गांव में धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री स्वयं अपने बड़े भाई सतीश कुमार और बेटे निशांत कुमार के साथ उपस्थित होकर अपने पिता को श्रद्धांजलि देंगे। पुण्यतिथि समारोह की तैयारियों को लेकर कल्याणबिगहा स्थित वाटिका परिसर में साफ-सफाई और सजावट का काम शुरू कर दिया गया है। बराह पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि कमलेश कुमार उर्फ पिंटु यादव ने बताया कि कविराज राम लखन सिंह की प्रतिमा पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पुष्प अर्पित करेंगे। वाटिका परिसर को विशेष रूप से सजाया जाएगा और सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है।

तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत

- **बच्चे घर के पास खेल रहे थे, खेलते-खेलते तालाब के पास पहुंच गए, देर होने पर खोजबीन की गई।**

निज संवाददाता | एकमा (सारण)

छपरा के एकमा थाना क्षेत्र के धनवती गांव में शनिवार को एक दुखद हादसा हुआ, जिसमें तीन मासूम बच्चों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना ने पूरे इलाके में शोक की लहर फैला दी है। मृतकों की पहचान मनोज मांझी के चार वर्षीय बेटे उज्जवल कुमार, सरोज मांझी की बेटी तान्या कुमारी और सीवान जिले के महाराजगंज थाना क्षेत्र की छह वर्षीय सोनी कुमारी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सोनी कुमारी मामा के घर शादी समारोह में आई हुई थी और परिवार के साथ समय बिता रही थी।

परिवार और ग्रामीणों ने बताया कि तीनों बच्चे घर के पास खेल रहे थे। खेलते-खेलते बच्चे तालाब के पास पहुंच गए। थोड़ी देर बाद जब बच्चे नजर नहीं आए, तो परिजनों ने तलाश शुरू की। इसी दौरान ग्रामीणों ने तालाब में एक बच्चे का शव तैरता देखा। जैसे ही उन्होंने तालाब में उतरकर शव निकाले, दो और बच्चों के शव भी पानी से बरामद किए गए। तीनों बच्चों को तत्काल एकमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, लेकिन डॉक्टर डॉ. इरफान ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद अस्पताल परिसर में परिजन और ग्रामीणों में मातम पसरा रहा।

एकमा थानाध्यक्ष ध्रुव प्रसाद सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। बच्चों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेजा गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। स्थानीय लोग इस हादसे पर गहरी चिंता और दुःख व्यक्त कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि तालाब के आसपास सुरक्षा इंतजाम न होने के कारण अक्सर बच्चों के लिए खतरा रहता है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए तालाब के आसपास उचित उपाय किए जाएं ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदी दोबारा न हो। यह घटना एक बार फिर यह संदेश देती है कि बच्चों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता और स्थानीय प्रशासन का सतर्क रहना कितना आवश्यक है।

दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग आ रहा है बिहार

पटना(नि.सं.)। दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग बिहार के मंदिर में स्थापित होगा। पूर्वी चंपारण के चकिया में निर्माणाधीन विराट रामायण मंदिर के लिए 33 फीट ऊंचा और 33 फीट चौड़ा, 210 मीट्रिक टन वजनी ग्रेनाइट पत्थर का शिवलिंग बनकर तैयार हो गया है। तीन करोड़ में इसका निर्माण तमिलनाडु के महाबलीपुरम के पट्टीकाडु गांव में दस वर्षों से हो रहा था। सड़क मार्ग से 96 चक्का वाला ट्रक शुक्रवार को शिवलिंग लेकर बिहार के लिए चल दिया है। शिवलिंग का निर्माण कंपनी के विनायक वेंकटरमण ने बताया कि फरवरी 2026 तक यह शिवलिंग विराट रामायण मंदिर में स्थापित हो जाएगा। शिवलिंग को महाबलीपुरम से पूर्वी चंपारण स्थित मंदिर परिसर में पहुंचने में 20 से 25 दिन का समय लगने की उम्मीद है।

न्यूनतम तापमान में 4 डिग्री तक गिरावट की संभावना

बिहार में दो दिन बाद और बढ़ेगी ठंड

निज संवाददाता | पटना

नवंबर के तीसरे सप्ताह के अंत में बिहार का मौसम तेजी से बदल रहा है। दिन में हल्की गर्मी के बावजूद सुबह और रात की ठंड लगातार बढ़ रही है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 2 दिनों में राज्य के अधिकतर जिलों में ठंड और बढ़ेगी। 24 नवंबर से ठंड का असर पूरे राज्य में अधिक महसूस होगा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अगले 3-4 दिनों में दिन का तापमान लगभग स्थिर रहेगा, लेकिन रात का पारा तेजी से नीचे आएगा। अनुमान है कि राज्य के अधिकतर जिलों में न्यूनतम तापमान 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। इसके साथ ही सुबह-शाम की ठिठुरन बढ़ेगी और सर्द हवा का असर और अधिक महसूस होगा। इस बदलाव के पीछे उत्तर-पश्चिमी शुष्क हवाओं का बिहार की ओर बढ़ना मुख्य कारण है।

शनिवार की सुबह बेतिया में हल्का कोहरा देखा गया, जबकि नालंदा में दृश्यता पूरी तरह स्पष्ट रही। शुक्रवार को औरंगाबाद में न्यूनतम तापमान 13.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य का सबसे कम तापमान रहा। वहीं, पटना का अधिकतम तापमान 28.7 डिग्री और मोतिहारी में 31.6 डिग्री सेल्सियस रहा। पूर्णिया में सुबह दृश्यता 800 मीटर तक दर्ज की गई, लेकिन हल्के कोहरे के कारण सड़क और हवाई यातायात पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा।

संक्षिप्त समाचार

डीएपी रासायनिक खाद की कालाबाजारी से किसान परेशान

नारदीगंज(नवादा)। प्रखंड क्षेत्र के किसान इन दिनों यूरिया व डीएपी खाद के कालाबाजारी से परेशान हैं। किसान को समय के साथ यूरिया और डीएपी खाद नहीं मिलने से रबी का फसल का बुआई में दिक्कतें आ रही है। फसल पर भी प्रतिकूल असर पड़ने की संभावना दीख रहा है। अभी रबी के फसल में खाद डालने का कार्य चल रहा है। पसई निवासी कृष्ण कुमार,नवीन सिंह,पड़रिया के मिथिलेश कुमार सुमन,कहुआरा के दूधनाथ महतो,फलडु के हरि यादव,रामे के श्यामशेर प्रसाद समेत अन्य किसानों ने कहा कि प्रखंड क्षेत्र में कई खाद की दुकानें हैं। सभी दुकानों में पर्याप्त मात्रा में यूरिया और डीएपी खाद उपलब्ध है। लेकिन दुकानदारों द्वारा खाद की अनुपलब्धता बता कर किसानों को परेशान किया जा रहा है । वहीं दुकानदार रात के अंधेरे में भोले भाले किसानों को 370 रुपए के दर से यूरिया और 1450 रुपए के दर से डीएपी खाद बेचा जा रहा है। वह भो किसानों को जरुरत के अनुसार एक दो बोरा खाद नहीं दे रहा है। खुदरा बिक्री कर रहा है। जबकि उसके गोदाम में खाद भरा पूरा है। खाद रहने के बावजूद ऐसे में किसान भटक रहे हैं। इधर,खाद बिक्रेता कहते हैं कि पर्याप्त मात्रा में सभी तरह का बिक्रेताओं के दुकान में खाद उपलब्ध है। सरकारी दर पर किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है। कहा गया यूरिया 266 रुपये, डीएपी 1350 रुपये और पोटाश 1800 सौ रुपये की दर पर प्रति बोरा किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

बीएओ विवेक कुमार कहते हैं कि शिकायत के आलोक में सम्बंधित खाद बिक्रेताओं पर कार्रवाई की जाएगी।

मानडीह से दो वारंटियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रजौली। थाना क्षेत्र के मानडीह गांव से पुलिस बलों ने दो वांछित वारंटियों को गिरफ्तार किया है।थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि न्यायालय से निर्गत वारंट के आलोक में दो लोगों को थाना के पदस्थापित एएसआई संजय कुमार ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार लोगों की पहचान मानडीह गांव निवासी स्व. दहन भोक्ता के पुत्र रामोतार भोक्ता एवं रामोतार भोक्ता के पुत्र मुन्ना भोक्ता के रूप में हुई है।थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों गिरफ्तार वारंटियों को शनिवार को अस्पताल में स्वास्थ्य जांच करवाकर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

सीओ के जनता दरबार में आये तीन मामले

नरहट (नवादा)। शनिवार को प्रखण्ड परिसर स्थित सभा कक्ष में सीओ मनीष कुमार के नेतृत्व में भूमि सम्बंधित विवादों का निबटारा के लिए जनता दरबार का आयोजन किया गया। सीओ ने बताया कि जनता दरबार में तीन मामले आये जिसमें एक का निष्पादन किया गया वहीं दो मामले में द्वितीय पक्ष को नोटिस भेजा जा रहा है। इस मामले की सुनवाई अगली जनता दरबार में किया जाएगा। इस मौके पर एएसआई, राजस्व कर्मचारी संजीत कुमार, अरविंद कुमार मौजूद थे। आपको बता दें कि प्रत्येक शनिवार को भूमि सम्बंधित विवादों का निष्पादन के लिए थाना परिसर में जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा था। विभागीय निदेशानुसार अब जनता दरबार का आयोजन सीओ के कार्यलय परिसर स्थित सभा कक्ष में आयोजित किया जा रहा है। भूमि विवाद सम्बंधित मामलों का निष्पादन के लिए आप सीओ कार्यालय में आवेदन दे सकते हैं। प्रत्येक शनिवार को जनता दरबार का आयोजन कर दोनों पक्षों को बुलाकर भूमि सम्बंधित विवादों में दस्तावेजों का अवलोकन के बाद विवादों का निबटारा किया जाता है।

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने बाले छात्रों को निःशुल्क पुस्तकालय एवं आईटी लैब उपलब्ध

नवादा जिले के युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा के रूप में संयुक्त श्रम भवन, जिला नियोजनालय, नवादा में नियोजन-सह-मार्गदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत कैरियर इंफॉर्मेशन सेंटर (CIC) संचालित किया जा रहा है। इस केंद्र में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए 2000 से अधिक पुस्तकों वाली आधुनिक पुस्तकालय व्यवस्था उपलब्ध है। सीआईसी में आईटी लैब की सुविधा भी विकसित की गई है, जहाँ 11 कंप्यूटर संचालित हैं। यहां एनसीएस (राष्ट्रीय कैरियर सेवा पोर्टल) पर पंजीकृत अभ्यर्थी निःशुल्क पुस्तकालय एवं आईटी लैब की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। यह सुविधा विशेष रूप से उन युवाओं के लिए उपयोगी है जो बाहर महंगे शिक्षण संसाधनों पर व्यय करने में असमर्थ हैं। प्रतिभागी सोमवार से शनिवार तक प्रतिदिन पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 05:00 बजे तक पुस्तकालय एवं आईटी लैब का उपयोग कर सकते हैं। इस पुस्तकालय में युवाओं के लिए निःशुल्क वाई-फाई, शांत एवं अनुकूल अध्ययन कक्ष सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे वे बेहतर तरीके से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकें। इस पुस्तकालय का लाभ लेने हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों को जिला नियोजनालय, नवादा में एनसीएस पोर्टल पर निःशुल्क पंजीयन कराना आवश्यक है। पंजीकरण के लिए एक पासपोर्ट आकार की फोटो, एक मान्य पहचान पत्र तथा उच्च शैक्षणिक योग्यता प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा।

छात्रा से दुर्व्यवहार मामले में डीएवी स्कूल का आरोपी शिक्षक को प्रबंधन ने किया निलंबित

थाना परिसर में डीएवी स्कूल के प्रिंसिपल व साथ में शिक्षकगण

रजौली। मुख्यालय स्थित डीएवी स्कूल में एक शिक्षक पर स्कूल में पढ़नेवाली एक छात्रा से दुर्व्यवहार का आरोप तीन दिनों पूर्व पीड़ित छात्रा की मां द्वारा लगाया गया था।इस मामले में स्कूल प्रबंधन ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए,आरोपी शिक्षक को निलंबित कर दिया है।मिली जानकारी के अनुसार बीते 18 नवंबर को स्कूल से घर जाने के बाद शाम में अपनी मां को बताई कि उसके शरीर में दर्द हो रहा है।पीड़ित मां द्वारा पहले सामाजिक प्रयास किया गया,किंतु जब समस्या का समाधान नहीं हो पाया,तो थाना में इसकी मौखिक शिकायत की गई।शिकायत मिलने के बाद 19 नवंबर की रात्रि को पुलिस ने आरोपी शिक्षक को हिरासत में लेकर सघन पूछताछ किया।अगले दिन पीड़ित परिजनों और स्कूल के शिक्षकों के साथ साथ पुलिस बलों के बीच घंटों तक बहसबाजी चलती रही।इस दौरान देर शाम तक पीड़ित बच्ची की मां ने थाने को लिखित शिकायत देकर अग्रतर कानूनी कार्रवाई से मना कर दी।पुलिस को लिखित आवेदन नहीं मिलने के बाद,हिरासत में रहे आरोपी शिक्षक को थाना से आवश्यक निर्देश देकर छोड़ दिया गया।इस बाबत डीएवी स्कूल के प्रिंसिपल पी. शाहा ने बताया कि आरोपी शिक्षक को स्कूल प्रबंधन द्वारा निलंबित कर दिया गया है।साथ ही कहा कि पुलिस द्वारा मिले निर्देश के अनुसार आरोपी शिक्षक को थाना क्षेत्र के भीतर ही रहने को निर्देशित किया गया है।

यात्री बसों की आड़ में चल रहा अवैध माल ढुलाई का 'सिंडिकेट'

रजौली चेकपोस्ट पर 'इंट्री माफिया' और रसूखदारों के गठजोड़ से लग रहा राजस्व को करोड़ों का चूना

निज संवाददाता। रजौली (नवादा)

♦ पटना, नवादा, राजगीर से कोलकाता तक 'एक नंबर' में दौड़ रही हैं बसें, प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

बिहार और पश्चिम बंगाल के बीच चलने वाली अंतरराज्यीय बस सेवा अब केवल यात्रियों को ढोने का साधन नहीं रह गई है, बल्कि यह अवैध व्यापार और टैक्स चोरी का एक बड़ा जरिया बन चुकी है। नवादा जिले का रजौली, जो बिहार का प्रवेश द्वार माना जाता है, इन दिनों परिवहन विभाग के नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले माफियाओं का गढ़ बनता जा रहा है।पटना, नवादा, बिहारशरीफ, हिसुआ और राजगीर जैसे प्रमुख शहरों से कोलकाता जाने वाली लग्जरी बसें यात्रियों की सुरक्षा को ताक पर रखकर मालवाहक ट्रकों की तरह काम कर रही हैं। हैरानी की बात यह है कि यह पूरा खेल 'एक नंबर' के कोडवर्ड के साथ प्रशासन की नाक के नीचे चल रहा है, जहां बिना परमिशन और बिना टैक्स चुकाए गाड़ियां धड़ल्ले से सीमा पार कर रही हैं।

भ्रष्टाचार का गढ़,रसूखदारों और माफिया का गठजोड़:- रजौली स्थित समेकित जांच चौकी से लेकर जिला प्रशासन की भूमिका पर अब गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। करोड़ों की लागत से बनी इस चौकी का मुख्य उद्देश्य अवैध परिवहन पर रोक लगाना और राज्य के लिए राजस्व जुटाना था, लेकिन सूत्रों की मानें तो अब यह 'इंट्री माफियाओं' के लिए कमाई का अड्डा बन गया है। समेकित जांच चौकी से लेकर दूसरे जिलों की सीमाओं तक माफियाओं द्वारा एक संगठित नेटवर्क चलाया जा रहा है। इस नेटवर्क के तार इतने गहरे जुड़े हैं कि बसों को पास कराने के लिए बकायदा बोली लगती है और एक निश्चित 'इंट्री फीस' चुकाने के बाद बस को बिना किसी जांच के जाने दिया जाता है। स्थानीय लोगों और दबी जुबान से कुछ कर्मचारियों का कहना है कि इस खेल में रसूखदार सफेदपोशों और खादीधारियों का सीधा हस्तक्षेप है, जिसके कारण ईमानदार अधिकारी भी कार्रवाई करने से कतराते हैं या फिर वे भी इस बहती गंगा में हाथ धो रहे हैं।

जानलेवा खतरा, एक परमिट पर दौड़ रहीं कई गाड़ियां:- जमीनी हकीकत यह है कि इन बसों में यात्रियों के बैठने की जगह को कम करके वहां कमर्शियल सामान लोड किया जा रहा है। बस की छतों से लेकर डिक्की और सीटों के नीचे तक, हर जगह माल ठूंस-ठूंस कर भरा होता है। मोटर वाहन अधिनियम के तहत यात्री बसों में कमर्शियल कार्गो ले जाना पूर्णतः प्रतिबंधित है, क्योंकि इससे न केवल सरकार को जीएसटी और रोड टैक्स का नुकसान होता है, बल्कि बस का संतुलन बिगड़ने से जानलेवा हादसों का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है। लेकिन 'प्रशासन के मेल' से चल रहे इस कारोबार में

कोलकाता से रजौली चेक पोस्ट पार कर बिहार में प्रवेश करती माल लदे यात्री बस

निरंतरता इतनी है कि बस मालिकों को किसी भी तरह की रोक-टोक का डर नहीं है। यह सिंडिकेट इतना हावी है कि वे समानांतर परिवहन व्यवस्था चला रहे हैं। हद तो तब हो जाती है जब कुछ बस मालिक एक ही नंबर पर सड़कों पर कई गाड़ियां दौड़ा रहे हैं, जिससे उन्हें रूट परमिट की कोई आवश्यकता नहीं होती; वे एक वाहन का परमिट करवाते हैं और उसी की आड़ में कई वाहन उस रूट पर चलवाते हैं।

बेखौफ सिंडिकेट,जेल से छूटते ही फिर सक्रिय हुए माफिया :- हालांकि, पूर्व के दिनों में ओवरलोड ट्रक इंट्री कराने वाले एक-दो माफियाओं पर कार्रवाई की गई थी। इन माफियाओं को जेल की हवा भी खानी पड़ी थी, जिससे कुछ दिनों तक अवैध पासिंग पर कुछ हद तक लगाम लगा था। लेकिन जेल से निकलते ही पूरा इंट्री सिंडिकेट पुनः अपनी पैठ जमा कर इस खेल में सक्रिय हो गया है। उनकी गतिविधियों को देखकर ऐसा लगता है कि उन्हें कार्रवाई का कोई भय नहीं है। विडंबना यह है कि समेकित जांच चौकी पर आरटीओ की भी तैनाती है, जिनकी निगरानी में वाहनों का आवागमन होता है। इसके अलावा उड़नदस्ता टीम भी कुछ माह पूर्व तक सक्रिय थी, इसके बावजूद सड़कों पर मोटर व्हीकल अधिनियम की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

क्या कहते हैं जिला परिवहन पदधिकारी :- इस संबंध में जिला परिवहन पदाधिकारी नवीन कुमार पांडेय ने बताया कि चुनाव में व्यस्तता के कारण नियमित रूप से जांच नहीं हो पा रही थी।साथ ही उन्होंने सोमवार से नियमित जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही है।

धान अधिप्राप्ति प्रक्रिया को प्रभावी एवं पारदर्शी बनाने को लेकर डीएम ने किया बैठक

निज संवाददाता। नवादा

नवादा समाहरणालय सभाकक्ष, नवादा में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत धान अधिप्राप्ति से संबंधित महत्वपूर्ण बैठक जिला पदाधिकारी नवादा रवि प्रकाश की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी ने सभी पैक्स अध्यक्षों व मिल संचालकों से विस्तृत चर्चा करते हुए धान अधिप्राप्ति से जुड़ी समस्याओं एवं आवश्यक सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि इस वर्ष जारी लक्ष्य के अनुरूप जिले में अधिकतम मात्रा में धान अधिप्राप्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को उचित एवं लाभकारी मूल्य प्राप्त हो सके।

जिला पदाधिकारी ने कहा कि गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धान अधिप्राप्ति के समतुल्य सीएमआर की गुणवत्ता पूर्व वर्ष की भांति उच्च स्तर पर सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, बिहार, पटना द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप राइस मिलरों द्वारा अग्रिम सीएमआर उपलब्ध कराने के बाद ही पैक्स के माध्यम से धान की आपूर्ति की जाएगी।

जिला पदाधिकारी ने अधिप्राप्ति कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने और इसे पारदर्शी, व्यवस्थित एवं समयबद्ध तरीके से संचालित करने का निर्देश दिया।बैठक में उपस्थित मिल संचालकों को भी गुणवत्ता सुनिश्चित करने, निर्धारित मानकों के अनुरूप ही चावल उपलब्ध कराने तथा प्रक्रिया को नियमबद्ध रूप से संचालित करने के निर्देश दिए गए। इस बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी,डीएमएसएफसी,पैक्स अध्यक्ष एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

जनता दरबार में आए दो मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन

निज संवाददाता। रजौली

जनता दरबार में शामिल अंचलाधिकारी व ग्रामीण

मुख्यालय स्थित प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर स्थित सभागार में शनिवार को अंचलाधिकारी के नेतृत्व में जनता दरबार का आयोजन किया गया।इस मौके पर अंचल नाजिर शिव शंकर कुमार भी मौजूद रहे।अंचलाधिकारी ने बताया कि बीते 20 सितंबर से पूर्व प्रत्येक शनिवार को रैयती जमीनी विवाद के निराकरण को लेकर थाना परिसर में जनता दरबार का आयोजन किया जाता था।किंतु विभागीय आदेश के बाद अब प्रत्येक शनिवार को अंचल कार्यालय परिसर में ही जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है।इस बार अंचल कार्यालय परिसर स्थित सभागार में रजौली क्षेत्र के अंधरबारी एवं चौथा गांव से जमीन संबंधी दो मामले आए थे,जिसमें अंधरबारी गांव के परमेश्वर प्रसाद व दिनेश चौधरी एवं चौथा गांव के धीरेन्द्र प्रसाद व उमेश प्रसाद के बीच जमीन के स्वामित्व और दखल को लेकर विवाद था।अंचलाधिकारी ने कहा कि दोनों मामलों में दोनों पक्षों की मौजूदगी में मामलों का निष्पादन ऑन द स्पॉट किया गया।अंचलाधिकारी ने आमलोगों से अपील किया कि वे जमीन विवाद को लेकर आपस में लड़ाई-झगड़ा नहीं करें,बल्कि अंचल कार्यालय में आयोजित होने वाले जनता दरबार में आकर विवादों का निराकरण करवाएं।इस मौके पर अंचल गार्ड समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

साईबर अपराध में लिप्त दो अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

निज संवाददाता। नवादा

वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में चल रहे जालसाजी का खेल पर अंकुश लगाने की दिशा में साईबर अपराधकर्मियों के विरूद्ध कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक नवादा के निर्देशानुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पकरीबरावां के नेतृत्व में पंकज कुमार सैनी पु०नि०-सह-थानाध्यक्ष, वारिसलीगंज थाना, नवादा के द्वारा टीम का गठन किया गया, जिसमें वारिसलीगंज थाना के पुलिस पदाधिकारी तथा सशस्त्र बल को शामिल किया गया। उक्त टीम के द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम चैनपुरा स्थित राईस मिल के पास कार्रवाई करते हुये छापामारी की गई। छापामारी में 02 साईबर अपराधियों को पकड़ा गया है। इनके पास से 03 एंड्रोएड मोबाईल जिसमें दो डी मोबाईल एवं एक अन्य मोबाईल एवं 11 पन्ना का डाटासीट को बरामद किया गया है। पकड़ाये अपराधियों से पूछताछ करने पर पता चला कि ये लोग बजाज फाईनेन्स कम्पनियों के नाम पर लोन देने के नाम पर ग्राहकों को प्राप्त कस्टमर डाटा जिसमें ग्राहक का मोबाईल नंबर, नाम पता आदि के बारे जानकारी अंकित रहता है। उक्त कस्टमर डाटा में अंकित मोबाईल नंबर पर ये लोग संपर्क कर लोन देने के नाम पर ठगी का काम करते है। उक्त के आलोक में वारिसलीगंज थाना कांड सं0-602/25, तिथि:-21.11.25, धारा:-303 (2)/318 (2)/318(4)/336(2)/338/340(2)/61(2) भा०न्या०सं० एवं 66/66थी/66सी/66डी आई०टी० एक्ट एक्ट दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तार युवकों में फुलटुन कुमार उम्र 30 वर्ष पे० राजेन्द्र रविदास सा० विजय नगर मुशहरी थाना बारिसलीगंज एवं रोहित कुमार उम्र करीब 19 वर्ष पे० शंकर रविदास सा० विजय नगर मुशहरी थाना वारिसलीगंज जिला नवादा का है। गिरफ्तार अपराधियों से एक एन्ड्रायड मोबाईल-की - पैड(तीन) 11पेज का डाटासीट भी बरामद किया गया है। छापेमारी दल में थानाध्यक्ष समेत पु०अ०नि० रमेश कुमार, वारिसलीगंज थाना,प्र०पु०अ०नि० जयप्रकाश कुमार, पु०स०अ०नि० मिथलेश कुमार सुमन,पी०टी०सी० ओमप्रकाश सहित अन्य कई पुलिसकर्मी मौजूद थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर थाना प्रभारियों के साथ बैठक

निज संवाददाता। नवादा

नवादा नालसा एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के मार्गदर्शन में तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा सुश्री शिल्पी सोनी राज के निर्देशानुसार आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 13 दिसंबर 2025 को सफलतापूर्वक आयोजन हेतु आज दिनांक 22 नवंबर 2025 को लाईब्रेरी हॉल, व्यवहार न्यायालय, नवादा में जिले के सभी थाना अध्यक्षों/प्रभारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा के सचिव श्री धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में उपस्थित सभी थाना अध्यक्षों को राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए निर्गत नोटिसों के तामिला के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने सभी थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि नोटिसों का शत-प्रतिशत तामिला सुनिश्चित करें तथा पंचायत एवं ग्राम स्तर पर सक्रियता दिखाते हुए अधिक से अधिक पक्षकारों को उपस्थिति हेतु जागरूक व प्रेरित करें। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि लोक अदालत की सफलता निर्गत नोटिसों के तामिला एवं पक्षकारों की उपस्थिति पर निर्भर करती है, अतः सभी थानों से त्वरित, सटीक एवं अधिकतम तामिला प्रतिवेदन उपलब्ध कराना अनिवार्य है।

बैठक के दौरान यह भी निर्देशित किया गया कि संबंधित थानों में भेजे गए नोटिसों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक सुलहनीय वादों का निस्तारण आपसी समझौते के आधार पर राष्ट्रीय लोक अदालत में किया जा सके।

बैठक में नगर थाना नवादा, मुफस्सिल, नारदीगंज, हिसुआ, सिरदला, रजौली, अकबरपुर, काशीचक, मेसकौर, वारिसलीगंज, रोह, पकरीबरामा, गोविन्दपुर, कौवाकोल, कादिरगंज, सीतामढ़ी, थाली, नेमदारगंज, रूपौ, धमौल, शाहपुर, बुंदेलखंड एवं यातायात थाना सहित जिले के सभी थाना अध्यक्ष/प्रभारी एवं स्थायी लोक अदालत नवादा के पेशकार श्री राकेश कुमार उपस्थित थे।

सीतामढ़ी महोत्सव को लेकर डीएम ने किया समीक्षा बैठक

निज संवाददाता। नवादा

जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में सीतामढ़ी मेला महोत्सव-2025 के सफल आयोजन को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला पदाधिकारी ने अंचलाधिकारी मेसकौर को निर्देश दिया कि वे पूर्व में मेला आयोजित करने वाले प्रमुख आयोजकों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र बैठक आयोजित करें, ताकि मेला संचालन के पारंपरिक स्वरूप एवं आवश्यकताओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सके।जिलाधिकारी ने कहा कि मेला प्रारंभ होने से पूर्व स्थल की साफ-सफाई, बैरिकेडिंग एवं सुरक्षा प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सीतामढ़ी मेला स्थानीय संस्कृति व परंपराओं का प्रतीक है, इसलिए स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता देते हुए सांस्कृतिक मंच पर प्रस्तुति का अवसर प्रदान किया जाए, ताकि स्थानीय प्रतिभाओं को जिला स्तरीय पहचान मिल सके। इसके लिए एक सुव्यवस्थित सांस्कृतिक कार्यक्रम सूची तैयार करने का निर्देश दिया गया।

इसके साथ ही जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं एवं आमजन के लिए पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सीय सहायता तथा सुरक्षा जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मेले में आने वालों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। बैठक के अंत में उन्होंने सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने तथा समयबद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया, ताकि इस वर्ष का सीतामढ़ी मेला महोत्सव सुरक्षित, भव्य एवं सफल रूप से संपन्न हो सके। इस अवसर पर गोपनीय शाखा प्रभारी नवादा, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद, कला एवं संस्कृति पदाधिकारी तथा अंचलाधिकारी मेसकौर एवं अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

40 लीटर देसी शराब जब्त

गयाजी। चाकंद थाना क्षेत्र स्थित चमंडी मोड़ के पास शनिवार दोपहर पुलिस ने 40 लीटर देसी शराब जब्त की। यह कार्रवाई दोपहर 2 बजे हुई। थाना प्रभारी शिवम कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक शराब विक्रेता प्रतिदिन मोटरसाइकिल से शराब ले जाता है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस लगातार उसकी तलाश में थी। nशनिवार दोपहर सूचना मिली कि मोटरसाइकिल पर शराब ले जाई जा रही है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मोटरसाइकिल पर लदी शराब को पकड़ लिया, लेकिन पुलिस को देख मोटरसाइकिल चालक मौके से भागने में सफल हो गया। पुलिस ने शराब और मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया है। चाकंद थाना की पुलिस लगातार शराबबंदी कानून के उल्लंघन में संलिप्त शराबियों और शराब विक्रेताओं पर नजर रख रही है और त्वरीत कार्रवाई कर रही है। थाना प्रशासन ने बताया कि आगे की जांच और कार्रवाई में पूरी टीम जुटी हुई है।

29 नवंबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पिता की पुण्यतिथि, सीएम बेटे-भाई के साथ श्रद्धांजलि देंगे

नालंदा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पिता और प्रख्यात वैद्य कविराज राम लखन सिंह की 48वीं पुण्यतिथि आने वाले 29 नवंबर को कल्याणबिगहा गांव में धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री स्वयं अपने बड़े भाई सतीश कुमार और बेटे निशांत कुमार के साथ पहुंचकर अपने पिता को श्रद्धांजलि देंगे। पुण्यतिथि समारोह की तैयारियों को लेकर कल्याणबिगहा स्थित वाटिका परिसर में साफ-सफाई का काम शुरू कर दिया गया है। बराह पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि कमलेश कुमार उर्फ पिंटु यादव ने बताया कि कविराज राम लखन सिंह वाटिका में स्थापित उनकी प्रतिमा पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देंगे। इस अवसर पर वाटिका परिसर को विशेष रूप से सजाया जाएगा और पूरी व्यवस्था दुरुस्त की जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि कविराज राम लखन सिंह का निधन 29 नवंबर 1978 को हुआ था। वे न केवल एक कुशल वैद्य थे, बल्कि स्वतंत्रता सेनानी के रूप में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन बख्तियारपुर में रहकर लोगों की सेवा में समर्पित कर दिया था। एक डॉक्टर के रूप में उनकी ख्याति दूर-दूर तक फैली थी और वे अपने निस्वार्थ सेवा भाव के लिए जाने जाते थे। उल्लेखनीय है कि स्व. राम लखन सिंह वाटिका में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मां और उनकी पत्नी की भी आदमकद प्रतिमाएं स्थापित हैं। यह वाटिका मुख्यमंत्री के परिवार के प्रति स्थानीय लोगों के सम्मान और श्रद्धा का प्रतीक बन गई है। स्थानीय प्रशासन और पंचायत प्रतिनिधि इस आयोजन को सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। 29 नवंबर को यहां बड़ी संख्या में लोगों के एकत्रित होने की संभावना है, जो इस महान व्यक्तित्व को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

शराब के नशे में हंगामा कर रहे दो युवक गिरफ्तार, मेडिकल जांच में पुष्टि

निज संवाददाता। डोभी, गयाजी

बहेरा थाना क्षेत्र में शनिवार शाम को शराब के नशे में हंगामा कर रहे दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। घटना कोसम्मा मोड़ के पास की है, जहां दोनों युवक नशे की हालत में आपस में भिड़ गए और राहगीरों के साथ भी बदसलूकी करने लगे। अचानक उत्पन्न हुए शोर-शराबे और अफरा-तफरी से आसपास के लोग काफी परेशान हो गए।

स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों युवक सड़क पर ही एक-दूसरे के साथ मारपीट पर आमादा थे। स्थिति बिगड़ती देख लोगों ने बहेरा थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस दल तत्काल मौके पर पहुंचा और दोनों युवकों को काबू में करते हुए हिरासत में ले लिया। युवकों की पहचान हंटरगंज थाना क्षेत्र के केदली निवासी पंकज कुमार तथा बहेरा थाना क्षेत्र के मंजरी गांव निवासी उच्चवल कांत के रूप में हुई है।

थाने लाकर दोनों का मेडिकल परीक्षण कराया गया, जिसमें शराब सेवन की पुष्टि हुई। पुलिस ने दोनों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

बहेरा थानाध्यक्ष रविरंजन कुमार ने बताया कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस लगातार गश्त बढ़ा रही है। शराब पीकर उपद्रव करने वालों पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि शराब के नशे में हंगामा या उत्पात करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि सख्ती जारी रहने से ऐसे मामलों पर रोक लगेगी।

बाइक ने तीन ग्रामीण को मारी टक्कर, एएनएमसीएच रेफर

निज संवाददाता। वजीरगंज

शनिवार शाम एरू इलाके में एक अनियंत्रित बाइक की टक्कर से तीन ग्रामीण—दो महिलाएं और एक पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं बाइक पर सवार तीन युवक भी चोटिल हुए। सभी घायलों को पुलिस हेल्पलाइन 112 की टीम ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने बताया कि एरू निवासी वर्षा देवी, सरजुन पंडित और पुनी देवी को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए एएनएमसीएच रेफर कर दिया गया। बाइक पर सवार तीन युवकों का इलाज वजीरगंज के स्थानीय अस्पताल में किया जा रहा है। घायलों के परिजन मनीष कुमार ने बताया कि उनके चाचा और अन्य ग्रामीण खेत से लौट रहे थे, तभी गया की ओर से आ रही अनियंत्रित बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। उन्होंने कहा कि टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों ग्रामीण और बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और बाइक चालक की पहचान की जा रही है।

नाली विवाद पर दो पक्षों में मारपीट, दर्जन भर घायल

निज संवाददाता। वजीरगंज

वजीरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत कनौदी गांव में शनिवार को नाली निर्माण को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए और मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान दोनों पक्षों से दर्जन भर लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को काबू किया। घायलों को इलाज के लिए स्थानीय सीएचसी लाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर मरीजों को बेहतर चिकित्सा के लिए एएनएमसीएच रेफर कर दिया। घायलों में बिन्देश्वरी यादव, ऋषि कुमार, चिंता देवी, गुड्डू कुमार, रिंकी देवी, पंकज कुमार, रीना देवी, मुन्नी देवी, उमेश कुमार, रूबी देवी, रेबी सहित अन्य लोग शामिल हैं। घायल उमेश कुमार ने बताया कि वे गया से अपने घर लौट रहे थे, तभी देखा कि उनके घर के पास नाली का निर्माण चल रहा था। उन्होंने कहा, "नाली अभी बन ही रही थी, लेकिन दूसरे पक्ष ने उसमें गंदा पानी बहाना शुरू कर दिया।

विरोध करने पर उन्होंने पथराव कर दिया, और मामला जल्द ही मारपीट में बदल गया। थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी अभिनव कुमार ने बताया कि यह मामला नाली निर्माण को लेकर विवाद का है। उन्होंने कहा कि घायलों का इलाज कराया जा रहा है और उन्हें आवेदन देने के लिए कहा गया है। आवेदन मिलने के बाद पुलिस द्वारा मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गुरुआ में तीन अभियुक्त गिरफ्तार,भेजा गया जेल

निज संवाददाता। गुरुआ, गयाजी

जिले के गुरुआ थाना क्षेत्र में शनिवार को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी अभियान चलाकर विभिन्न मामलों में फरार चल रहे तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई के बाद सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। गुरुआ थाना प्रभारी मनेश कुमार ने बताया कि गुनेरी पंचायत के मोदिनचक गांव के टोला महादेवपुर कला से लखीनारायण चौहान और भोला चौहान को गिरफ्तार किया गया। दोनों अभियुक्तों के खिलाफ पहले से ही कोर्ट का वारंट जारी था। इसके अतिरिक्त कोलौना पंचायत के धमौल गांव से गणेशी बेलदार को भी गिरफ्तार किया गया। गणेशी बेलदार भी कोर्ट के वारंट के बावजूद फरार चल रहा था। पुलिस को सूचना मिली थी कि सभी अभियुक्त अपने घरों में मौजूद हैं। सूचना के आधार पर पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और तीनों को पकड़ लिया। गुरुआ थाना क्षेत्र में पुलिस द्वारा छापेमारी अभियान तेज कर दिया गया है और अन्य फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। थाना प्रभारी ने कहा कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस सतर्क है और किसी भी अपराधी को बचने नहीं दिया जाएगा।

नालंदा में 2 हजार लीटर विदेशी शराब जब्त, 2 आरोपी अरेस्ट

कूरियर सेवा की आड़ में कर रहे थे अवैध काम

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा की बिंद थाना पुलिस ने शनिवार को एक बड़े शराब तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया। गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान में पुलिस ने एक पार्सल पिकअप वाहन से 2709 लीटर विदेशी शराब बरामद की और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, तस्कर कूरियर सेवा की आड़ में इस अवैध धंधे को अंजाम दे रहे थे।

बिंद थानाध्यक्ष चंदन कुमार सिंह ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि शेखपुरा से होते हुए बेनार मोड़ के रास्ते एक पिकअप वाहन में भारी मात्रा में शराब बिंद की ओर लाई जा रही है। सूचना की पुष्टि के बाद थाना पुलिस ने फोरलेन चौराहा के पास भट्ठा पर विशेष चेकिंग अभियान शुरू किया।

कूरियर कंपनी की आड़ में तस्करी: थानाध्यक्ष ने बताया कि बेनार मोड़ की तरफ से आ रहे एक संदिग्ध पिकअप को रोका। वाहन पर 'ब्लू डार्ट डाक पार्सल' अंकित था, जिससे यह एक सामान्य कूरियर वाहन जैसा प्रतीत हो रहा था। लेकिन गहन तलाशी लेने पर पिकअप में 'मेड इन अरुणाचल प्रदेश 999 गोल्ड प्रीमियम व्हिस्की' की 301 कार्टन बरामद हुए।" प्रत्येक कार्टन में 750 मिलीलीटर की 12 बोतलें थीं, जिससे कुल 3612 बोतलें और 2709 लीटर विदेशी शराब जब्त की गई। बाजार मूल्य के अनुसार, इस खेप की कीमत लाखों रुपए आंकी जा रही है।

झारखंड और बिहार के दो तस्कर गिरफ्तार: पुलिस ने गाड़ी के ड्राइवर और उपचालक दोनों को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार चालक की पहचान झारखंड के चतरा के हंटरगंज थाना क्षेत्र के डुमरी गांव निवासी उदय कुमार पासवान उर्फ हुलेश्वर पासवान (28) के रूप में हुई है। उपचालक नालंदा के चंडी थाना क्षेत्र के घोरहरी गांव निवासी मिंटू कुमार (23) है। पुलिस ने पिकअप वाहन को भी जब्त कर लिया है और उत्पाद अधिनियम के प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

थानाध्यक्ष चंदन कुमार सिंह ने बताया कि यह महज शुरुआत है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इस तस्करी के गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस पूछताछ के जरिए इस रैकेट के मास्टरमाइंड और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में जुट गई हैं। यह एक संगठित अपराध प्रतीत होता है, जिसमें कई राज्यों से जुड़े लोग शामिल हो सकते हैं।

नालंदा में भाजपा के 2 नेताओं की मौत, महिला मोर्चा अध्यक्ष की डिलीवरी के बाद गई जान

♦ जिला कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा

निज संवाददाता। नालंदा

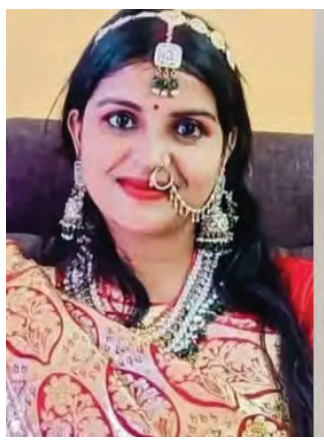

भारतीय जनता पार्टी के नालंदा जिला इकाई के लिए शनिवार का दिन दुखद साबित हुआ। महज कुछ घंटों के अंतराल में पार्टी को अपने दो प्रमुख कार्यकर्ताओं ती जान चली गई। महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष निशा कश्यप और पूर्व जिला महामंत्री सियाशरण आर्य की मौत हो गई है।

प्रसव के दौरान चली गई निशा कश्यप की जान: गाजीपुर, पावापुरी निवासी निशा कश्यप की मौत शुक्रवार की रात इलाज के लिए पटना ले जाने के दौरान हो गई। बिहार शरीफ सदर अस्पताल में प्रसव के दौरान जब उनकी तबीयत गंभीर हो गई, तो उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया था। लेकिन दुर्भाग्यवश रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। निशा कश्यप ने एक बेटे को जन्म तो दिया, लेकिन वो अपने नवजात को और परिवार को छोड़कर इस दुनिया से चल बसीं। वह माधवलाल कश्यप की धर्मपत्नी थीं और महिला मोर्चा की सक्रिय जिलाध्यक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारियां निभा रही थीं।

पुराने स्वयंसेवक थे सियाशरण आर्य: इस दुखद घटना के कुछ देर बाद ही हिलसा, गंज के निवासी और भाजपा नालंदा के पूर्व महामंत्री सियाशरण आर्य की मौत की खबर ने कार्यकर्ताओं को स्तब्ध कर दिया। स्वर्गीय सीताराम के बेटे सियाशरण आर्य बचपन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े थे और पार्टी संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते रहे।

जिला कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा: भाजपा जिला कार्यालय, मेहनौर में जिलाध्यक्ष राजेश कुमार के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने निशा कश्यप के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की। नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी गई। इस अवसर पर उनके पति माधवलाल कश्यप और परिजनों को ढांढस बंधाया। कार्यकर्ताओं ने पुष्प, माला और पार्टी का झंडा देकर अपने साथी को अंतिम सलामी दी। बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कल होगी शोक सभा: दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए कल 23 नवंबर को दोपहर 12 बजे मेहनौर स्थित भाजपा जिला कार्यालय में शोक सभा आयोजित की जाएगी।

अपूरणीय क्षति - जिलाध्यक्ष: इस दुखद घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए जिलाध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि अपने परिवार के दो सदस्यों को कुछ ही घंटों के भीतर खोने की पीड़ा असहनीय है। इन हृदयविदारक घटनाओं ने प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता को बहुत दुखी कर दिया है। उनकी क्षति पार्टी के लिए अपूरणीय है।

शपथ पत्र

मैं लालती देवी, पति इशवरी राम ग्राम उचौली, पो-रेगनियां, थाना-मदनपुर, जिला-औरंगाबाद (बिहार) शपथपूर्वक बयान करती हूं कि मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूं।
मेरा नाम आधार कार्ड पर लालती देवी (LALTI DEVI) अंकित है जिसका आधार नं.- 5029 9704 0710 है एवं इंडियन बैंक द्वारा निर्गत पासबुक पर लिलावती देवी LEELAVATI DEVI अंकित है जिसका खाता नं.- 50207594871 है।
मेरा नाम लालती देवी (LALTI DEVI) एवं लिलावती देवी LEELAVATI DEVI है जो मैं दोनों नाम से जानी पहचानी जाती हूं। मेरे गांव में मेरे नाम के अलावा और कोई अन्य महिला नहीं है।
मैं पुनः घोषणा करती हूं कि शपथ पत्र में वर्णित सारी बातें मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सही व सत्य है। शपथ पत्र सं. 8144 दिनांक 13.10.25

शपथकर्ता
लालती देवी

बेरोजगार युवाओं के लिए राहत, स्टडी-टूल किट मिलेंगे, इलेक्ट्रीशियन-मशीन ऑपरेटर को होगा फायदा

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में बेरोजगार युवाओं के लिए राहत की खबर है। सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार स्थापित करने के लिए टूल किट और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को स्टडी किट उपलब्ध कराई जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी 10 दिसंबर तक जिला नियोजनालय कार्यालय में अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। जिला नियोजन पदाधिकारी वक्कास ने इस योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके कौशल विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। योजना का फायदा उठाने के लिए युवाओं की पारिवारिक वार्षिक आय तीन लाख रुपए से कम होनी चाहिए। टूल किट के लिए 18 से 40 साल की आयु के युवा आवेदन कर सकते हैं, जबकि स्टडी किट के लिए आयु सीमा 18 से 35 साल निर्धारित की गई है।

छह महीने पहले निबंधन होना आवश्यक: एक महत्वपूर्ण शर्त यह है कि आवेदक का जिला नियोजनालय में कम से कम छह महीने पहले निबंधन होना आवश्यक है। बिना निबंधन के आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं के लिए टूल किट की व्यवस्था की गई है। इसमें इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल रिपेयर, फिटर, प्लम्बर, घरेलू उपकरण मरम्मत, ब्यूटीशियन, सिलाई मशीन ऑपरेटर और इसी प्रकार के अन्य व्यवसायिक प्रशिक्षण हासिल युवा शामिल हैं। प्रत्येक युवा को उसके ट्रेड के अनुसार आवश्यक औजार और उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे वे अपना स्वरोजगार शुरू कर सकें। यह पहल युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। **इंटरमीडिएट या स्नातक की डिग्री होना जरुरी:** प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए स्टडी किट में यूपीएससी, बीपीएससी, एसएससी, बैंकिंग, रेलवे और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें और मार्गदर्शिका शामिल होंगी। इन युवाओं के पास इंटरमीडिएट या स्नातक की डिग्री होनी चाहिए। यह योजना उन युवाओं के लिए विशेष रूप से लाभकारी साबित होगी जो आर्थिक तंगी के कारण महंगी अध्ययन सामग्री नहीं खरीद पाते हैं।

आवेदन के समय युवाओं को आय प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से संलग्न करना होगा। टूल किट के लिए शैक्षणिक योग्यता या संबंधित ट्रेड से प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र आवश्यक है, जबकि स्टडी किट के लिए इंटरमीडिएट या स्नातक का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

जिला नियोजन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक पात्र युवा केवल एक किट के लिए आवेदन कर सकता है। टूल किट और स्टडी किट दोनों के लिए एक साथ आवेदन नहीं किया जा सकता। युवाओं को अपनी आवश्यकता और योग्यता के अनुसार किसी एक का चयन करना होगा। इच्छुक युवा 10 दिसंबर तक जिला नियोजनालय कार्यालय में सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं। आवेदन की जांच के बाद पात्र युवाओं को किट वितरण की सूचना दी जाएगी।

शपथ पत्र

मैं अरविन्द कुमार पिता मनोहर लाल ग्राम जोगडी, पो.- सलैया, थाना सलैया जिला औरंगाबाद (बिहार) शपथ एवं निष्ठा पूर्वक बयान करता हूं कि मैं उपरोक्त पते का निवासी हूं। मेरा आधार कार्ड संख्या- है। हर्ष राज मेरा पुत्र है। मेरा पुत्र हर्ष राज का विद्यालय के नामाकन पंजी में उसका नाम हर्ष राज सिन्हा अंकित हो गया है जो कि गलत है। मेरा पुत्र का विद्यालय के रजिस्टर पंजी में सही नाम हर्ष राज अंकित कराने हेतु यह शपथ पत्र कर रहा हूं। मैं पुनः घोषणा करता हूं कि इस शपथ पत्र में लिखी गई सारी बाते मेरे व्यक्तिगत एवं निजी जानकारी में सही एवं सत्य है। शपथ पत्र सं. 7399 दिनांक 6.10.25

शपथकर्ता
अरविन्द कुमार

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोप में एक व्यक्ति को 20 वर्ष की सजा

बेतिया। पश्चिमी चंपारण जिले से एक महत्वपूर्ण और सख्त न्यायिक फैसला सामने आया है। जिले की विशेष पॉक्सो अदालत ने नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के जघन्य आरोप में एक व्यक्ति को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला न केवल आरोपी के अपराध की गंभीरता को दर्शाता है, बल्कि यौन अपराध के शिकार मासूमों के लिए न्याय को मजबूत संदेश भी देता है। पॉक्सो अधिनियम के विशेष न्यायाधीश अरविंद कुमार गुप्ता ने शनिवार को इस मामले में फैसला सुनाते हुए कहा कि नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म जैसे अपराध की गंभीरता को देखते हुए कठोर दंड आवश्यक है, ताकि समाज में ऐसे दरिंदों के मन में कानून का डर कायम रहे। अदालत ने दोषी साहब खान पर 71 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। राशि का भुगतान नहीं करने पर उसकी सजा और बढ़ जाएगी, जिसके लिए अतिरिक्त कारावास का प्रावधान होगा। दोषी साहब खान पश्चिमी चंपारण के इनरवा थाना क्षेत्र के घोर पकड़ी गांव का रहने वाला है। अभियोजन पक्ष के अनुसार मामले की सुनवाई के दौरान प्रस्तुत सबूतों, चिकित्सकीय रिपोर्ट, गवाहों के बयान और पीड़िता के संरक्षित बयान के आधार पर अदालत ने साहब खान का अपराध प्रमाणित पाया। अदालत ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया कि नाबालिग के साथ यौन शोषण समाज और मानवता के खिलाफ अपराध है, जिसे हर हाल में कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का व्यापक गृह संपर्क अभियान शुरू

कोटवा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में व्यापक गृह संपर्क अभियान शनिवार से आरंभ हुआ। यह व्यापक अभियान 22 दिसंबर तक चलेगा। यह अभियान सम्पूर्ण देश में चलाए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत स्वयंसेवकों की टोली मंडल स्तर के सभी गांवों के प्रत्येक घरों व परिवारों तक पहुंच कर उनको आरएसएस के बारे में जानकारी देने के साथ-साथ पत्रक और वर्णिका उपलब्ध करा रहे हैं। स्वयंसेवकों की टोली में ओंकार कुमार उर्फ कुमार सानू, संतोष कुमार, प्रवीण बाजपेई, मिंटू कुमार सहित अन्य शामिल रहे। संघ के प्रखंड कार्यवाह अरविंद कुमार पांडेय ने बताया कि व्यापक गृह संपर्क अभियान के तहत संघ के कार्यकर्त्ता प्रखंड के सभी 99 गांवों में घर-घर जाकर स्थानीय निवासियों को संघ की 100 वर्षों की यात्रा, उपलब्धियों एवं सामाजिक कार्यों की विस्तृत जानकारी दे रहे हैं। साथ ही वे प्रत्येक परिवार से समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए स्वेच्छा से किसी न किसी सेवा या जन-जागरण कार्य से जुड़ने की अपील भी कर रहे हैं। बताया कि अभियान के दौरान हर व्यक्ति और परिवार को संघ द्वारा प्रस्तावित 'पंच परिवर्तन' को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पंच परिवर्तन का लक्ष्य व्यक्ति, परिवार, समाज, पर्यावरण और राष्ट्र इन पांचों के समग्र विकास की दिशा तय करना है।

विधायक शालिनी मिश्रा ने अपने पैतृक आवास पर जनता से की मुलाकात

केसरिया, पू.च। विधायक शालिनी मिश्रा ने शनिवार को मदन सिरसिया स्थित अपने आवास पर क्षेत्र के वरिष्ठजनों, पार्टी पदाधिकारियों व बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों से स्नेहिल मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्रहित और जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। विधायक मिश्रा ने लोगों की समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को ध्यानपूर्वक सुना तथा संबंधित मामलों के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जनता की हर छोटी-बड़ी समस्या उनके लिए महत्वपूर्ण है और क्षेत्र के विकास के लिए वह निरंतर प्रयासरत रहेंगी। मुलाकात के दौरान उपस्थित लोगों ने भी विधायक के जनसंपर्क, सरल स्वभाव और सक्रिय कार्यशैली की सराहना की।

सुगौली चीनी मिल का डोंगा पूजा के साथ पेराई सत्र 2025-26 का शुभारंभ

सुगौली पू०च०। एचपीसीएल बायोफ्यूल्स लिमिटेड, इकाई सुगौली का डोंगा पूजा के साथ पेराई सत्र 2025-26 का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हुआ। इस शुभ अवसर पर भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी सुश्री स्वेता भारती (अनुमंडल पदाधिकारी, मोतिहारी सदर) की गरिमामई उपस्थिति में डोंगा में गन्ना डालकर पेराई सत्र प्रारंभ किया गया। इस शुभ अवसर पर सहायक निदेशक, ईख विकास, मोतिहारी एवं अन्य बिहार सरकार के अधिकारी गण के साथ एचबीएल के मुख्य परिचालन अधिकारी अमर कुमार,महाप्रबंधक रमेश चंद्र शुक्ला, गन्ना प्रबन्धक संजीव कुमार, अजय तिवारी , मुख्य अभियंता हरिओम द्विवेदी, गन्ना अधिकारी अमित सिंह, संतोष तिवारी, रणजीत सिंह, अजय शर्मा आदि अधिकारी/कर्मचारी गण के साथ साथ इकाई के सैकड़ों किसानों की गरिमामई उपस्थित रही। इकाई की पेराई सत्र प्रारंभ होने से किसानों में खुशी की लहर देखने को मिली। गन्ना प्रबंधन द्वारा समय से त्वरित गन्ना मूल्य भुगतान करने की बात कही गई।

नहीं रहे सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक चिरंजीवी लाल गुप्ता

केसरिया, पू.च। सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक एवं राजपुर निवासी चिरंजीवी लाल गुप्ता के निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके निधन पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बुद्धिजीवियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। स्थानीय विधायक शालिनी मिश्रा ने कहा कि चिरंजीवी लाल गुप्ता एक सरल, मिलनसार और शिक्षा के प्रति समर्पित व्यक्ति थे। उनके जाने से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। कल्याणपुर प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि रामलाल प्रसाद साह, पूर्व जिला पार्षद मुख्तार प्रसाद गुप्ता, मुखिया सुरेंद्र प्रसाद गुप्ता, पूर्व मुखिया रंजीत गुप्ता, पंसस नर्मदेश्वर प्रसाद, टीओ राजू प्रसाद गुप्ता, अधिवक्ता मनोज गुप्ता, पत्रकार रौशन कुमार गुप्ता, महात्मा बुद्ध सेवा संस्थान के सचिव राकेश कुमार रत्न सहित कई लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में धैर्य धारण करने की कामना की है। क्षेत्र में उनके योगदान और सरल व्यक्तित्व को सदैव याद किया जाएगा।

ऑल इंडिया नाटक प्रतियोगिता सह सांस्कृतिक प्रतियोगिता को लेकर हुई चर्चा

अभिनव कला संगम सदस्यों के साथ एसपी की हुई वार्ता

निज संवाददाता। डेहरी, रोहतास

राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर की नाट्य टीमों का डेहरी शहर में आगमन जिला हीं नहीं बिहार के लिए बेहतर है। अभिनव कला संगम द्वारा 26 से 30 दिसंबर तक डेहरी शहर के स्टेशन रोड स्थित झुनझुनवाला वाटिका में होने वाले ऑल इंडिया नाट्य प्रतियोगिता सह सांस्कृतिक प्रतियोगिता में प्रशासन का पूर्ण सहयोग रहेगा। कार्यक्रम ऐतिहासिक को इसके लिए सभी तरह का प्रयास किया जाएगा। उक्त बातें एएसपी रौशन कुमार ने अभिनव कला संगम सदस्यों के साथ अपने कार्यालय में बैठक के दौरान कही। उन्होंने कहा कि इस तरह का आयोजन से बिहार में कला संस्कृति के विकास व बिहार का एक सकारात्मक संदेश देश भर में जाता है। लगातार अभिनव कला संगम द्वारा आयोजित ऐसे आयोजन जिला ही नहीं राज्य व देश के लिए एक सकारात्मक संदेश व बिहार में विकसित कला संस्कृति का संदेश देता है। अकस अध्यक्ष कमलेश कुमार द्वारा एसपी को कार्यक्रम से सबंधित पूर्ण जानकारी दी। अध्यक्ष कमलेश कुमार ने कहा की संस्था द्वारा आयोजित होने वाले पांच दिवसीय कार्यक्रमों में देश के विभिन्न राज्यों समेत अंतरराष्ट्रीय स्तर के नेपाल व अन्य देश की टीमें भाग लेंगी। 26 दिसंबर से 30 दिसंबर तक अखिल भारतीय नाट्य, गीत,नृत्य, पेंटिंग व ,नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता समेत अन्य कला- सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 26 से 29 दिसंबर तक प्रतिदिन दिन में गीत, संगीत, नृत्य, पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। जबकि प्रतिदिन शाम से देर रात तक नाट्य प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। 30 दिसंबर को कार्यक्रम समापन के दिन पूरे शहर में भव्य रंग यात्रा निकाली जाएंगी। जिसमें देश के विभिन्न राज्यों की टीम अपने-अपने परिधानों में सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ झांकी प्रस्तुत करेंगे। संध्या काल से मध्य रात्रि तक पारितोषिक वितरण किया जाएगा। निदेशक कौशलेंद्र कुशवाहा ने कहा कि अभिनव कला संगम परिवार की अपनी प्रबलता , संबल , एकजुटता बरकरार रखते हुए जिले के सभी सामाजिक आयोजन एवं कला सांस्कृतिक में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। एसपी ने कहा कि राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय टीमों के कलाकारों के साथ अपने में कार्यालय में मिलकर उन्हें प्रोत्साहित करेंगे। अन्य प्रदेश से आने वाले सभी टीमों के विवरण की जानकारी लेकर रेलवे स्टेशन से कार्यक्रम स्थल तक जाने व कार्यक्रम समाप्ति तक सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ की जाएगी। एसपी के साथ मिलकर बातचीत करने वालों में संरक्षक सीमल सिंह, संजीव गुप्ता, कोषाध्यक्ष शिवजी गुप्ता, उपाध्यक्ष ओम जी यादव, संजय यादव, सह सचिव मुकुल मणि समेत अन्य उपस्थित थे। तत्पश्चात अभिनव का संगम सदस्यों ने डालमियानगर स्थित संस्था के कार्यालय डालमियानगर ड्रीम हाउस में शुक्रवार की देर शाम बैठक कर कार्यक्रम की तैयारी व सफलता को लेकर आपस में चर्चा की। साथ हीं कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने को लेकर रूपरेखा तय की गई।

बड़े भाई का हत्यारा छोटा भाई, तीन दिन के बाद लिची के पेड से मिला शव

निज संवाददाता। मोतिहारी

पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र के राजेपुर नवादा पंचायत के श्रीपुर गांव स्थित लिचवानी में शनिवार को लीची के पेड़ से एक युवक का शव लटका मिला। सुबह मवेशियों के लिए चारा काटने गए ग्रामीणों ने पेड़ से दुपट्टे के सहारे लटके शव को देखा तो हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर सदर अस्पताल मोतिहारी भेज दिया।

मृतक की पहचान पताही थाना क्षेत्र के बेतौना निवासी सकल साह के रूप में हुई है, जो तीन दिन से फरार चल रहा था। मृतक के नाबालिग पुत्र और पुत्री ने मौके पर पहुंचकर शव की पहचान की।सकल साह का ससुराल राजेपुर नवादा पंचायत में मोहन साह के घर है। ससुराल वाले बताते हैं कि वह भाई की हत्या करने के बाद घर से भाग गया था और ससुराल भी नहीं पहुंचा था। सभी को इस बात की भी जानकारी नहीं थी कि वह कहां गया। शनिवार की सुबह जब ग्रामीणों ने शव देखा तो इसकी जानकारी पुलिस को दी गई।थानाध्यक्ष अशोक शाह ने बताया कि यह मामला हत्या का है या आत्महत्या का, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।गौरतलब है कि मृतक सकल साह ने बुधवार की रात अपने बड़े भाई गगन साह की चाकू मारकर हत्या कर दी थी।

बताया गया कि मां की दवा में करीब 4500 रुपये अधिक खर्च होने को लेकर दोनों भाइयों के बीच विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने पर सकल साह ने गगन साह पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से सकल साह घर छोड़कर फरार था। शनिवार को उसका शव पेड़ से लटका मिलने के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

नीतीश कुमार के सुशासन मॉडल से विकास की नई ऊँचाइयाँ छुएगा बिहार : मोहम्मद साबिर

निज संवाददाता। सुगौली पू०च०

जदयू जिला उपाध्यक्ष एवं 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति सदस्य मोहम्मद साबिर ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व में एनडीए सरकार विकसित बिहार के संकल्प को पूर्ण करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।

उन्होंने कहा कि सरकार सुशासन, पारदर्शिता और जनकल्याण के सर्वोच्च मानकों पर खरी उतरते हुए बिहार को एक नए स्वर्णिम भविष्य की दिशा में अग्रसर करेगी। जनता की हर आकांक्षा को पूरा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। विकास के हर लक्ष्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर और पूर्ण पारदर्शिता के साथ लागू किया जाएगा।

मोहम्मद साबिर ने कहा कि नीतीश कुमार का नेतृत्व बिहार के लिए विकास और विश्वास की अटूट गारंटी है। उन्होंने सामाजिक न्याय की मूल भावना को धरातल पर उतारते हुए समाज के हर वर्ग के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। यही कारण है कि चुनाव में सभी वर्गों का प्रेम, समर्थन और आशीर्वाद मिला है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एनडीए सरकार आने वाले समय में विकास और सुशासन की नई मिसालें कायम करेगी। अंत में उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं।

जहानाबाद में रोड एक्सीडेंट में महिला की मौत

निज संवाददाता। जहानाबाद

जहानाबाद में शनिवार को रतनी ब्लॉक के पास एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें 30 वर्षीय निभा कुमारी की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब वह अपने चचेरे भाई के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर अरवल के कुर्था में आयोजित सत्संग में भाग लेने जा रही थीं। इस घटना ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है, जबकि सबसे बड़ी राहत यह रही कि दुर्घटना के दौरान गोद में मौजूद उनकी 8 महीने की बच्ची बिल्कुल सुरक्षित बच गई।

निभा कुमारी की शादी तीन वर्ष पहले सुजीत कुमार से हुई थी, जिनका घर धनरूआ थाना क्षेत्र के महादेव बीघा में है। बीते कुछ दिनों से वह अपने मायके काको थाना क्षेत्र के सातनपुर गांव आई हुई थीं। माता-पिता और परिजनों के आग्रह पर वह सत्संग में शामिल होने के लिए शनिवार की सुबह बच्ची के साथ रवाना हुई थीं।

रतनी ब्लॉक के पास जैसे ही बाइक पहुंची, अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और निभा कुमारी सड़क पर जोर से गिर पड़ीं। सिर और शरीर में गंभीर चोटें आने के कारण उनकी स्थिति तुरंत नाजुक हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने बिना देर किए उन्हें रतनी प्रखंड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में मौजूद लोगों के अनुसार, यह राहत की बात थी कि बच्ची को मां की गोद से अलग करते समय कोई चोट नहीं मिली उस पर खरोंच तक नहीं आई थी।

दुर्घटना की खबर मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। घटना से मायके और ससुराल दोनों परिवारों में मातम पसरा हुआ है। परिजन बार-बार यह रोकर कह रहे हैं कि सत्संग जाने की खुशी ने अचानक पूरे परिवार को असीम दुख में बदल दिया। घर में जहां सुबह पूजा-पाठ और तैयारियों का माहौल था, वहीं शाम तक चीख-पुकार और सन्नाटा फैल गया। सबसे मार्मिक दृश्य वह रहा जब 8 महीने की मासूम, जिसे अभी पता भी नहीं कि उसकी मां दुनिया में नहीं रही, नाना और नानी की गोद में खेलती रही। परिजन उसे देखकर बार-बार भावुक हो उठते हैं।

स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा को लेकर कठोर कदम उठाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं, जिनका मुख्य कारण तेज रफ्तार और लापरवाही से बाइक चलाना है। पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा नियमों के पालन के लिए अभियान चलाए जाने के बावजूद लोग गति पर नियंत्रण नहीं रखते, जिसके कारण परिवार उजड़ रहे हैं और बच्चे अनाथ हो रहे हैं। निभा कुमारी का अंतिम संस्कार रविवार को किया जाएगा। गांव में हर कोई इस युवा महिला की असामयिक मौत से सदमे में है।

महावीर मंदिर में 25 नवंबर को धूमधाम से मनाई जाएगी विवाह पंचमी

निज संवाददाता। पटना

भगवान श्रीराम और माता जानकी के दिव्य विवाह की तिथि विवाह पंचमी इस बार 25 नवंबर को मनाई जा रही है। इसे लेकर राजधानी पटना का प्रसिद्ध महावीर मंदिर पूरी तरह आध्यात्मिक रंग में रंग चुका है। मंदिर प्रशासन ने इस पावन अवसर पर दो दिन तक चलने वाले भव्य आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली हैं। मंदिर परिसर आकर्षक रोशनी और फूलों से सुसज्जित होगा तथा भक्तों के लिए विशेष पंडाल और बैठने की व्यवस्था भी की जा रही है। इस बार दरभंगा, मधुबनी और जनकपुर से विशेष कलाकारों का दल पटना पहुंचेगा। लगभग 10 कलाकार राम, सीता, लक्ष्मण, भरत और अन्य पात्रों की भूमिका निभाएंगे और विवाह की पूरी लोक परंपरा का मंचन करेंगे। महावीर मंदिर परिसर में राम बारात, कन्यादान, फेरे, राम कलेवा और विदाई तक के दृश्य का जीवंत मंचन किया जाएगा। पहले दिन भगवान श्रीराम और माता जानकी का विवाह पूर्ण वैदिक विधि से किया जाएगा, जबकि दूसरे दिन राम कलेवा और विदाई की रस्में होंगी। इस दौरान मिथिला परंपरा के विशेष विवाह गीत, भजन–कीर्तन और सांगीतिक कार्यक्रम भक्तों को भाव-विभोर करेंगे। विवाह पंचमी के अंतिम दिन भगवान को विशेष भोग लगाया जाएगा। इसमें हलवा, पूरी, पकौड़ी, तस्मई सहित कई पारंपरिक व्यंजन शामिल रहेंगे, जिसके बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण होगा। मंदिर में दो दिनों तक अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ होगा। राम–सीता के विवाह की झांकी भक्तों को मिथिला के शाही विवाह की झलक दिखाएगी। पंडित भवनाथ झा के अनुसार, "जनकपुर की मूल परंपरा के अनुसार सभी मंत्रोच्चार, तिलक, जय-माल और विवाह रस्में निभाई जाएंगी। उद्देश्य है कि भक्त स्वयं को मानो जनकपुर के ऐतिहासिक विवाह उत्सव का साक्षी महसूस करें। केवल महावीर मंदिर ही नहीं, बल्कि दारोगा प्रसाद राय पथ स्थित रूपकला प्रेम निधि स्मारक पंचमंदिर, बाबा भीखमदास ठाकुरबाड़ी, गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी, नागा बाबा ठाकुरबाड़ी सहित शहर के अन्य मंदिरों में भी विवाह पंचमी पर राम–सीता विवाहोत्सव का आयोजन होगा। कई स्थानों पर तीन दिनों तक विशेष पूजा, झांकी और भजन संध्या कार्यक्रम होंगे।

संत मैरिस स्कूल में मनाया गया वार्षिकोत्सव

छात्र-छात्राओं ने संगीत व नृत्य के अद्भुत समागम से बांधा शमां, आंगतुकों ने खूब सराहा

निज संवाददाता। मसौढ़ी

नगर मुख्यालय के संतमैरिस स्कूल का वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने रंग-बिरंगे परिधान में एक से बढ़कर एक सुसज्जित रंगमंच पर अंगिका मैथिली भोजपुरी के विभिन्न सांस्कृति कला का प्रदर्शन किया।मौजूद लोगों ने बच्चों की प्रस्तुति को खूब सराहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सेवास्तिन कलापुरा फादर पी बसाकर प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रभाकर कुमार सीईओ प्रभात रंजन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत,प्लेयर डांस,नाट्य कला, आदि विभिन्न तरह के कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।इस दौरान छात्र छात्राओं ने सर्वप्रथम स्वर प्रवाह और अभिवादन नृत्य के द्वारा वार्षिकोत्सव में आये हुए मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों, अभिभावकों का सम्मान किया गया। संगीत व नृत्य के अद्भुत समागम द्वारा छात्र व छात्राओं ने अपनी कला व प्रतिभा की बदौलत मौजूद जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।कार्यक्रम में बोलते हुए फादर पी बसाकर ने कहा कि बच्चों को उच्चतम लक्ष्य तक पहुंचना ही हम सभी का कर्तव्य है।ग्रामीण इलाके क्षेत्र में बच्चे बहुत ही संवेदनशील होते है।इन्हे तराश कर बेहतर नागरिक बनाना विद्यालय प्रबंधन का दायित्व है। जिसे विद्यालय परिवार अपने दायित्व का निर्वहन भली-भांति कर रहा है। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक रितेश कुमार अमित सर सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं व अभिवाक लोग मौजूद रहे।

वैधानिक एवं कानून अनुपालन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

निज संवाददाता। मोतिहारी

जिले में जीविका परियोजना के तत्वाधान में जीविका जिला कार्यालय के सभागार में "वैधानिक एवं कानून अनुपालन" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया | इस कार्यशाला में जिले के सभी प्रखंड परियोजना प्रबंधक एवं जीविका जिला कार्यालय के पदाधिकारीगण शामिल हुए | इस कार्यशाला का संचालन जीविका राज्य कार्यालय के कानूनी सलाहकार एवं पूर्व न्यायाधीश कृष्ण कान्त त्रिपाठी द्वारा किया गया | इस कार्यशाला में श्री त्रिपाठी द्वारा जीविका के अंतर्गत होने वाली विभिन्न कानूनी प्रक्रिया, समस्या एवं समाधान के बारे में उपस्थित कर्मियों को वृहत रूप से जानकारी दी गयी और क्या क्या सावधानियां बरतनी चाहिए इस विषय पर भी चर्चा की गयी साथ ही उपस्थित सदस्यों के सवालों का जवाब भी श्री त्रिपाठी द्वारा दिया गया | जीविका जिला परियोजना प्रबंधक गणेश पासवान ने कार्यशाला के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर सबो को धन्यवाद दिया एवं कार्यक्षेत्र में होने वाली तमाम कानूनी समस्याओं के समुचित समाधान बताने हेतु श्री त्रिपाठी का आभार व्यक्त किया | इस अवसर पर जिले के सभी प्रखंड परियोजना प्रबंधक , जिले के प्रबंधकगण, लेखापाल, कार्यालय सहायक सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे |

खिजिरपुरा में रबी फसल की खेती को लेकर किसानों की गोष्ठी

निज संवाददाता। केसरिया, पू.च

रबी किसान गोष्ठी का आयोजन प्रखण्ड क्षेत्र के खिजिरपुरा में शनिवार को किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुखिया अशोक कुमार गुप्ता, बीएओ अंकुर कुमार राय, पंसस हरिकिशोर प्रसाद, धर्मेंद्र राय ने दीप प्रज्वलित कर किया। गोष्ठी में उपस्थित किसानों को दलहन, तेलहन व जलवायु अनुकूल खेती करने की जानकारी दी गई। बीटीएम दिलीप कुमार ने जलवायु अनुकूल खेती करने की जानकारी विस्तार पूर्वक दी। बताया कि जलवायु अनुकूल खेती जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने व उच्च उत्पादकता बनाये रखने के लिए अपनाई जाने वाली कृषि पद्धति है। इसमें मौसम व जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन बढ़ाने के लिए फसल को विकसित किया जाता है। यह खेती बदलती मौसम की स्थिति के अनुकूल ढलने में मददगार साबित होती है। जिससे फसल की पैदावार में सुधार होने के साथ-साथ नुकसान कम होता है। बीटीएम ने दलहन, तेलहन सहित अन्य रबी फसलों की खेती के बारे में भी बताया। खिजिरपुरा के प्रगतिशील किसान उमेश कुमार ने रबी खेती के अपने अनुभव किसानों के बीच साझा किया। गोष्ठी के दौरान कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजना, कार्यक्रम व अभियान के बारे में किसानों को अवगत कराया गया। एटीएम अभिषेक कुमार, कृषि समन्वयक विद्याभूषणपति त्रिपाठी, पीयूष त्रिपाठी, अतुल कुमार पांडेय, वीरेंद्र मिश्रा, अब्दुल हनान, कृष्ण कुमार, संतोष कुमार, किसान ब्रजेश कुमार, अमृता कुमारी, मनोज कुमार पांडेय सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

यूपीएससी-बीपीएससी कैंडिडेट्स के लिए मुफ्त स्टडी किट

बांका। बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग के निर्देशानुसार बांका जिला नियोजनालय में निबंधित युवाओं को स्वरोजगार को बढ़ावा देने और सरकारी नौकरियों की तैयारी में सहायता प्रदान करने के लिए निःशुल्क टूलकिट और स्टडी किट उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए पात्र अभ्यर्थियों से 4 दिसंबर 2025 को शाम 5 बजे तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

आवेदक बिहार का निवासी हो, और उसकी आयु 18 से 40 वर्ष के बीच हो: टूलकिट योजना का लाभ लेने के लिए अभ्यर्थियों का जिला नियोजनालय में कम से कम छह माह पूर्व निबंधित होना आवश्यक है। आवेदक बिहार का निवासी हो और उसकी आयु 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त, वार्षिक पारिवारिक आय तीन लाख रुपये से कम होना अनिवार्य है।

पहले से ट्रेड अभ्यर्थी आरपीएल प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर लाभ ले सकेंगे: इच्छुक उम्मीदवारों को इलेक्ट्रिशियन, इलेक्ट्रॉनिक, फिटर, मोबाइल रिपेयर, प्लंबर, ब्यूटीशियन, होम एप्लायंसेज रिपेयर, सिलाई मशीन ऑपरेटर जैसे ट्रेड में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान (जैसे आरसेटीआई, जन शिक्षण संस्थान, पीएमकेवाई, डीडीयू–जीकेवाई या अन्य संस्थान) से न्यूनतम तीन माह का प्रशिक्षण प्राप्त होना चाहिए। जो अभ्यर्थी पहले से किसी ट्रेड में दक्ष हैं, वे आरपीएल प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर लाभ ले सकेंगे। चयन प्रक्रिया में दिव्यांगजन, ट्रांसजेंडर, अनुसूचित जाति/जनजाति, आर्थिक एवं अत्यंत पिछड़ा वर्ग तथा महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

यूपीएससी, बीपीएससी, एसएससी, रेलवे और बैंकिंग का आवेदन देना होगा: स्टडी किट के लिए भी जिला नियोजनालय में छह माह पूर्व का निबंधन अनिवार्य है। आवेदक को यूपीएससी, बीपीएससी, एसएससी, रेलवे, बैंकिंग, एनईटी, जेआरएफ, शिक्षक पात्रता परीक्षा आदि की तैयारी या आवेदन का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। आवेदक बिहार निवासी हो और उसकी पारिवारिक आय तीन लाख रुपये से कम होनी चाहिए। आयु सीमा उस परीक्षा के नियमों के अनुसार मान्य होगी, जिसके लिए अभ्यर्थी आवेदन कर रहा हो। वरीयता के मापदंड टूलकिट योजना के समान ही रहेंगे।

अधिक जानकारी को यहां करें बात 7870332502: इच्छुक अभ्यर्थी अपने सभी आवश्यक प्रमाण–पत्रों की स्व–अभिप्रमाणित प्रतियों के साथ निर्धारित तिथि तक जिला नियोजन पदाधिकारी, जिला नियोजनालय, तेलिया, बांका के कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय के दूरभाष संख्या 7870332502 पर संपर्क किया जा सकता है।

जमीन विवाद में बड़े भाई ने छोटे भाई की किया हत्या

अररिया। जिले के महलगांव थाना क्षेत्र के टेकनी गांव वार्ड संख्या 03 में अहले सुबह संदिग्ध परिस्थिति में एक व्यक्ति का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान दीनानाथ विश्वास उम्र करीब 50 वर्ष पिता दरोगी विश्वास के रूप में हुई है। परिजनों ने जानकारी देते हुए बताया कि दीनानाथ विश्वास बीते कल सुबह 08 बजे घर से निकला था, लेकिन रात भर वापस घर नहीं आए। सुबह ग्रामीणों ने घर के बगल स्थित एक गड्ढे में उनका शव पड़ा देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर महलगांव थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार दल बल के साथ मौके पर पहुँची महलगांव थाना पुलिस, एसडीपीओ सुशील कुमार एवं फॉरेंसिक टीम, घटनास्थल की जांच की। शव की स्थिति और आसपास के हालात को देखते हुए पुलिस ने मामले को संदिग्ध मानते हुए छानबीन शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए अररिया सदर अस्पताल भेजा गया है। महलगांव थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार ने बताया की रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि होगी।ग्रामीणों व परिजनों के अनुसार मृतक और आरोपी पक्ष दोनों आपस में सगे भाई हैं। उल्लेखनीय है कि मृतक और आरोपी का माता एक,लेकिन पिता अलग अलग है।वही मृतक के परिजन का आरोप है की हरीशचंद विश्वास पिता स्व. उम्मन विश्वास, मंजुला देवी पति हरीश चंद विश्वास ग्राम टेकनी वार्ड संख्या 3 ने कुछ अपराधियों के साथ मिलकर हत्या किया है। लंबे समय से जमीन विवाद को लेकर दोनों पक्षों में तनाव चल रहा था।परिजनों का दावा है कि इससे पहले भी इसी विवाद को लेकर मृतक की मां बेचनी देवी और बेटे सतीश की हत्या कर दी गई थी। अब पिता दीनानाथ की मौत से पूरे गांव में दहशत का माहौल है। मृतक अपने पीछे तीन बच्चों को छोड़ गए हैं, जिसमें नीतीश उम्र 16 वर्ष,रंजीत उम्र 10 वर्ष और बेटी आशा कुमारी उम्र 13 वर्ष हैं। पुलिस ने कहा सभी पहलुओं पर जांच जारी है, दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

प्रेमी जोड़े को लोगों ने पकड़ा पिटाई के बाद पुलिस को सौंपा

भागलपुर। मशाकचक में दो अलग-अलग धर्मों के प्रेमी जोड़े को लोगों ने पकड़ लिया। गुस्साए लोगों ने पहले युवक की पिटाई की, फिर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची जोगसर पुलिस ने दोनों को थाना लाया। दोनों के परिजनों को भी बुलाया गया। प्रेमी जोड़ा तारापुर का है। भागलपुर में रह कर दोनों प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा है। घटना शुक्रवार सुबह की है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को प्रेमी मो. फैजल प्रेमिका से मिलने के लिए किराए के मकान में आया था। तभी मकान मालिक ने संदिग्ध समझकर पुलिस को फोन किया। युवती ने प्रेमी को मुंहबोला भाई बताया। मकान मालिक ने पूछा तो प्रेमी ने अपना नाम राहुल बताया। लोगों के बीच लव जिहाद की चर्चा होने लगी। हालांकि जोगसर थानेदार मंटू कुमार ने बताया कि दोनों के परिवार एक-दूसरे को जानते हैं। परिजनों को प्रेम संबंध के बारे में जानकारी नहीं है। युवती ने किसी तरह का कोई आरोप नहीं लगाया है।

अन्नपूर्णा महोत्सव की धूम, समृद्धि के लिए विशेष पूजा

भागलपुर। भागलपुर के कुपेश्वरनाथ महादेव मंदिर और अन्नपूर्णा मंदिर समेत अन्य मंदिरों में चल रहे 17 दिवसीय अन्नपूर्णा महोत्सव में भक्तों का उत्साह चरम पर है। महोत्सव के 12वें दिन भी महिलाओं ने माता अन्नपूर्णा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अपने घर-परिवार में सुख-समृद्धि और धन-धान्य की कामना की। अन्नपूर्णा मंदिर के पंडित रामानुज मिश्रा ने बताया कि हर दिन मारवाड़ी समाज की महिलाएं माता अन्नपूर्णा की आरती-पूजन करती हैं। महोत्सव के अंतिम दिन 24 घंटे की अखंड संकीर्तन होगा, जिसके बाद भंडारा और जयंती (धान की बाली) का वितरण किया जाएगा। कुपेश्वरनाथ महादेव मंदिर के पंडित विजयानंद शास्त्री के अनुसार, मंदिर में हर दिन माता अन्नपूर्णा का पाठ और शाम को आरती पूजन हो रही है। 26 नवंबर को माता का भव्य श्रृंगार, हवन और भजन-कीर्तन होगा। इसके बाद श्रद्धालुओं में पुरी-बुंदिया और सब्जी का प्रसाद वितरित किया जाएगा। रात में श्रद्धालुओं के लिए विशेष जागरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है।

संस्कार समारोह में बच्चों को सौंपी गई जिम्मेदारी

भागलपुर। बिरला ओपन माइंड्स स्कूल में शुक्रवार को संस्कार समारोह का आयोजन किया गया। समारोह स्कूल की उस व्यवस्था का प्रतीक है, जिसके तहत विद्यार्थियों को भविष्य के नेता बनाने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण भूमिकाएं व जिम्मेदारियां सौंपी जाती हैं। बच्चों को ये जिम्मेदारियां सौंपने का उद्देश्य उन्हें अपनी भूमिकाओं से परिचित कराना और उनमें कर्तव्य परायणता की भावना विकसित करना है,ताकि वे भविष्य में बिना किसी हिचक के अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकें। इस अवसर पर चयनित विद्यार्थियों को उनके पद के अनुसार बैच प्रदान किए गए और उन्होंने निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्यों के पालन की शपथ ली। हेड बॉय अर्श आनंद, डिप्टी हेड बॉय कौस्तुभ कश्यप, हेड गर्ल आराध्या सिंह, डिप्टी हेड गर्ल शिजा, हाउस प्रीफेक्ट काउंसिल सेक्रेटरी लीशा सिंह, स्पोर्ट्स सेक्रेटरी चंचल सिंह, कल्चरल सेक्रेटरी सोना बनाए गए।

सम्राट के गृहमंत्री बनते ही एक्शन शुरू, बेगूसराय में एनकाउंटर

निज संवाददाता। बेगूसराय

बिहार में नई सरकार के गठन होने के साथ ही पुलिस बदमाशों के खिलाफ एक्शन मोड में आ गई है। शुक्रवार की रात बेगूसराय में STF और जिला पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में एनकाउंटर हुआ। इसमें एक कुख्यात घायल हो गया है। उस पर सरपंच के बेटे के मर्डर का आरोप है। घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र शालिग्राम और मल्हीपुर गांव के आसपास की है। घायल बदमाश तेघड़ा थाना क्षेत्र के बनहारा गांव के रहने वाले राजकिशोर राय का बेटा शिवदत्त राय (27) है। मौके से पुलिस ने भारी मात्रा में हथियार और कैश भी बरामद किया है। घायल का इलाज बेगूसराय के सिविल हॉस्पिटल में पुलिस हिरासत में चल रहा है। पुलिस उसकी हालत के बारे में अभी कुछ नहीं बता रही है। STF को इनपुट मिला था कि फरार बदमाश शिवदत्त राय साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के मल्हीपुर के आसपास हथियार खरीदने आया है। इनपुट मिलते ही STF की टीम वहां पहुंच गई। जिसके बाद स्थानीय थाना को सूचना दी गई। शनिवार को बीजेपी ऑफिस पहुंचे सम्राट चौधरी ने कहा कि, 'नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में हमेशा सुशासन होगा। बिहार के

सुशासन ने यहां हमेशा अराजकता को समाप्त किया है। बिहार अपराधियों के लिए नहीं है। यहां से अपराधियों को बाहर जाना होगा।' STF और स्थानीय थाना की पुलिस इनपुट वाले जगह पर पहुंची, तो दो बाइक पर सवार 6 बदमाश पुलिस को देखते ही गोली चलाने लगे। आत्मरक्षा में पुलिस ने गोली चलाई तो एक गोली शिवदत्त राय की जांघ में लगी तो वह गिर गया। जबकि, अन्य अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। शिवदत्त राय को पकड़ कर पुलिस ने जब पूछताछ की, तो उसकी निशानदेही पर एक घर से भारी मात्रा में हथियार, कैश और कफ सिरप बरामद किए गए हैं।

सरपंच के बेटे की हत्या का आरोप: बता दें कि 2 सितंबर 2022 की रात तेघड़ा थाना क्षेत्र के धनकौल पंचायत के सरपंच मीना देवी के बनहारा स्थित घर पर अपराधियों ने ताबड़तोड़ गोलीबारी की थी। जिसमें सरपंच के छोटे बेटे अवनीश कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी, जबकि बड़ा बेटा रजनीश कुमार घायल हो गया था। लूटपाट का विरोध करने पर मर्डर हुआ था। इस मामले में शिवदत्त राय और उसके गिरोह के सरगना सहित कई बदमाशों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। गिरफ्तारी नहीं होने पर एसटीएफ उसके पीछे लगी हुई थी, इसी दौरान इनपुट के आधार पर रात में जब उसकी गिरफ्तारी की कोशिश की गई, तो बदमाशों ने पुलिस पर गोली चला दी। बदमाशों ने पुलिस पर 6-7 राउंड गोली चलाई। जवाब में पुलिस ने भी तीन राउंड गोली चलाई है। सरपंच के बेटे के हत्या मामले में करीब एक साल पहले शिवदत्त राय को गाजियाबाद से गिरफ्तार किया गया था। वहां से बेगूसराय लाकर जेल भेजा गया था और करीब दो महीने पहले बेल पर बाहर आया था।

DGP ने संगठित अपराध को लेकर दिए नए निर्देश: सम्राट चौधरी के गृहमंत्री बनने के बाद पुलिस डिपार्टमेंट ऐक्शन में है। संगठित अपराध को लेकर DGP विनय कुमार ने सभी जिलों की पुलिस को नजरिया बदलने का आदेश जारी कर दिया है।

नौ दिवसीय अंडर-19 क्रिकेट प्रतियोगिता

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के सैनडिस कंपाउंड में नौ दिवसीय राज्य स्तरीय अंतर प्रमंडल अंडर-19 बालक क्रिकेट प्रतियोगिता चल रही है। ये आज शनिवार को अपने छठे दिन में प्रवेश कर चुकी है। शुक्रवार को हुए रोमांचक मुकाबलों के बाद आज के मैच को लेकर खिलाड़ियों और दर्शकों में खासा उत्साह है। आज के दिन दो अहम मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें ग्रुप-बी की स्थिति काफी हद तक तय हो सकती है। पहला मुकाबला सुबह 8 बजे से मेज़बान भागलपुर बनाम मुंगेर के बीच है। भागलपुर की टीम लगातार दो मैच जीतकर पहले ही ग्रुप में टॉप पर है और सेमीफाइनल में लगभग जगह पक्की कर चुकी है। ऐसे में आज का मैच जीतकर भागलपुर तीसरी जीत के साथ क्लीन स्वीप करना चाहेगा। भागलपुर की गेंदबाजी आज के मैच में भी चर्चा का विषय रहेगी। शुक्रवार को आरव कुमार, विराज और आदित्य की शानदार गेंदबाजी ने टीम को मजबूती दी थी। बल्लेबाजी में दिव्यांशु, हर्षित और अभिषेक से फिर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। दूसरी ओर मुंगेर की टीम के लिए यह मैच करो या मरो जैसा है। पटना से मिली हार के बाद मुंगेर जीतकर अपनी संभावनाएं बनाए रखना चाहेगा।

दरभंगा बनाम पटना के बीच खेला जाएगा दूसरा मुकाबला: दूसरा मुकाबला दोपहर 12 बजे से दरभंगा बनाम पटना के बीच खेला जाएगा। पटना ने शुक्रवार को मुंगेर को हराकर शानदार वापसी की थी। कुमार शान के ऑलराउंड प्रदर्शन ने टीम को मजबूती दी है। दरभंगा की टीम हालांकि अब तक कमजोर नज़र आई है और उसके बल्लेबाजी क्रम को पटना के गेंदबाजों के सामने बड़ी चुनौती का सामना करना होगा।

अपर समाहर्ता ने किया अगहनी धान फसल कटनी प्रयोग का निरीक्षण

निज संवाददाता। अररिया

बिहार राज्य फसल सहायता योजना अंतर्गत शनिवार को अपर समाहर्ता अनिल कुमार झा ने प्रखंड अंतर्गत गैयारी में किसान प्रदीप कुमार यादव पिता गोदी लाल यादव के खेत में अगहनी धान फसल कटनी प्रयोग का निरीक्षण किया। चयनित खेसरा में 10 गुना 5 मीटर के क्षेत्रफल में कटनी प्रयोग में हरा दाना का वजन 50 वर्ग मीटर में 21 किलो 535 ग्राम आया। इस प्रकार इसका उपज दर 43 क्विंटल 07 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर आकलित किया गया। इस अवसर पर जिला सांख्यिकी पदाधिकारी श्रीकांत पासवान, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी राजकुमार महतो, प्रयोगकर्ता सह किसान सलाहकार सूफियान सहित अनेक कर्मी एवं किसान उपस्थित थे।

आभार यात्रा के क्रम में जोकीहाट पहुंचे असदुद्दीन ओवैसी ने बिहार के बाद उत्तरप्रदेश चुनाव लड़ने का किया ऐलान

निज संवाददाता। अररिया

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी सीमांचल में मिले पांच सीट पर कामयाबी को लेकर दो दिनों से आभार यात्रा पर है। इसी क्रम में शनिवार को एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी अररिया के जोकीहाट रानी चौक पहुंचे।जहां उन्होंने जनसभा को संबोधित किया।सीमांचल के लोगों का आभार प्रकट करते हुए उन्होंने धन्यवाद दिया। जनसभा को संबोधित करते हुए असद्दुदीन ओवैसी ने कहा कि सीमांचल में जो प्यार मिला है,उसे हम कभी छोड़ने वाले नहीं हैं और न कभी भूलने वाले।उन्होंने उन्होंने कहा कि हमारे पांचों विधायक बिहार विधानसभा मे सीमांचल के नारों को बुलंद करने का काम करेगा।आप लोगों ने यह साबित कर दिया है हम लोग एक साथ मिलकर अगर खड़े हो जाएंगे तो हमें किसी दूसरे की जरूरत नहीं पड़ेगी। जनसभा में उमड़े हजारों की भीड़ के बीच एआईएमआईएम प्रमुख ने ऐलान किया कि बिहार के बाद यूपी चुनाव में भी जाएंगे और मजबूती से लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि ओवैसी आपसे वादा करता है कि हम उस वक्त तक न खुद चैन से बैठेंगे। न पटना में बैठे लोगों को चैन की सांस लेने देंगे, जब तक सीमांचल के लोगों के चेहरे पर मुस्कान न आ जाए।उन्होंने कहा कि चुनाव के वक्त हमने वादा किया था।अगर हमारे लोग विधायक बने तो नदी कटाव, अस्पतालों की बदहाली, डॉक्टर और दवाइयों की कमी, भ्रष्टाचार जैसे समस्याओं जैसे मुद्दों के खिलाफ लड़ाई लड़ी जाएगी। मुझे पूरा विश्वास है कि आपने मेरे कहने पर जिन नुमाइंदों को जिताया है, वो आपके भरोसे पर खड़ा उतरेंगे। जिनकी जमीन, खेत, घर कटाव में चले गए हैं, हमारे प्रत्याशी उन्हें उनका हक दिलाने का काम करेंगे। जनसभा को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और अमौर के विधायक अख्तरुल ईमान ने भी संबोधित किया और कहा कि जोकीहाट का इलाका पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री तस्लीमुद्दीन का इलाका है,जिन्हें मैं नमन करता हूं।उन्होंने कहा कि तस्लीमुद्दीन साहब वह हस्ती थे,जो लालू प्रसाद के आंखो में आंख डालकर बात करते थे,लेकिन उनके बेटे लालू प्रसाद यादव के जूते के तरफ आंख रखकर बात करते हैं,जो बहुत शर्मनाक है। सभा को एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के साथ जोकीहाट के विधायक मो.मुर्शीद आलम,बहादुरगंज के विधायक तौसीफ आलम,कोचाधामन विधायक सरवर आलम,बायसी विधायक गुलाम सरवर और अमौर के विधायक एवं पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरूल ईमान और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भी संबोधित किया।

समाहरणालय, गढ़वा
(अनु0ज0जा0, अनु0जा0, अल्पसंख्यक एवं पि0वर्ग, कल्याण शाखा)

ज्ञापांक–1791 / गढ़वा / क0 / दिनांक–21.11.2025

तृतीय नोटिस

जिला कल्याण कार्यालय से मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक श्रेणी के लाभुकों को स्वरोजगार एवं स्वालंबन हेतु सरकारी संकल्प के आलोक में किफायती ब्याज दर तथा पर्याप्त सब्सिडी के साथ 50,000 रूपये से लेकर 25 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

विगत विभागीय स्तर पर आयोजित बैठक में कल्याण कार्यालय से इस योजना अंतर्गत सरकार के द्वारा लाभुकों को उपलब्ध कराई गई ऋण की राशि के वसूली की विस्तृत समीक्षा की गई तथा मासिक किस्तों की वसूली सुनिश्चित् करने तथा डिफॉल्टर लाभुकों तथा उनके गारंटर पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश प्राप्त हुआ है।

पूर्व में इस कार्यालय के ज्ञापांक–1547, दिनांक–11.09.2025 एवं 1707, दिनांक–31.10.2025 के द्वारा सभी ऋण धारकों को मासिक किस्त जमा करने की सूचना प्रदान की गई थी। पुनः बजरिये इस नोटिस से सूचित करना है कि मासिक किस्तों की वसूली में लाभुकों के द्वारा जानबूझकर लापरवाही बरती जा रही है एवं ब्याज दर बेहद कम होने तथा पर्याप्त सब्सिडी होने के बावजूद ऋण की राशि वापस करने में बिल्कुल भी रुचि नहीं दिखाई जा रही है।

ऐसे सभी लाभूकों को सूचित किया जाता है कि सरकारी ऋण का सही समय पर वापसी सुनिश्चित करें अन्यथा :–

1. आपके विरुद्ध नियमानुसार ऋण वापसी से संबंधित कार्रवाई की जाएगी।
2. आपका आधार कार्ड और बैंक खाता को ब्लैक लिस्ट करते हुए उसे लॉक करके भविष्य में किसी अन्य बैंकिंग अथवा गैर बैंकिंग संस्थान से ऋण लेने के लिए आपको अयोग्य घोषित किया जाएगा।
3. तीन किस्त से अधिक ऋण की मासिक किस्त बकाया रखने वाले डिफॉल्टर को दिए जाने वाले सब्सिडी की राशि को समाप्त कर दिया जाएगा।
4. इस योजना के अंतर्गत लाभुकों के साथ गारंटर के रूप में अपने एफिडेविट और दस्तावेज प्रस्तुत करने वाले व्यक्तियों को भी कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा एवं ऋण की राशि के दुरुपयोग / गबन में सहभागी माना जाएगा, तथा उनके बैंक खातों पर भी होल्ड लगाने की कारवाई की जा सकेगी।
5. अंतिम विकल्प के तौर पर ऋण की राशि की मासिक किस्ते वापस नहीं करनें वाले ऋण धारकों तथा उनके गारंटर के उपर ऋण की राशि के दुरूपयोग / गबन के आरोप में सुसंगत धाराओं के तहत् प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जायेगी।

निर्देश दिया जाता है कि उक्त नोटिस के एक सप्ताह के अंदर सभी बकायेदार अपने–अपने योजना से संबंधित संपूर्ण बकाया राशि एक साथ जिला कल्याण कार्यालय, गढ़वा में जमा करना सुनिश्चित करें अन्यथा उत्तरोत्तर कार्रवाई के लिए स्वयं जिम्मेवार होंगे।

ह0 /
जिला कल्याण पदाधिकारी,
गढ़वा

PR 366828 (Welfare)25-26*D

सरदार पटेल की 150 वीं जयंती पर पदयात्रा

बांका। बांका शहर में शनिवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर 'एक भारत, आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत एक विशाल पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज में एकता, अखंडता और सद्भावना का संदेश देना था। पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि की, राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की शुरुआतः पदयात्रा का शुभारंभ आरएमके मैदान से हुआ, जहां बांका विधायक रामनारायण मंडल, एसडीएम राजकुमार, एसडीपीओ अमर विश्वास और थानाध्यक्ष राकेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर इसका उद्घाटन किया। इससे पूर्व, सरदार पटेल के तेल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। 'भारत माता की जय' और 'लौह पुरुष अमर रहें' के लगे नारेः हरी झंडी मिलते ही तिरंगा झंडा और सरदार पटेल के चित्रों के साथ 'जय जय सरदार', 'भारत माता की जय' और 'लौह पुरुष अमर रहें' जैसे देशभक्ति के नारे लगाए गए। यह पदयात्रा शहर के मुख्य मार्गों से गुजरी, जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता, छात्र-छात्राएं, युवा, महिला समूह और समाजसेवी बड़ी संख्या में शामिल हुए। गाजे-बाजे, तिरंगा झंडे और भव्य झांकियों ने आयोजन को आकर्षक बनाया। प्रतिभागियों ने 'वोकल फॉर लोकल', 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' और 'आत्मनिर्भर बनेगा भारत' जैसे नारों के माध्यम से स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया। पदयात्रा के अंत में सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

एकता और अखंडता की नींव ही आज के भारत की मजबूतीः इस अवसर पर बांका विधायक रामनारायण मंडल ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल एक सच्चे देशभक्त थे, जिन्होंने देश को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विधायक मंडल ने जोर देकर कहा कि पटेल द्वारा स्थापित एकता और अखंडता की नींव ही आज भारत की मजबूती का आधार है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान भी किया। पदयात्रा के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक शपथ ली। उन्होंने स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

ग्रामीण क्षेत्रों में नहीं रुक रही ट्रांसफॉर्मर से तेल चोरी की घटना,किरकिचिया फौजी कॉलोनी अंधेरे में डूबा

निज संवाददाता। अररिया

फारबिसगंज के ग्रामीण इलाकों में लगे ट्रांसफार्मर से तेल चोरी की घटना रुकने का नाम नहीं ले रहा। थाना क्षेत्र के किरकिचिया पंचायत के फौजी कॉलोनी में बीते चौबीस घंटे से अधिक समय से अंधेरा पसरा हुआ है। कॉलोनी में लगे बिजली ट्रांसफॉर्मर से अज्ञात चोरों द्वारा तेल चोरी कर लेने के बाद पूरे इलाके की बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होने के बावजूद विभागीय उदासीनता कर ग्रामीणों के साथ जनप्रतिनिधियो ने नाराजगी जाहिर की है। बिजली नहीं रहने से कॉलोनी के सैकड़ों परिवार मुश्किल में हैं। पानी की आपूर्ति बाधित होने से सबसे अधिक परेशानी बहुमंजिला मकानों में रहने वाले लोगों को हो रही है। पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि कपिल अंसारी ने इस घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा कि मामले की जानकारी कई बार बिजली विभाग को दी गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने बताया कि ट्रांसफॉर्मर के ठीक सामने नगर परिषद का सीसीटीवी कैमरा लगा है, जिसकी जांच कर चोरों की पहचान की जा सकती है। वहीं फारबिसगंज के विधायक मनोज विश्वास ने बताया कि बिजली विभाग के अधिकारियों से बात कर ली गई है। ट्रांसफॉर्मर के तेल की व्यवस्था की जा रही है और बहुत जल्द फौजी कॉलोनी की बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। इस तरह की घटनाओं पर विभाग को खास ध्यान देने की जरूरत है। इधर विद्युत विभाग के जेई कैलाश कुमार ने बताया कि इलाके में बार-बार तेल चोरी की घटनाएं हो रही हैं। इस संबंध में अज्ञात चोरों के खिलाफ फारबिसगंज थाना में एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने बताया कि नया ट्रांसफॉर्मर उपलब्ध कराने की कार्वाई तेज कर दी गई है और जल्द ही कॉलोनी की बिजली आपूर्ति सामान्य हो जाएगी।

पूर्व मध्य रेल
ई–नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पूर्व मध्य रेल, पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल द्वारा मंडल के गढ़हनी, बिक्रमगंज और गया स्टेशन पर स्थित पे एंड यूज शौचालय का संचालन और रखरखाव के लिए ई–नीलामी आमंत्रित किया जाता है। विस्तृत विवरण निम्न हैं :– **AA/1 - कार्य का नाम, स्थान एवं पूर्ण अवधि** : गढ़हनी रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में स्थित पे एंड यूज शौचालय (CSR के तहत निर्मित) का ठेका संचालन और रख रखाव के आधार पर 03 वर्षों के लिए।, **ई–नीलामी कैटेलॉग संख्या** : COM-PnU-DDU-25, **ई–नीलामी लॉट संख्या** : PnU-DDU-GQN-Toi-10-23-1, **ई–नीलामी की तिथि एवं समय** : ई–नीलामी दिनांक 04.12.2025 को 12.00 बजे शुरू होगी और 12.30 बजे बंद होगी।, **AA/2 - कार्य का नाम, स्थान एवं पूर्ण अवधि** : बिक्रमगंज रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में स्थित पे एंड यूज शौचालय (CSR के तहत निर्मित) का ठेका संचालन और रख रखाव के आधार पर 03 वर्षों के लिए।, **ई–नीलामी कैटेलॉग संख्या** : COM-PnU-DDU-25, **ई–नीलामी लॉट संख्या** : PnU-DDU-XBKJ-Toi-9-23-1, **ई–नीलामी की तिथि एवं समय** : ई–नीलामी दिनांक 04.12.2025 को 12.00 बजे शुरू होगी और 12.40 बजे बंद होगी।, **AA/3 - कार्य का नाम, स्थान एवं पूर्ण अवधि** : गया रेलवे स्टेशन पर कुली बिल्डिंग में नीचे वाले भाग में स्थित पे एंड यूज शौचालय का ठेका संचालन और रख रखाव के आधार पर 03 वर्षों के लिए।, **ई–नीलामी कैटेलॉग संख्या** : COM-PnU-DDU-25, **ई–नीलामी लॉट संख्या** : PnU-DDU-GAYA-Toi-24-25-1, **ई–नीलामी की तिथि एवं समय** : ई–नीलामी दिनांक 04.12.2025 को 12.00 बजे शुरू होगी और 12.50 बजे बंद होगी। **(2)** वेबसाइट का पता जहाँ ई–नीलामी का पूर्ण विवरण उपलब्ध है : **www.ireps.gov.in** (E-auction Leasing).

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य),
पूर्व मध्य रेल, डीडीयू

पीआर/1329/डीडीयू/वा./ईएएन/25–26/56

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
जिला गव्य विकास कार्यालय, गढ़वा

"प्रगतिशील पशुपालकों / दुग्ध उत्पादकों के लिए आम सूचना"

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि कृषि ,पशुपालन एवं सहकारिता विभाग झारखण्ड,सरकार के राज्यादेश सं0–05 रा0 वि0 दिनांक 16.06.2025 के आलोकमें जिला के प्रगतिशील पशुपालकों / उत्कृष्ठ दूग्ध उत्पादकों को उनके द्वाराकिये गए उत्कृष्ठ कार्यहेतु राज्य एवंजिलास्तर पर पुरष्कृत किया जाना हैः–

अतः गढ़वाजिला के सभी इच्छुक ग्रामीण प्रगतिशील पशुपालकों / उत्कृष्ठ दुग्ध उत्पादकों / जिनके द्वारा ज्यादा दुग्ध उत्पादन किया जाता है,आधार भूतसंरचना उपलब्ध है तथा पशुओंका रख–रखावउत्कृष्ठ तरीकेसे करते है से,अनुरोध हैकिराज्य / जिलास्तरपरपुरस्कार के लिए अपनीदावेदारीसुनिश्चित् करनेहेतुदिनांक29.11.2025के अपराहन् 4:00 बजेतक कार्यालय कार्य अवधि मेंनिम्नलिखित विहित प्रपत्र मेंपूर्ण विवरणी एवंआवेदन पत्र जिलागव्य विकासकार्यालय, गढ़वाकोउपलब्ध करानासुनिश्चित् करें :–

आवेदन प्रपत्र

उत्कृष्ठ दुग्ध उत्पादक को पुरस्कृत करने के संबंध में विस्तृत सूचना की विवरणी :–

जिलागव्य विकास पदाधिकारी / JMFके प्रति निधि द्वारा अभि प्रमाणित फोटो

1. दुग्ध उत्पादक का नाम :
2. पिता / पतिकानाम :
3. उम्र :
4. जातिः ....(अ0जा0 / अ0ज0जा0 / अन्य)
5. पताः ग्रामः..............................पो0 : .... प्रखण्ड : .... जिला : ....
6. मोबाईल संख्या : ....
7. दूध व्यवसाय सेसंबंधितराज्य स्तरीय / जिलास्तरीय पुरस्कार प्राप्त किया गया है अथवा नहीं : ....
8. गव्य विकास योजनसेसमन्वय : .... (राज्य सरकार / केन्द्रसरकार / अन्य संस्था / स्वयं द्वारा स्थापित)
9. दुधारू पशुओं की संख्या :
(i) देशीनस्लगाय : ....भैंस : ....
(ii) संकर / उन्ननस्लगाय : ....भैंस : ....
10. दुधारू मवेशियोंकानस्ल : ....
11. प्रतिदिनउत्पादितदूध की मात्रा : ....
12. गौशाला की स्थिति : ....
13. गौशालामेंनईतकनीककाप्रयोग : .... (तकनीक काविवरण सहित)
14. हराचाराकासंसाधन / उपयोग : .... (विवरणी सहित)
15. JMF द्वारा प्राप्तMilk Incentive :..

पशुपालक का पता एवं हस्ताक्षर

नोट :–(1) सभी संबंधितJIO Tag फोटोग्राफ 02 प्रति में संलग्न करें।
(2) दुग्ध उत्पादन के फलस्वरूप पशुपालक के विकास से संबंधित पूर्ण विवरणी / कहानी सादा कागज में जिलागव्य विकास पदाधिकारी, गढ़वा को समर्पित करें।

जिलागव्य विकास पदधिकारी
गढ़वा

PR 366877 (Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department)25-26*D

संक्षिप्त समाचार

रेलवे स्टेशन पर बना फर्श हुआ जर्जर

गड़हनी| रेलवे स्टेशन गड़हनी में ट्रेन पर चढ़ने के लिये बना फर्श जर्जर हो गया है। जर्जर होने से यात्रियों को ट्रेन पर चढ़ने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। फर्श पर जगह जगह दरार पड़ गई है, जिसके चलते यात्रियों को चलने में काफी दिक्कत होती है। यात्री बताते है कि जब गड़हनी स्टेशन बना था उस समय ही फर्श पर पीसीसी ढलाई किया गया था उसके बाद कोई काम नहीं हुआ है। गड़हनी स्टेशन पर प्लेटफार्म अभी तक नहीं बना है,जिसके चलते यात्रियों को ट्रेन पर चढ़ने में काफी परेशानी होती है। वहीं फर्श भी टूटा हुआ है पैर फंसने का डर रहता है। प्लेटफार्म नहीं होने से बुजुर्ग व महिलाओं को ट्रेन पर चढ़ने व उतरने में गिरने का भी डर बना रहता है। गड़हनी स्टेशन बने करीब 15 साल हो गए लेकिन अभी तक प्लेटफार्म नहीं बनाया गया है।

जैन कॉलेज के ग्राउंड को ठीक करें जिला प्रशासन

आरा| वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व सीनेटर अजय कुमार तिवारी मुनमुन ने जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया से एचडी जैन कॉलेज के मैदान की टूटी चार दिवारी को ठीक करने, मैदान का लेवल कराने और साफ सफाई कराने की मांग की है। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव के समय कॉलेज को जिला प्रशासन के द्वारा अधिकृत किया गया था। चुनाव समाप्त होने के बाद मैदान की चार दिवारी जो की तोड़ी गई थी उसे ठीक नहीं किया गया है। मैदान में बड़े-बड़े वाहनों के आने जाने से कई जगह गड्ढा बन गया है। इसकी वजह से महाविद्यालय एवं आसपास के बच्चे मैदान में खेलकूद नहीं कर पा रहे हैं। हाल में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में अंतर महाविद्यालय टूर्नामेंट होना है। इस टूर्नामेंट में चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपना दमखम दिखाएंगे। लेकिन मैदान की स्थिति ठीक-ठाक नहीं होने की वजह से महाविद्यालय एवं आसपास के युवा टूर्नामेंट की तैयारी नहीं कर पा रहे हैं।

शराब कांड में 4 लोग गिरफ्तार, भेजे गए जेल

आरा। टाउन थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के अलग अलग जगहों से छापामारी में महिला सहित 4 लोगों को शराब के कांड में गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में अखिलेश कुमार पिता चुन्नू प्रसाद, धनवंती देवी उम्र-42 वर्ष पति स्व० शंभु दोनों बघउतपुर बिंद टोली, छोटे कुमार उम्र-19 वर्ष पिता राजेन्द्र प्रसाद बघउतपुर बिंद टोली और अप्पू कुमार गुप्ता उम्र 36 वर्ष पिता गणेश प्रसाद गुप्ता आनन्दनगर शामिल है। गिरफ्तार सभी आरोपियों को अग्रेतर कार्रवाई के लिए न्यायालय को सुपुर्द कर दिया गया। टाउन थाना की पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अखिलेश कुमार धनवंती देवी और छोटे कुमार को उसके घर बघउतपुर बिंदोली से गिरफ्तार किया गया जबकि अप्पू कुमार की गिरफ्तारी टाउन थाना परिसर से गिरफ्तारी हुई।

सभी थानाक्षेत्रों में विशेष मॉर्निंग पेट्रोलिंग चलाई

बक्सर| जिले में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से बक्सर पुलिस ने शुक्रवार की सुबह सभी थानाक्षेत्रों में विशेष मॉर्निंग पेट्रोलिंग चलाई। एसपी शुभम आर्य के निर्देश पर शुरू किए गए इस अभियान के तहत मुख्य सड़कों, गलियों और चौक-चौराहों पर वाहनों की सघन जांच की गई, ताकि संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस टीमों ने दोपहिया व चारपहिया वाहनों को रोककर कागजात, नंबर प्लेट और अन्य जरूरी दस्तावेजों की जांच की। अधिकारियों ने बताया कि मॉर्निंग पेट्रोलिंग का मुख्य उद्देश्य आम जनता में सुरक्षा का भरोसा कायम रखना और अपराधियों के इरादों पर अंकुश लगाना है। पुलिसकर्मियों ने लोगों से वाहन जांच में सहयोग करने की अपील की है।

युवा कांग्रेस नेता के आवास पर पहुंचीं झारखंड सरकार की मंत्री दीपिका पांडेय

बक्सर। युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव पंकज उपाध्याय के मझरिया स्थित आवास पर गुरुवार को झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह पहुंचीं। उनके आगमन पर युवा कांग्रेस नेताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। मुलाकात के दौरान संगठन की मजबूती, युवाओं की भूमिका और आगामी राजनीतिक रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि युवाओं को कभी निराश नहीं होना चाहिए। उन्होंने बताया कि राजनीति में संघर्ष हर किसी के जीवन का हिस्सा है, लेकिन मेहनत करने वालों का समय अवश्य आता है। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र महगामा में भी स्थिति कुछ ऐसी ही रही थी। पहली बार चुनाव लड़ने की इच्छा के बावजूद उन्हें टिकट नहीं मिला था और पार्टी ने तत्कालीन विधायक पर भरोसा जताया था। परिणामस्वरूप 28 हजार से अधिक वोटों से वहां पराजय हुई थी। उन्होंने बताया कि बाद में जब उन्हें मौका मिला, तो उसी सीट से उन्होंने जीत दर्ज की और लगातार महगामा से परचम लहरा रही हैं।

चन्द्रहंश मार्केट के सामने 15 दिन से बिजली पोल में करंट, नहीं सुन रहे अधिकारी

गड़हनी। स्थानीय नगर पंचायत गड़हनी के चन्द्रहंश मार्केट के सामने 15 दिनों से बिजली के पोल में करेंट आ रहा है, लेकिन शिकायत के बाद भी पदाधिकारी नहीं सुन रहे है। लोहे के पोल पर एलटी तार है जिससे दर्जनों उपभोक्ताओं को डीपी पर से बिजली करेक्शन दिया गया है। साफ दिख रहा है कि लोहे के पोल में दर्जनों तार लपेटे गए है, हो सकता है कोई तार कट गया हो और पोल में सट गया होगा जिसके कारण पोल में करेंट आ रहा है। राजद के प्रखंड अध्यक्ष मो सोनू उर्फ निक्कू ने बताया कि मैं 15 दिनों से गड़हनी बिजली ऑफिस में कनीय अभियंता से चेक कराने को बोल रहा हूं लेकिन रोज आज कल कर रहे है। ठीक नहीं हुआ तो हो सकती है बड़ी हादसाः पोल आरा - सासाराम स्टेट हाइवे के किनारे मेन मार्केट में है, यदि कोई बड़ी घटना हो गई तो इसकी जिम्मेदार बिजली विभाग होगी। पोल के बगल में स्थित दुकानदार अमजद हुसैन ने बताया कि पोल पर लगा डीपी बॉक्स खराब हो गया है जिसके जिसके कारण पोल में करेंट आ रहा है। बिजली मिस्त्री बिना सीढ़ी के आए थे नीचे से चेक कर खानापूर्ति किया और चलते बने। वहीं कनीय अभियंता निर्मल कुमार ने बताया कि एक सप्ताह पहले भी ठीक कराया गया था और आज भी मिस्त्री जांच करने गया है। हो सकता हो कोई तार कट कर सट रहा होग।

सड़क हादसे में मासूम की मौत

आरा। भोजपुर में शुक्रवार को अज्ञात वाहन ने दादी के साथ बाजार गए बालक को ठोकर मार दी। हादसे में उसकी मौत हो गई। इलाज के लिए शाहपुर रेफरल अस्पताल ले जाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मामला शाहपुर थाना क्षेत्र के भरौली बाजार का है। मृत बालक शाहपुर थाना क्षेत्र के भरौली गांव निवासी प्रेम शंकर चौधरी का बेटा नीतीश कुमार(7) है। इधर, मृत बालक के चाचा वशिष्ट चौधरी ने बताया कि वे लोग खेत में मजदूरी करने गए थे और वह अपनी दादी के साथ गैस सिलेंडर भरवाने के लिए भरौली बाजार गया था। उसी दौरान अज्ञात वाहन ने उसे ठोकर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

परिजनों ने अस्पताल में कराया भर्ती: परिजन की ओर से उसे इलाज के लिए शाहपुर रेफरल अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे स्थानीय थाना की ओर से शव का पोस्टमार्टम अस्पताल में कराया गया। मृत बालक अपने दो बहन व भाई एक भाई में बड़ा था व अपने मां-बाप का इकलौता चिराग था। उसके परिवार में मां गायत्री देवी देवी व दो बहन रागिनी और शिवानी है। घटना के बाद मृत बालक के घर में हाहाकार मच गया है।

नाथपुर गांव में 20 लाख से सड़क निर्माण शुरू

इटाढ़ी| इटाढ़ी नगर पंचायत के नाथपुर गांव में 20 लाख रुपए की लागत से सड़क निर्माण कार्य शुरू हो गया है। यह सड़क वार्ड नंबर-1 में मुख्य सड़क से पश्चिम यादव डेरा तक बनाई जा रही है। वर्षों से जर्जर और कच्ची पड़ी इस सड़क के निर्माण की मांग स्थानीय लोग लगातार कर रहे थे, जिससे अब सैकड़ों लोगों को राहत मिलेगी। मुख्य पार्षद संजय पाठक ने निर्माण स्थल का दौरा किया। उन्होंने सड़क की मिट्टी भराई के कार्य का निरीक्षण किया और संबंधित ठेकेदार व तकनीकी सहायकों को गुणवत्ता से कोई समझौता न करने के सख्त निर्देश दिए।

लोन वसूली के लिए कैंप आयोजित

♦ लाभार्थियों से 24 से 29 नवंबर तक बकाया चुकाने की अपील

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में अल्पसंख्यक समुदाय के लाभार्थियों से लोन वसूली में तेजी लाने के लिए एक विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप 24 से 29 नवंबर 2025 तक चलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न ऋण योजनाओं के तहत वितरित राशि की वसूली प्रक्रिया को सुगम बनाना है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी, बक्सर से मिली जानकारी के अनुसार, यह कैंप मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक रोजगार ऋण योजना, NMDFC टर्म लोन योजना और मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक शिक्षा ऋण योजना के अंतर्गत दिए गए लोन के पुनर्भुगतान के लिए है।

कैंप में उपस्थित होकर अपना बकाया भुगतान करने की अपीलः जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी श्री विवेक कुमार केशरी ने बताया कि जिन ऋणधारकों की किस्त जमा करने की निर्धारित तिथि बीत चुकी है या जिन्होंने समय पर ऋण राशि जमा नहीं की है, वे इस कैंप में उपस्थित होकर अपना बकाया भुगतान करें। कैंप का लक्ष्य ऋणधारकों को एक ही स्थान पर सुविधाजनक भुगतान का अवसर देना और उन्हें समय पर भुगतान के लिए प्रेरित करना है।

सभी बकायेदारों को नोटिस जारी कर सूचित कियाः विभाग ने सभी बकायेदारों को नोटिस जारी कर सूचित किया है कि निर्धारित अवधि में ऋण की बकाया राशि जमा न करने पर अतिरिक्त ब्याज और दंडात्मक शुल्क लगाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध दीवानी एवं फौजदारी मुकदमा भी दायर किया जा सकता है, जिससे भविष्य में कानूनी बाधाएं उत्पन्न हो सकती हैं।

किसी भी बहाने या स्पष्टीकरण को स्वीकार नहीं किया जाएगाः विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि वसूली कैंप से गैरमौजूद रहने या भुगतान से बचने के लिए दिए जाने वाले किसी भी बहाने या स्पष्टीकरण को स्वीकार नहीं किया जाएगा। कैंप के बाद ऋण वसूली के लिए कठोर कानूनी कार्रवाई शुरू की जा सकती है, जिसमें नोटिस, रिकवरी प्रमाणपत्र (आरसी) प्रक्रिया और न्यायालय कार्रवाई शामिल होगी।

ऋण चुकाने की संस्कृति को मजबूत करने में भी सहायक होगाः जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी, बक्सर ने सभी लाभार्थियों से अपील की है कि वे अनावश्यक ब्याज, दंड और संभावित कानूनी जटिलताओं से बचने के लिए इस वसूली कैंप में उपस्थित होकर अपने बकाया ऋण का भुगतान करें। यह कैंप न केवल ऋणधारकों को राहत प्रदान करेगा, बल्कि समय पर ऋण चुकाने की संस्कृति को मजबूत करने में भी सहायक होगा।

एसपी ने किया पुलिस वाहनों का गहन निरीक्षण

निज संवाददाता। बक्सर

शुक्रवार को एसपी शुभम आर्य ने महदह स्थित पुलिस केन्द्र बक्सर में सभी पुलिस वाहनों का गहनता पूर्वक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने वाहन बेड़े की वर्तमान स्थिति, उनकी कार्यक्षमता, सुरक्षा मानकों तथा दैनिक उपयोग में आने वाली आवश्यकताओं का बारीकी से जायजा लिया। एसपी ने पुलिस कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी वाहनों का उचित रख-रखाव समय पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि गश्ती, आपातकालीन प्रतिक्रिया और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी प्रकार की बाधा न आए। उन्होंने विशेष रूप से वाहनों की समय-समय पर सर्विसिंग, इंजन की जांच, टायर, ब्रेक, बैटरी जैसी आवश्यक तकनीकी जांच को प्राथमिकता देने को कहा। इसके अतिरिक्त एसपी ने रात के समय गश्त के लिए वाहनों में लगी सभी तरह की लाइट, सायरन, इंडिकेटर एवं अन्य आवश्यक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की कार्यशीलता की भी जांच की और कर्मियों को निर्देशित किया कि किसी भी तरह की खराबी पाए जाने पर तुरंत उसकी मरम्मत कराई जाए। उन्होंने कहा कि सुव्यवस्थित और सुरक्षित वाहन व्यवस्था से पुलिसिंग की गति और प्रभावशीलता बढ़ती है। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारियों के निर्वहन में लापरवाही न बरतने की चेतावनी भी दी गई।

श्रीमद्भागवत की कथा में प्रभु को लगा छप्पन भोग

निज संवाददाता। बक्सर

सपही गांव में चल रहे श्रीमद्भागवत की कथा में गोवर्धन पूजा के साथ नंद गोपाल को छप्पन भोग लगाया गया।।नवधा भक्ति का वर्णन करते हुए पूज्य आचार्य जन्मेजय शास्त्री ने कहा कि भगवान को प्राप्त करने के लिए जो रास्ते हैं 9 मार्ग से होकर गुजरते हैं। इन 9 मार्गों में से जीव किसी भी मार्ग से भगवान को प्राप्त कर सकता है लेकिन शर्त यह है कि इन 9 मार्गों में से किसी एक मार्ग से जीव को चलना ही पड़ेगा। पंचम दिवस की कथा वर्णन करते हुए आचार्य ने कहा कि माखन चोरी की लीला श्रवण करने वालों के जीवन में जो पाप होता है उस पाप का भी भगवान शमन करते हैं। आपके भी जन्म-जन्मांतर के पाप को भी चोरी कर लेते हैं। इसलिए भगवान चौराहा गिरगण्य है।श्री शास्त्री द्वारा गोवर्धन पूजा का वर्णन किया गया और भगवान ने पूतना का किस प्रकार उद्धार किया इसका वर्णन किया। किसी भी परिस्थिति में मनुष्य को अपना धर्म नहीं छोड़ना चाहिए। धर्म और कर्म से से ही मनुष्य आगे बढ़ता है। भागवत की कथा से धर्म अर्थ काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है।भागवत की महिमा बहुत बड़ी है इससे भागवत का श्रवण करना चाहिए और अपने जीवन में इसका पालन करना चाहिए। भागवत की कथा जन्मों जन्मों के पाप को नष्ट कर मनुष्य को सद्गति प्राप्त करती है।

आर्यन बाबू को पटना में मिला सम्मान

निज संवाददाता। बक्सर

पटना के होटल पनाचे में आयोजित 'स्टार्स ऑफ इंडिया अवॉर्ड्स 2025' में बक्सर के बाल कलाकार आर्यन बाबू को 'मोस्ट टैलेंटेड सिंगर इन बिहार' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें बॉलीवुड अभिनेता नील नितिन मुकेश और 'प्राइड ऑफ बिहार' खान सर की उपस्थिति में प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नील नितिन मुकेश, खान सर और आर्यन बाबू ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर 'ईस्ट इंडिया चैप्टर मैगजीन 2025' के तीसरे संस्करण का भी अनावरण किया गया, जिसका संपादन अमृता राय वर्मा और श्रीधर वर्मा कर रहे हैं। समारोह का आयोजन VKONNECT STARS द्वारा किया गया था।

बिहार की कला और संस्कृति की सराहना कीः अपने संबोधन में नील नितिन मुकेश ने बिहार की कला और संस्कृति की सराहना की। उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत की नई पीढ़ी में अद्भुत ऊर्जा और प्रतिभा है। खान सर ने इस मंच को पूर्वी भारत के संघर्ष और सफलता का प्रतीक बताया। उन्होंने सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। चीफ एडिटर अमृता राय वर्मा ने कहा कि पटना में इतनी बड़ी संख्या में प्रतिभाओं का एक साथ जुटना यह दर्शाता है कि पूर्वी भारत सांस्कृतिक रूप से समृद्ध है। समारोह में आरजे अंजलि, आरजे शशि, सैयद साहेब अली (मटरगश्ती), WowVidushi, जेपी यादव, संजय भूषण पटियाला, अंशुमन सिन्हा और शारदा सिन्हा सहित कई अन्य हस्तियों को भी सम्मानित किया गया। सम्मान मिलने के बाद आर्यन बाबू ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, "यह पल मेरे लिए जिंदगी का सबसे बड़ा तोहफा है। नील नितिन मुकेश सर और खान सर जैसे दिग्गजों के हाथों सम्मान मिलना किसी सपने से कम नहीं।" उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों, संजय भूषण पटियाला, कृतिका मैम और सभी शुभचिंतकों को दिया। आर्यन बाबू ने कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है, ताकि वे बक्सर का नाम रोशन कर सकें।

10 साल की उम्र में बड़ा सफरः बक्सर के दसियांव गांव के रहने वाले आर्यन बाबू (10) ने कम उम्र में ही भोजपुरी इंडस्ट्री में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। 18 भोजपुरी फिल्मों में अभिनय, 2022 में सरस सलिल और भोजपुरी सिनेमा अवॉर्ड्स से बेस्ट चाइल्ड एक्टर, 2023 में बेस्ट चाइल्ड सिंगर अवॉर्ड, पहली फिल्म 'अंदाज' में खेसारी लाल यादव के साथ पवन सिंह, निरहुआ, चिंटू पांडे, अरविंद अकेला कल्लू, प्रमोद प्रेमी समेत कई बड़े सितारों के साथ काम किया है। इसके अलावा कई स्टेज कार्यक्रमों और वायरल वीडियो से सोशल मीडिया पर बड़ी लोकप्रियता भी हासिल की है। स्टार्स ऑफ इंडिया अवॉर्ड्स 2025 अपनी ऊर्जा और शानदार प्रस्तुति के कारण बेहद यादगार रहा। इस मंच पर आर्यन बाबू की उपलब्धि ने एक बार फिर साबित कर दिया कि बक्सर की मिट्टी में प्रतिभा की कमी नहीं है। युवा आर्यन ने न सिर्फ जिले बल्कि पूरे बिहार का नाम रोशन कर दिया।

बेरोजगार युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

♦ एसआईएस सिक्योरिटी में दो पदों पर होगी बंपर बहाली, कृषि भवन कैंपस में लगेगा जॉब कैंप

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर के बेरोजगार युवाओं के लिए अच्छी खबर है । जिला नियोजनालय कार्यालय परिसर कृषि भवन,आरा कैंपस में संपर्क कर सकते है । यह जॉब कैंप 22 नवंबर दिन शनिवार की सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक जिला नियोजनालय कार्यालय परिसर,आरा में निजी क्षेत्र की कंपनी ऑन द स्पॉट कैंपस में चयन करेंगी । यह जानकारी जिला नियोजन पदाधिकारी ने दी है। जॉब कैम्प में बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिलेगा। जॉब कैम्प जिला नियोजनालय के तरफ से लगाया जा रहा है । इस कैम्प में निजी क्षेत्र की कंपनी SIS सिक्योरिटी,भोजपुर में अभ्यर्थियों के योग्यतानुसार कैंपस में चयन करेगी । जॉब कैंप में भाग लेने वाले आवेदकों से अनुरोध किया गया है कि वे NCS पोर्टल (www.ncs.gov.in) पर अवश्य निबंधित हो ले । कंपनी की ओर से आयोजित इस कैंप में सम्पूर्ण भोजपुर लिए बहाली की जाएगी । कैंपस चयन के बाद कंपनी की ओर से इस कैम्प में 19 साल से 40 साल तक के पुरुष बेरोजगारों को सिक्योरिटी गार्ड व सुपरवाइजर पद के लिए होनहार युवाओं को ऑन स्पॉट रोजगार मिलेगा । इसमें भाग लेने वाले अभ्यर्थियों को निबंधन प्रमाण पत्र,पासपोर्ट साइज का फोटो,बायोडाटा (रिज्यूम) और सभी पत्र की मूल कॉपी जरूरी है ।

कम्पनी विवरणी निम्न प्रकार है :- कम्पनी का नामः- SIS सिक्योरिटी, पद :-- सिक्योरिटी गार्ड व सुपरवाइजर, शैक्षणिक योग्यताः- न्यूनतम 10 वीं,12 वीं व स्नातक पास, सैलरी :-18000-20000, उम्र :-- 19 वर्ष से 40 वर्ष तक, आवेदक :-- पुरुष, स्थान :-जिला नियोजनालय,कृषि भवन कैंपस,आरा, समयः--सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक इस जॉब कैम्प में भाग लेने वाले आवेदकों के लिए नियोजनालय में निबंधन होना अनिवार्य है। जो अभ्यर्थी अब तक नियोजनालय में निबंधित नही हो पाए है, वे नेशनल करियर सर्विस पोर्टल www.ncs.gov.in पर ऑनलाइन अपना निबंधन करा सकते है । साथ ही जिला नियोजनालय,भोजपुर में ऑनलाइन निबंधन करा सकते है और कैम्प में भाग लेकर रोजगार के अवसर का फायदा ले सकते है । जॉब कैम्प में प्रवेश निशुल्क है । जिला नियोजन पदाधिकारी ने बताया कि नियोजनालय की भूमिका ई पूरी प्रक्रिया में सिर्फ सुविधा प्रदाता के रूप में होगी ।

"सामाजिक कार्यकर्ता की आत्मकथा' पुस्तक का लोकार्पण

निज संवाददाता। आरा

तरारी प्रखंड के करथ गांव में समाजसेवी एवं साहित्यकार सत्येंद्र कुमार सिंह की आत्मकथा 'एक सामाजिक कार्यकर्ता की आत्मकथा' का लोकार्पण समारोह हुआ। आयोजन स्थल सरस्वती ज्ञान मंदिर मध्य विद्यालय का मैदान था। अपने संबोधन में श्री सत्येन्द्र ने कहा, मैं उस मिट्टी के सामने झुकना चाहता था जिसने मुझे बनाया। यह आत्म-कथात्मक पुस्तक मेरे करथ गांव में बिताए बचपन, पारिवारिक पृष्ठभूमि, शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में अर्जित उपलब्धियों की कहानी है। पुस्तक मेले पिछले 65 वर्षों का जीवंत दस्तावेज है। पुस्तक नौ अध्यायों में विभाजित है। इसमें सामाजिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय घटनाएं, ग्रामीण एवं आदिवासी विकास के विभिन्न चरणों में किए गए कार्यों का विस्तृत विवरण, सामाजिक कुरीतियों से संघर्ष, हाशिए के लोगों का दर्द और आदिवासी एवं भोजपुरी लोककथाएं, सामूहिक मनोविज्ञान का उल्लेख हैं। ग्रामीण एवं आदिवासी संस्कृति, परंपराएं, कहावतें और संघर्ष-विजय की जीवंत स्मृतियां समृद्ध रूप से संकलित हैं। मुख्य अतिथि पूर्व सेना उप प्रमुख श्री एसके सिंह ने कहा मैं सेना अधिकारी हूं, फिर भी आज मेरी आंखें नम हैं। विशेषकर पहाड़िया और संथाल आदिवासी समुदायों के सामाजिक विकास में सत्येंद्र जी का योगदान प्रेरणादायी है। उनके आगे के सफर के लिए शुभकामना। वे वंचितों की निडर आवाज बने रहें। वक्ता राजनिश सिंह ने कहा, आज का हर पेशेवर एसी दफ्तरों में अपना और परिवार का भविष्य सुरक्षित कर रहा है। तब समाजसेवी बनना बहुत कम लोग चुनते हैं। समाजसेवी को कहीं-कहीं प्रशासनिक, राजनीतिक और आर्थिक सहयोग मिलता है। सत्येंद्र जी ने उन जलती चुनौतियों को स्वीकार किया और जीवन भी बनाया, लेखनी भी। वर्ष 1994 में भारत सरकार द्वारा सामाजिक वानिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए मिला 'इंदिरा प्रियदर्शिनी वृक्षमित्र पुरस्कार' आज करथ गांव, भोजपुर और पूरे देश के लिए गर्व की बात है। पूर्व प्राचार्य, शिक्षाविद् एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ. राजीव नयन अग्रवाल ने कहा, गांव में ही डिप्टी कमांडेंट और अन्य गणमान्य लोगों के हाथों पुस्तक लोकार्पित कराकर लेखक ने याद दिलाया कि जो व्यक्ति अपनी जड़ों से जुड़ा रहता है, वह कितना भी ऊंचा उठ जाए, जीवन का असली मतलब नहीं खोता। 88 वर्षीय सम्मानित शिक्षक एवं साहित्यकार बृज बिहारी सिंह ने कहा, लगभग नब्बे साल की उम्र में भी आज मैं अपने को छात्र महसूस कर रहा हूं। करथ का 67 वर्षीय लेखक ने मेरे लिए जिज्ञासा के नए द्वार खोल दिए। अन्य वक्ताओं में कर्नल सतीश सिंह, यदुनंदन सिंह, रामजी सहाय, श्रीमान नारायण, उदय प्रकाश सिंह (पूर्व संयुक्त निदेशक, युवा मामले मंत्रालय), प्रो. कन्हैया प्रसाद सिंह, डॉ. ललन प्रसाद सिंह आदि शामिल थे। सभा की अध्यक्षता सेवानिवृत्त प्राचार्य बृज बिहारी सिंह और संचालन हैदर अली ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कन्या मध्य विद्यालय, उदवंतनगर के प्रधानाध्यापक योगेंद्र सिंह ने किया।

अक्टूबर में कुल 32 वादों में सुनाई गई सजा

निज संवाददाता। बक्सर

गुरूवार को डीएम डॉ विद्यानंद सिंह ने अभियोजन की मासिक समीक्षात्मक बैठक कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सभाकक्ष में किया। शुक्रवार को सुबह लगभग 11 बजे इसकी जानकारी जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अमित कुमार नें दी। बैठक में बताया गया कि अक्टूबर 2025 में त्वरित विचरण के तहत जघन्य अपराध अंतर्गत 06 वाद, पॉस्को में 04 वाद, शस्त्र अधिनियम अंतर्गत 01 वाद, NDPD अधिनियम अंतर्गत 01 कुल 12 वादों में सजा दिलाई गई। इसी प्रकार सामान्य वादों के अंतर्गत जघन्य अपराध के 05 वाद एवं शस्त्र अधिनियम के 15 वादों में अभियुक्तों को सजा दिलाई गई है। बैठक में अपर समाहर्ता द्वारा त्वरित विचरण अंतर्गत वादों एवं सामान्य अभियोजनवादो की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बैठक में उपस्थित विशेष लोक अभियोजक उत्पाद अधिनियम अवधेश राय द्वारा बताया गया कि जिला के चर्चित मुरार थाना कांड संख्या 10/ 2022 में सुनवाई पूरी हो गई है। त्वरित विचारण के अंतर्गत कुल 7 वादों में सजा के समय अभियुक्त के फरार हो जाने के कारण उसमें सजा नहीं सुनाई जा सकी है, न्यायालय द्वारा एनबीडब्ल्यू निर्गत है, अभियुक्त के उपस्थित होते ही उक्त सभी वादों में सजा सुनाई जाएगी। गवाहों की उपस्थिति हर हाल में करें सुनिश्चित बैठक में उपस्थित पुलिस पदाधिकारी एवं सिविल सर्जन एवं अनुसंधानकर्ता की गवाही तथा अन्य गवाहों की उपस्थिति हर हाल में सुनिश्चित करेंगे ताकि जिला में त्वरित विचारण के माध्यम से अधिक से अधिक वादों में सजा दिलाई जा सके। बैठक में उपस्थित लोक अभियोजक एवं अभियोजन पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक माह सभी अपर लोक अभियोजकों एवं सहायक अभियोजन पदाधिकारी के साथ अपने स्तर से समीक्षात्मक बैठक कर वादों के निष्पादन में तेजी लाना सुनिश्चित करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

पिकअप वैन से लूटपाट चालक को बंधक बनाकर नदौल के सुनसान जगह पर छोड़ा

आधा दर्जन बदमाशों ने हथियार के बल पर दिया घटना को अंजाम

मसौढ़ी। पटना गया डोभी एनएच 22 स्थित धनरुआ थाना क्षेत्र के नसिरणाचक गांव के समीप आधा दर्जन बदमाशो ने पिकअप चालक को बंधक बनाकर पिकअप पर लदा लगभग चार से पांच लाख का सामान लूट लिया।जानकारी के मुताबिक पिकअप वैन चालक गौरीचक थाना के चंदास मोड़ से सामान लोडकर कैमूर के कोचस ले जा रहा था।इसी बीच धनरुआ थाना के नसिरणाचक फोर लेन के पास एक होटल पर चालक गाड़ी रोककर खाना खाया।खाना खाने के बाद गाड़ी को कुछ दूर आगे ले जाकर गाड़ी खड़ी कर गाड़ी में ही सो गया।बताया जाता है कि तीन बदमाश आये और गाड़ी में सो रहे चालक को जगा कर कब्जे में लिया और पिकअप वैन को चंदापर गांव के पास लेकर गया उसके बादचालक को दूसरी गाड़ी में बैठाकर नदौल लेकर चला गया।चालक को नदौल के पास कहीं सुनसान जगह पर छोड़ दिया।चालक निरंजन कुमार किसी तरह घटना की जानकारी अपने पिकअप वैन मालिक सुजीत कुमार और धनरूआ थाना को दी.पुलिस ने चालक को लेकर कई स्थानों पर जाकर छानबीन की और आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाल रही है।

पटना के आसपास बिजली चोरी के बड़े गिरोह का पर्दाफाश, तीन आरोपी गिरफ्तार

पटना। पटना के आसपास के ग्रामीण और शहरी इलाकों में 11 केवीए और 33 केवीए हाई-टेंशन बिजली के तारों की लगातार चोरी हो रही थी, जिससे कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित हो रही थी और आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा था। इन घटनाओं के पीछे सक्रिय गिरोह की पहचान कर फतुहा पुलिस ने विशेष कार्रवाई की। फतुहा थानाध्यक्ष सदानंद साह के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी शुरू की। इसी कार्रवाई के दौरान रसलपुर गांव के पास एक बाइक पर सवार तीन संदिग्धों को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दनियावां चौड़ा निवासी पंकज कुमार, खुसरुपुर के राकेश कुमार और विशाल यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 100 मीटर बिजली के तार के साथ चोरी में इस्तेमाल होने वाले हाई-टेक औजार बरामद किए हैं। बरामद सामान में एक बैट्री चालित कटर मशीन, एक बड़ा लोहा कटर, टूल किट, दो मोबाइल फोन और बाइक शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह पेशेवर तरीके से हाई-टेक उपकरणों का इस्तेमाल कर चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहा था और चोरी किए गए तारों को बेचकर आर्थिक लाभ उठा रहा था। थानाध्यक्ष सदानंद साह ने कहा कि यह गिरोह बड़ा है और अन्य सदस्यों की पहचान कर ली गई है। गिरफ्तार आरोपियों को गहन पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने यह भी कहा कि बाकी गिरोह के अन्य सदस्यों को जल्द ही गिरफ्तार करने की कार्रवाई जारी है।

पुलिस ने नकली विदेशी शराब गिरोह का पर्दाफाश किया, दो गिरफ्तार

फतुहा,पटना। पटना जिले के फतुहा स्थित नदी थाना पुलिस ने शुक्रवार को नकली विदेशी शराब निर्माण और पैकेजिंग गिरोह का भंडाफोड़ किया। जेठुली गांव के पास रेलवे लाइन की ओर जाने वाली सड़क पर स्थित एक मकान में छापेमारी कर लाखों रुपए के उपकरण, निर्मित शराब और नगदी के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। नदी थाना के अपर थानाध्यक्ष विवेक कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि एक आवासीय परिसर में अवैध रूप से विभिन्न नामी ब्रांडों की विदेशी शराब बनाई जा रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मकान की घेराबंदी की और तलाशी ली। छापेमारी में पुलिस ने 59 लीटर तैयार पैक विदेशी शराब, 2 बड़े जार में रखी अर्धनिर्मित नकली शराब का घोल, भारी मात्रा में खाली बोतलें, ढक्कन, सीलिंग मशीन, विभिन्न ब्रांडों के लेबल और रैपर बरामद किए। इसके अलावा 2 लाख 9 हजार रुपए की नगदी भी जब्त की गई, जिसे इस अवैध धंधे से अर्जित किया गया माना जा रहा है। पुलिस ने मौके से घर के मालिक सतीश कुमार और उसकी चाची सीता देवी को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों ने खुलासा किया कि वे पिछले लगभग एक वर्ष से इस अवैध धंधे को चला रहे थे और डिमांड के अनुसार शराब को स्थानीय विक्रेताओं तक पहुंचाते थे। पुलिस ने इस नकली शराब फैक्ट्री को सील कर दिया है और अब गिरोह से जुड़े अन्य तस्करों और सप्लाई चैन के सदस्यों की तलाश में गहन जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि इस कार्रवाई से इलाके में नकली शराब की सप्लाई पर काफी हद तक रोक लगेगी और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

बेगूसराय में स्पेशल टास्क फोर्स और पुलिस का एनकाउंटर, सरपंच के बेटे के हत्याकांड के आरोपी घायल

निज संवाददाता। बेगूसराय

बिहार में नई सरकार के गठन के साथ ही पुलिस बदमाशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई मोड में आ गई है। शुक्रवार रात बेगूसराय मेंस्पेशल टास्क फोर्स और जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में एक कुख्यात अपराधी घायल हुआ। इस पर सरपंच के बेटे की हत्या का आरोप है। घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के शालिग्राम और मल्हीपुर गांव के आसपास हुई। घायल अपराधी का नाम शिवदत्त राय (27) है, जो तेघड़ा थाना क्षेत्र के बनहारा गांव का निवासी है। मौके से पुलिस ने भारी मात्रा में हथियार और नगदी बरामद की है। घायल का इलाज बेगूसराय के सिविल हॉस्पिटल में पुलिस हिरासत में चल रहा है। स्पेशल टास्क फोर्स को सूचना मिली थी कि फरार बदमाश शिवदत्त राय मल्हीपुर के आसपास हथियार खरीदने आया है। सूचना मिलने पर STF की टीम तुरंत वहां पहुंची और स्थानीय थाना को जानकारी दी।

पुलिस को देख भागे 6 बदमाशः STF और स्थानीय पुलिस जब इनपुट वाले स्थान पर पहुंची तो दो बाइक पर सवार छह बदमाश पुलिस को देखते ही गोली चलाने लगे। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें शिवदत्त राय की जांघ में गोली लगी और वह गिर पड़ा। अन्य अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। शिवदत्त राय की निशानदेही पर पुलिस ने एक घर से भारी मात्रा में हथियार, नगदी और कफ सिरप बरामद किए।

सरपंच के बेटे की हत्या का मामलाः यह घटना 2 सितंबर 2022 की रात की है, जब तेघड़ा थाना क्षेत्र के धनकौल पंचायत के सरपंच मीना देवी के घर पर अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। इस हमले में सरपंच के छोटे बेटे अवनीश कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी, जबकि बड़े बेटे रजनीश कुमार

को चोटें आई थीं। लूट का विरोध करने पर हत्या की गई थी। शिवदत्त राय और उसके गिरोह के सरगना समेत कई बदमाशों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। करीब एक साल पहले शिवदत्त राय को गाजियाबाद से गिरफ्तार किया गया था और बेगूसराय लाकर जेल भेजा गया था। करीब दो महीने पहले वह बेल पर बाहर आया था।

एनकाउंटर के बाद इलाजः एनकाउंटर के बाद शिवदत्त राय को पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस मामले की जांच और अन्य फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

DGP ने संगठित अपराध पर दिए नए निर्देशः सम्राट चौधरी के गृह मंत्री बनने के बाद पुलिस विभाग भी सक्रिय हो गया है। DGP विनय कुमार ने सभी जिलों की पुलिस को नए निर्देश दिए हैं। इसमें कहा गया है कि संगठित अपराध का मतलब केवल बड़ी आपराधिक घटनाएं या बड़े गिरोह नहीं है। अब तक छोटी समझी जाने वाली घटनाओं को भी संगठित अपराध की श्रेणी में शामिल किया जाएगा और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ऐतिहासिक होगा श्री राम जानकी विवाह महोत्सव - डॉ. अजय प्रकाश

निज संवाददाता। पटना

विवाह पंचमी के अवसर पर श्री राम जानकी विवाह महोत्सव की तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। संयोजक डॉ. अजय प्रकाश, अध्यक्ष नारायण प्रकाश साह, संस्थापक महासचिव विकास कुमार मौड़ीवाल, कोषाध्यक्ष ईश्वर प्रसाद गोयनका, कार्यकारी अध्यक्ष शिव प्रसाद मोदी सहित अन्य पदाधिकारियों ने प्रेस वार्ता में जानकारी दी। समिति के अनुसार, पटना सिटी चौक स्थित श्री सनातन धर्म सभा भवन में 25 नवंबर, मंगलवार को भगवान श्री राम और माता सीता का भव्य विवाह आयोजन किया जाएगा। इसी अवसर पर जनक नंदनी सीता का भव्य स्वयंवर होगा, जिसमें भगवान श्री राम धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाते हुए धनुष भंग करेंगे। विवाह महोत्सव के दौरान भगवान श्रीराम रथ पर बैठकर शोभायात्रा करेंगे। बैंड बाजे और आकर्षक झांकियों के साथ हजारों बाराती—महिलाएं, पुरुष और श्रद्धालु—नगर भ्रमण करते हुए बक्सी मोहल्ला स्थित सीता मंदिर पहुंचेंगे। यहाँ समधी मिलन का अद्भुत दृश्य देखने को मिलेगा। नगर भ्रमण के दौरान विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने बारात के स्वागत की तैयारी की है।

सीता मंदिर में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम और मिथिलानंदनी सीता मैया का जयमाला समारोह होगा, जिसका प्रस्तुतीकरण अत्यंत विहंगम होगा। झांकी के कलाकार सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत करेंगे। रात्रि में भव्य शुभ विवाह पंडितों के द्वारा संपन्न कराया जाएगा। श्री राम जानकी विवाह महोत्सव श्रद्धालुओं के लिए भव्य, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक अनुभव साबित होगा।

वैशाली में ससुराल से लौट रहे युवक की ट्रैक्टर दुर्घटना में दर्दनाक मौत

निज संवाददाता। वैशाली

वैशाली जिले के रुस्तमपुर थाना क्षेत्र में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक दीपक राय श्याम चंद गांव के रहने वाले थे और अपने परिवार का पालन-पोषण मजदूरी करके करते थे। सूचना के अनुसार, दीपक ससुराल में अपनी साली की शादी में शामिल होने गए थे और वहां से पैदल अपने घर लौट रहे थे, तभी उनकी जिंदगी अचानक ही दुर्घटना का शिकार हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, युवक ट्रैक्टर के नीचे दब गया और लगभग 15 मिनट तक तड़पता रहा। हादसे का कारण सुनसान जगह होने और आसपास किसी के मौजूद नहीं होने की वजह से तत्काल मदद नहीं मिल पाई। ग्रामीणों के अनुसार, युवक के ऊपर ट्रैक्टर पलटने के बाद उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

परिवार का दुख और घटना का विवरणः दीपक के पिता

दीनानाथ राय ने बताया कि दीपक तीन भाइयों में सबसे छोटा था और मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। मृतक की पत्नी संगीता देवी ने बताया कि उनकी बहन की शादी के लिए वे कुछ दिन ससुराल में थे। शुक्रवार की रात करीब 10 बजे दीपक घर लौटने निकले थे। संगीता ने बताया कि दीपक ने उनसे स्वेटर मांगने की इच्छा जताई थी, लेकिन पत्नी ने सोचा कि वह घर लौट जाएंगे इसलिए देने से इनकार कर दिया। इसके बाद दीपक पैदल घर की ओर निकल गए। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को खबर दी। घटना का एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें युवक ट्रैक्टर के चक्के के नीचे दबा हुआ दिखाई दे रहा है।

पुलिस कार्रवाई और ग्रामीणों का गुस्साः पुलिस ने तुरंत घटना स्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। इसके साथ ही हादसे में शामिल ट्रैक्टर को भी सीज कर लिया गया। वहीं, ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि वाहन में नंबर प्लेट भी नहीं लगी थी। इस हादसे ने ग्रामीणों में भारी आक्रोश और नाराजगी पैदा कर दी है। लोगों ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है और पुलिस से सुरक्षा और न्याय की उम्मीद जताई है।

स्थानीय प्रशासन की भूमिकाः रुस्तमपुर थाना इस मामले में गंभीरता से जांच कर रहा है। पुलिस ने बताया कि चालक की तलाश जारी है और जल्द ही उसे पकड़ने के लिए विशेष टीमें लगाया गई हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी तरह के अफवाह या दुष्प्रचार से बचें और पुलिस को जांच में सहयोग दें।

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे महामहिम राज्यपाल

निज संवाददाता। पटना

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना का नवम् दीक्षांत समारोह 24 नवम्बर को बापू सभागार में आयोजित होगा, जिसमें महामहिम राज्यपाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। विश्वविद्यालय के इस शैक्षणिक सत्र में कुल 29,955 विद्यार्थी विभिन्न संकायों और संस्थानों से सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हुए हैं। इनमें से 2,076 विद्यार्थियों ने दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया है, जो अपने-अपने संकायों का प्रतिनिधित्व करेंगे। पंजीकृत विद्यार्थियों में 1,154 छात्राएँ और 922 छात्र शामिल हैं, जो विश्वविद्यालय में बढ़ती हुई महिला भागीदारी को रेखांकित करता है।

इस वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों को सम्मानित करते हुए कुल 63 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किए जाएंगे। इनमें 47 छात्राएँ और

16 छात्र शामिल हैं। इस सम्मान के चयन का आधार विभिन्न संकायों में श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम, नवाचार, शोध कार्य और अकादमिक प्रदर्शन है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि गोल्ड मेडल पाने वाले विद्यार्थी संस्थान की प्रतिभा, परिश्रम और गुणवत्ता का प्रतिनिधित्व करते हैं।

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय में शोध एवं अकादमिक गतिविधियों में निरंतर प्रगति देखी जा रही है। मेडिकल, इंजीनियरिंग, सोशल साइंस और शिक्षा संकायों के अंतर्गत संबद्ध संस्थानों में किए जा रहे शोध कार्यों के परिणामस्वरूप इस वर्ष 67 शोधार्थियों ने अपने Ph.D. शोधकार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण किया है। इन शोधार्थियों को भी दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया जाएगा। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की शोध-उन्मुख नीति और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा का स्पष्ट प्रमाण है, जो इसे राज्य के अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों में शामिल करती है।

कुलपति तथा विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी और शोधार्थी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका मानना है कि दीक्षांत समारोह केवल एक शैक्षणिक औपचारिकता नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के करियर निर्माण और भविष्य की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह समारोह विद्यार्थियों को समाज, शोध, विज्ञान और अन्य क्षेत्रों में सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी सफल विद्यार्थियों और शोधार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कृषि कार्यालय में किसानों के लिए एक दिवसीय गोष्ठी का आयोजन

निज संवाददाता। मसौढ़ी

प्रखंड मुख्यालय स्थित कृषि कार्यालय भवन में शनिवार को एक दिवसीय किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी का उद्देश्य किसानों को आधुनिक और जलवायु अनुकूल खेती के बारे में जागरूक करना था, ताकि वे बदलते मौसम और कृषि परिस्थितियों के अनुसार अपनी पैदावार को बेहतर बना सकें। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय किसानों ने भाग लिया। उपस्थित किसानों ने विशेषज्ञों से कृषि तकनीक, फसल सुरक्षा, पोषण प्रबंधन और जलवायु अनुकूल खेती से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया। कार्यक्रम में शाहाबाद पंचायत के मुखिया रवि प्रकाश, किसान रंजीत पटेल और भाजपा नेता राकेश कुमार भी उपस्थित रहे। उन्होंने किसानों को कृषि में नई तकनीकों और सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कृषि विशेषज्ञों ने बताया कि बदलते मौसम और पर्यावरणीय परिस्थितियों के मद्देनजर किसानों को सतत और टिकाऊ खेती अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि उन्नत बीज, जैविक खाद और आधुनिक सिंचाई प्रणाली अपनाकर किसान अपनी फसल उत्पादन क्षमता बढ़ा सकते हैं।

पुलिस ने दो फरार आरोपियों के घर चिपकाया इश्तेहार

निज संवाददाता। मसौढ़ी

कोर्ट से आदेश प्राप्त कर धनरूआ थाना की पुलिस ढोल-नगाड़े बजाते हुए,थाना क्षेत्र के सेवढ़ा बिगहा गांव पहुंची।इसी गांव के जानलेवा हमला व आर्म्स एक्ट समेत अन्य अपराधिक घटनाओं को अंजाम देने के आरोप में लंबे समय से फरार विद्यानंद प्रसाद के पुत्र राहुल कुमार व कमलेश प्रसाद उर्फ कांग्रेस प्रसाद के पुत्र नवलेश कुमार की गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी की,लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी।इसके बाद पुलिस टीम ने फरार आरोपियों के घर में थानाध्यक्ष आलोक कुमार के नेतृत्व में इश्तेहार चिपकाया।यह जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि इसके बाद भी अगर फरार दोनों आरोपी शीघ्र सरेंडर नहीं करेगा तो नियमानुसार 15 दिन बाद पुनःकोर्ट से आदेश प्राप्त कर दोनों के खिलाफ कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

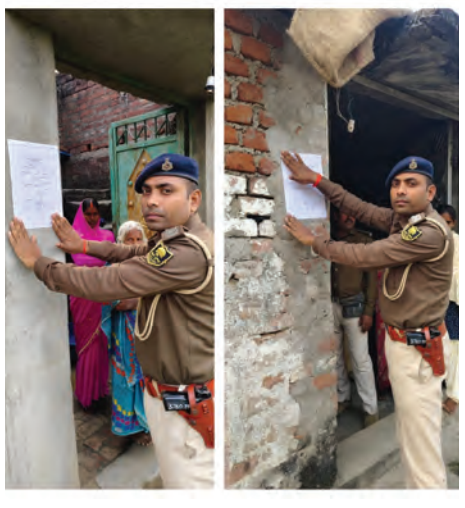

बिहार सरकार में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को गृह विभाग, कहा— अपराधियों के लिए अब बिहार नहीं

निज संवाददाता। पटना

बिहार की नई नीतीश सरकार में डिप्टी मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को गृह विभाग का जिम्मा दिया गया है, जो राज्य के सबसे अहम विभागों में से एक माना जाता है। शनिवार को उप मुख्यमंत्री पटना स्थित भाजपा कार्यालय पहुंचे, जहां पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। मीडिया से बातचीत में सम्राट चौधरी ने कहा कि अब अपराधियों की बिहार में खैर नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया, "बिहार अपराध के लिए नहीं है। क्रिमिनल्स को अब बिहार से बाहर ही जाना होगा। भाजपा नेतृत्व और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देशन में मुझे गृह मंत्री के रूप में काम करने का अवसर मिला है।" सम्राट चौधरी ने आगे कहा कि नीतीश कुमार ने राज्य में सुशासन स्थापित किया है और आगे भी सुशासन कायम रहेगा। उन्होंने कहा, "सुशासन की सारी व्यवस्था नीतीश जी के मार्गदर्शन में ही स्थापित होगी। बिहार में सुशासन है और अराजकता या जंगलराज की कोई जगह नहीं है। अपराधियों के लिए अब बिहार में कोई स्थान नहीं रहेगा।"

विशेषज्ञों का मानना है कि सम्राट चौधरी के गृह मंत्री बनने के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था में तेजी से सुधार की संभावना है। ठोस और प्रभावी कदम उठाकर वे अपराध की घटनाओं में कमी लाने में सक्षम होंगे। बीते साल राज्य में अपराध की घटनाओं

में वृद्धि हुई थी, और विपक्ष ने लगातार सरकार को कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर घेरा था। सम्राट चौधरी भाजपा विधायक दल के नेता भी चुने गए हैं। एनडीए की पिछली सरकार में उन्होंने वित्त, स्वास्थ्य और शहरी विकास जैसे महत्वपूर्ण विभागों को संभाला है। 2025 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने अपनी पैतृक सीट तारापुर से 1,22,480 वोटों के अंतर से जीत हासिल की और आरजेडी के उम्मीदवार को भारी अंतर से हराया। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि गृह विभाग मिलने के बाद सम्राट चौधरी कानून-व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा में प्रभावी नीतियां लागू कर राज्य में अपराध ग्राफ को नियंत्रित करने में सक्षम होंगे। उनका लक्ष्य बिहार में सुशासन की मजबूत और स्थायी व्यवस्था बनाना है।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस के संरक्षण में फल-फूल रहा अवैध बालू का कारोबार : जेपी

रांची। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश नेता जेपी पांडेय ने कहा है कि झारखंड पुलिस के संरक्षण में राज्य में अवैध बालू, कोयला और नशे का कारोबार फल-फूल रहा है। उन्होंने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कहा कि इन अवैध गतिविधियों रोकने में राज्य सरकार विफल साबित हो रही है। पांडेय ने आरोप लगाया कि हजारीबाग, रांची, साहेबगंज, डाल्टेनगंज, गढ़वा, लातेहार, लोहरदगा और पश्चिम सिंहभूम सहित कई जिलों में नशे और अवैध खनन का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। इसके चलते राज्य के लाखों युवा प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस संरक्षण में कोयला चोरी साइकिल, बाइक और ट्रकों के माध्यम से खुलेआम जारी है। खूंटी, बुंडू सहित अन्य जगहों और जिलों में एनजीटी के नियमों के लागू होने के बावजूद धड़ल्ले से बालू उठाव जारी है। कई स्थानों पर अवैध खदानों से चोरी बेखौफ हो रही है, जिससे राज्य को औद्योगिक नुकसान और राजस्व की हानि हो रही है। पांडेय ने आरोप लगाया कि पंचायतों में फंड की कमी से विकास कार्य तीन वर्षों से ठप पड़े हैं, जबकि दूसरी तरफ बालू, पत्थर और कोयले की चोरी ने व्यवसाय का रूप ले लिया है। पांडेय ने कहा कि सरकार आपके द्वार जैसी योजनाएं अब जनता को केवल दिखावा लग रही हैं।

चार श्रम संहिता मजदूर वर्ग के लिए काले कोड के समान : एक्टू

रांची। केंद्र सरकार की ओर से देश में लागू किए गए श्रम संहिता की ऑल इंडिया सेंट्रल कॉन्सिल की ऑफ ट्रेड यूनियन्स (एक्टू) ने कड़ी निंदा की है। एक्टू के झारखंड के सचिव भुवनेश्वर केवट ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि केंद्र सरकार की चार श्रम संहिता केंद्र के अडियल रवैये को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि चार श्रम संहिता देश के मजदूर वर्ग के लिए काले कोड के समान हैं। इसके खिलाफ एक्टू अन्य केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और संयुक्त किसान मोर्चा के साथ मिलकर 26 नवंबर को प्रदर्शन के माध्यम से कड़ा विरोध प्रदर्शन करेगा। केवट ने कहा कि 21 नवंबर देश के मजदूर मेहनतकश वर्ग के लिए काला दिवस के रूप में याद किया जाएगा। चार श्रम संहिता पूरी तरह से मजदूरों को गुलाम बनाने वाला दस्तावेज है। इसके खिलाफ लड़ाई तब तक जारी रहेगी, जब तक केंद्र सरकार से चारों श्रम संहिताओं को रद्द कर सभी पुराने श्रम कानूनों को लागू नहीं करती है। उन्होंने कहा कि श्रम कानूनों में संशोधन पूरी तरह मालिकों के पक्ष में किया गया है। यह मजदूर वर्ग के साथ विश्वासघात है। अर्थव्यवस्था में वृद्धि और आत्मनिर्भर भारत के लिए पूंजीपतियों को छूट देकर मजदूर वर्ग को बलि का बकरा बनाना सरासर अनुचित है। केंद्र सरकार को इस फैसले की कीमत चुकानी पड़ेगी या विवश होकर जीएसटी की तरह ही संशोधन कर मजदूरों के पक्ष में फैसले लेना पड़ेगा।

झारखंड के कई जिलों में 23 से आंशिक बादल छाने की संभावना

रांची। झारखंड के कई जिलों में 23 नवंबर से आंशिक बादल जाने की संभावना है। जानकारी मौसम विभाग ने शनिवार को दी। यह स्थिति झारखंड के छोभ मंडल के (ट्रोपोस्फेयर) के निचले हिस्से में उत्तर पश्चिम से पश्चिम की ओर से चलनेवाली हवाओं से बनेगी। वहीं, झारखंड के विभिन्न जिलों में न्यूनतम तापमान बढ़कर 16 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। राज्य के चाईबासा, गोड्डा, सरायकेला और जमशेदपुर सहित कई जिलों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री के पार रिकॉर्ड किया गया। इधर, शनिवार को रांची और आसपास के इलाकों में मौसम साफ रहा। रांची में तड़के सुबह कुहासा छाया रहा। इससे लोगों को ठंड का एहसास हुआ। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 30 डिग्री सेल्सियस, जबकि सबसे कम तापमान गुमला में 10.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। शनिवार को रांची में अधिकतम तापमान 26.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री, जमशेदपुर में 29.2 डिग्री और 15.2 डिग्री, डालटेनगंज में अधिकतम तापमान 28.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री, बोकारो में 27.1 डिग्री और 14.1 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

जेवीएम श्यामली के छात्रों ने पेंटिंग प्रतियोगिता में मारी बाजी

रांची। जवाहर विद्या मंदिर (जेवीएम), श्यामली के छात्रों ने भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) की ओर से शुक्रवार को आयोजित राज्य स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया है। जेवीएम स्कूल के प्राचार्य समरजीत जाना ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि तीनों विजेता प्रतिभागी श्रेया तिवारी, सोना कुमारी और दिव्यांका अब राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए दिसंबर माह में दिल्ली जाएंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये छात्र राष्ट्रीय मंच पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे और राज्य का नाम रोशन करेंगे। ऊर्जा संरक्षण विषय पर आयोजित इस प्रतियोगिता का परिणाम दामोदर वैली कॉर्पोरेशन (डीवीसी) ने पलाश भवन, डोरंडा में घोषित किया गया। प्रतियोगिता में सफलता पानेवाले छात्रों में ग्रुप ए (कक्षा 5 से 7) के समूह में कक्षा छठी ए की छात्रा श्रेया तिवारी ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं ग्रुप बी (कक्षा 8 से 10) के समूह में भी जेवीएम के छात्रों का दबदबा रहा। कक्षा आठवीं जी की छात्रा सोना कुमारी ने प्रथम पुरस्कार जीताा। इसी समूह में, कक्षा आठवीं ए की छात्रा दिव्यांका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मौके पर प्राचार्य ने विजेताओं को बधाई देते हुए ऊर्जा संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का क्षण है कि हमारे छात्रों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से इस अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर अपनी गहरी समझ का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि छात्रों को ऊर्जा के महत्व की शिक्षा देना समय की मांग है।

विधायक यह सुनिश्चित करें कि योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे: राज्यपाल

झारखंड विधानसभा का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया-रजत जयंती समारोह का राज्यपाल, मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष ने किया शुभारम्भ

एजेंसी। रांची

झारखंड विधानसभा का शानिवार को 25वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। झारखंड विधानसभा की रजत जयंती पर राज्य के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ सदन के वर्तमान और पूर्व सदस्यों को दी। राजधानी रांची स्थित विधानसभा भवन में आयोजित इस बड़े समारोह का शुभारंभ राज्य के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद अध्यक्ष ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र में जनता की ओर से चुने गए विधायक न केवल राज्य में कानून-निर्माण प्रक्रिया के महत्वपूर्ण अंग होते हैं, बल्कि वे जनता और सरकार के बीच एक सशक्त सेतु की भूमिका भी निभाते हैं। यह पावन स्थल राज्य के विकास की दिशा निर्धारित करता है, जनता की आकांक्षाओं को स्वर देता है और लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति को प्रकट करता है। उन्होंने कहा कि विधानसभा का सत्र केवल बहस का मंच नहीं होता, यह नीति-निर्धारण का मुख्य केंद्र है तथा जनता की अपेक्षाओं, विश्वास और आशाओं का सजीव प्रतिबिंब भी है। राज्यपाल ने कहा कि विधायक और जन-प्रतिनिधि का सबसे बड़ा दायित्व जनता के विश्वास को बनाए रखना है। जनता की ओर से दिया गया अधिकार सेवा का अवसर है, सत्ता का साधन नहीं। विधायकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सरकारी योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। विधानसभा की गरिमा बनाए रखना, स्वस्थ और सार्थक बहस करना तथा संविधान की मर्यादाओं का पालन करना प्रत्येक जनप्रतिनिधि का पवित्र कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र स्वस्थ चर्चा से मजबूत होता है, टकराव से नहीं। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों का उद्देश्य जन-कल्याण और राज्य का विकास होना चाहिए। अपेक्षा है कि विधायक स्वस्थ, तथ्यपूर्ण, शालीन और रचनात्मक संवाद की संस्कृति को आगे बढ़ाएंगे। राज्यपाल ने कहा कि जब जनप्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हैं, तब जनता का विश्वास सुदृढ़ होता है और राज्य के विकास की गति भी तेज होती है। जनता ने जिन अपेक्षाओं और विश्वास के साथ अपने प्रतिनिधियों को चुना है, उसका सम्मान करते हुए शालीन व्यवहार, विकास कार्यों की निगरानी और जनसरोकार के साथ कार्य करने के लिए सक्रिय रहना चाहिए। ऐसा होने पर विधानसभा एक आदर्श लोकतांत्रिक संस्थान के रूप में निरंतर सशक्त होती रहती है। राज्यपाल ने कहा कि आज राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, उद्योग, आधारभूत संरचना और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में अनेक चुनौतियां एवं अवसर भी मौजूद हैं। इन सभी क्षेत्रों में प्रगति सुनिश्चित करने में झारखंड विधानसभा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और निर्णायक है। आने वाले समय में विधानसभा और अधिक पारदर्शी, संवादपरक और जनता की आकांक्षाओं को पूर्ण करने में प्रभावी भूमिका निभाएगी।

उन्होंने सभी से झारखंड को राजनीतिक रूप से सशक्त, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सामाजिक रूप से समरस बनाने की दिशा में एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान भी किया। राज्यपाल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में झारखंड का निर्माण हुआ। उस समय जन आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर झारखंड राज्य के निर्माण का निर्णय लिया गया। मैं भी उस समय लोकसभा का सदस्य था। राज्य गठन के पक्ष में मतदान किया। आज भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। वैशाली को पहला गणतांत्रिक राज्य माना जाता है। विधानसभा लोकतंत्र का केंद्र बिंदू है। जनता और सरकार के बीच सशक्त सेतू की भूमिका निभाता है।

समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करें मुख्यमंत्री: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विशेष समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बदलाव कोई जादुई छड़ी नहीं है। राज्य की नीतियों और कानून को आमजनों तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। सेवा का अधिकार कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसमें कई बिंदु जोड़े गए हैं। समय सीमा के अंदर काम को पूरा करना होगा। समय सीमा के अंदर अगर पदाधिकारी काम नहीं करते हैं, तो दंड का भी प्रावधान है। इसका असर मील का पत्थर साबित होगा। म्यूटेशन, जमीन की मापी, चरित्र, जाति, मृत्यु और आय प्रमाण पत्र के लिए आज लोग धक्के खाते हैं। अब इसे समय सीमा के अंदर अंदर पूरा करना होगा। बदलाव कोई जादुई छड़ी नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड को सोने की चिड़िया कहा जाता है, लेकिन यह साकार रुप में तभी दिखेगा, जब सवा तीन करोड़ झारखंडवासियों के चेहरे पर मुस्कान दिखेगा। इसमें बड़ी भूमिका विधायिका की भी है। इसमें सभी का सकारात्मक भूमिका होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक, सामाजिक और बौद्धिक रूप से अगर मजबूत नहीं हैं, तो ये संघर्ष लंबा हो सकता है। गाड़ी में पेट्रोल नहीं भरेंगे, तो एक कदम भी आगे नहीं चल सकती है। उसी तरह से राज्य को आगे ले जाने में हम सभी का दायित्व बनता है। लोगों को आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक रूप से मजबूत करने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में आधी आबादी को मजबूत करने का संकल्प है।उत्कृष्ट विद्यालय खोला गया है। सेवा का अधिकार कार्यक्रम चलाया जा रहा है। कई सारे लोग ऐसे हैं, जो बहुत ही साकारात्मक काम करने वाले हैं। ऐसा नहीं है कि सब कुछ उलट चल रहा हो।

उन्होंने कहा कि धनबाद विधानसभा क्षेत्र से विधायक राज सिन्हा 21वां उत्कृष्ट विधायक चुने गए हैं। विशेश्वर खां को पहला उत्कृष्ट विधायक का सम्मान मिला था। चयन प्रक्रिया में पक्ष-विपक्ष के सम्मानित सदस्यों को ध्यान में रखकर उत्कृष्ट विधायक का चयन किया जाता है। कभी आसानी से चयन होता है, तो कभी चिंतन मंथन से चुना जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के निर्माण में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नेतृत्व में लंबा संघर्ष हुआ। आज आशीर्वाद देने के लिए कई ऐसे वीर हमलोगों के बीच नहीं है। पूर्वजों के अथक प्रयास से राज्य की परिकल्पना तो पूरी हुई, लेकिन मूल विषय में सबसे निचले पायदान में खड़े हैं। गरीबी, पिछड़ापन, शिक्षा सामाजिक न्याय से महरूम हैं। आज के दिन देश के किसी भी राज्य से झारखंड को आर्थिक रूप से मजबूत होने का दावा करें, तो सही नहीं होगा।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर जताई चिंता: विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि झारखंड जैसे राज्य का विकास तभी संभव है, जब यहां की स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक सुधार हो। नेता प्रतिपक्ष ने स्पष्ट कहा कि झारखंड का विकास तभी आगे बढ़ सकता है, जब लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हम तभी विकसित राज्य बन सकते हैं, जब स्वास्थ्य और शिक्षा के साथ-साथ कानून-व्यवस्था भी मजबूत हो। यह हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कानून-व्यवस्था ठीक नहीं रही, तो लोग भय के साए में जीएंगे और कोई भी व्यापारी राज्य में पूंजी निवेश करने से हिचकिचाएगा। झारखंड स्थापना दिवस के ही दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के उस बयान का जिक्र करते हुए, जिसमें उन्होंने वर्ष 2050 तक विकसित झारखंड का लक्ष्य रखा है, नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह लक्ष्य तभी हासिल होगा, जब राज्य में कानून-व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त किया जाए। इसके लिए सरकार को जीरो टॉलरेंस नीति अपनानी होगी और किसी भी प्रकार का भेदभाव या पक्षपात बिल्कुल नहीं होना चाहिए।

पारस हॉस्पिटल ने नवजात शिशु की बचाई जान

एजेंसी। रांची

गंभीर रूप से बीमार अवस्था में इलाजरत एक नवजात शिशु को बचाने में पारस हॉस्पिटल एचईसी के डॉक्टरों की टीम ने सफलता हासिल की है। बताया गया कि नवजात शिशु में बहुत कम कैल्शियम था। इसके कारण उसकी स्थिति गंभीर हो गई थी। इसी अवस्था में उसे अस्पताल लाया गया था। बच्चे को सामान्य इलाज से सुधार नहीं हो पा रहा था। बार-बार बेहोशी हालत में शॉक आने लगा। ऐसे में उसे वेंटिलेटर और जीवनरक्षक दवाओं की जरूरत पड़ी। पारस हॉस्पिटल एचईसी के नियोनेटोलॉजिस्ट डॉ निशांत पाठक और उनकी टीम ने तत्काल सटीक निर्णय लेते हुए बच्चे का सही इलाज शुरू किया और उसे बचा लिया। डॉ निशांत पाठक ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि अगर किसी नवजात में बार-बार या लगातार कैल्शियम की कमी हो और सामान्य इलाज के बाद भी सुधार नहीं हो, तो डॉक्टरों को इस खास बीमारी की जांच जरूर करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि बच्चे में कैल्शियम की कमी सामान्य कारणों से नहीं, बल्कि एक दुर्लभ बीमारी स्यूडोहाइपोपैराथायरायडिज्म के कारण हो रही थी।

गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी गुरुपर्व पर 23 को निकाला जाएगा नगर कीर्तन

एजेंसी। रांची

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350 साल शहीदी गुरुपर्व के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा की ओर से रविवार को कृष्णा नगर कॉलोनी गुरुद्वारा साहिब से तडके सुबह भव्य नगर किर्तन निकाला जाएगा। इस नगर किर्तन में स्त्री सत्संग सभा, गुरु नानक सत्संग सभा, कीर्तन मंडली, गुरु नानक सेवक जत्था और माता गुजरी जत्था के सदस्यों की ओर से साध संगत के साथ मिलकर गुरु महाराज की सवारी के आगे आगे शबद गायन होगा। इस अवसर पर पांच निशानची और पांच प्यारे नगर कीर्तन की अगुवाई करेंगे। यह नगर कीर्तन गुरुद्वारा साहिब के दर्शन दिउड़ी गेट से शुरू होकर अर्जुन देव मिड्ढा, ललित किंगर, मनोहर लाल मिढा, श्याम गाबा, भूषण तेहरी, मनीष सरदाना, दीवान चंद मिड्ढा, अमरजीत मुंजाल, द्वारका दास मुंजाल, हरविंदर सिंह बेदी, नरेश पपनेजा, रमेश पपनेजा के चौक से होते हुए भगवान सिंह बेदी एवं अशोक मिड्ढा के आवास से होते हुए राधा कृष्ण मंदिर के सामने से होते हुए वापस दर्शन दिउड़ी गेट पहुंचकर समाप्त होगा। वहीं सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि नगर कीर्तन को लेकर चार पहिया वाहन को फूलों से सजाया जा रहा है और सभी चौक चौराहों पर भव्य स्वागत की तैयारी चल रही है। सत्संग सभा के सचिन सुरेश मिढा ने सभी श्रद्धालुओं से सुबह में कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर नगर कीर्तन में शामिल होने की अपील की है।

रांची के एसआर डीएवी स्कूल में आयोजित शिक्षण क्षमता संवर्धन कार्यशाला का समापन

एजेंसी। रांची

झारखंड की राजधानी रांची के पुंदाग स्थित एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल में करियर काउंसलिंग विषय पर आयोजित दो दिवसीय शिक्षण क्षमता संवर्धन कार्यशाला शनिवार को संपन्न हो गई। इसे सीबीएसई सीओई पटना के तहत आयोजित किया गया। कार्यशाला में सीबीएसई के संसाधक आलोक कुमार पाठक और लिपिका पात्रा ने क्रियाकलाप आधारित प्रस्तुति दी, जिसमें लगभग 60 शिक्षकों ने भाग लिया। दो दिन (21-22 नवंबर) में पांच-पांच घंटे तक करियर काउंसलिंग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई और प्रश्नोत्तरी, केस स्टडी, परियोजना, अभिनय जैसी गतिविधियों के माध्यम से विषय को समझने में मदद मिली। स्कूल के प्राचार्य डॉ. तापस घोष ने दोनों संसाधकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि करियर काउंसलिंग विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षकों का यह कर्तव्य है कि वे विद्यार्थियों को उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार रोजगार के अवसरों की जानकारी दें। ऐसे कार्यशालाएं शिक्षकों के लिए नियमित रूप से आयोजित की जानी चाहिए।

होटल में कोरल तस्करी का भंडाफोड़

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

शहर में वन विभाग ने शनिवार सुबह एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए साकची क्षेत्र के होटल विराट में चल रहे कोरल तस्करी के अवैध धंधे का खुलासा किया। डीएफओ सबा आलम अंसारी की गुप्त सूचना पर की गई इस कार्रवाई में टीम ने मौके से चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक आरोपित पश्चिमी सिंहभूम का रहने वाला है, जबकि बाकी तीन तस्कर रांची के बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, वन विभाग की टीम ने होटल विराट पर अचानक दबिश दी और कमरे की तलाशी के दौरान समुद्री जीव कोरल बरामद किया। इस दौरान हरी चरण गोप और प्रमोद कैबर्ता सहित चारों तस्करों को रंगे हाथ पकड़ा गया। अन्य दो तस्करों की पहचान फिलहाल गोपनीय रखी गई है। गिरफ्तार सभी आरोपितों को वन विभाग के कार्यालय ले जाया गया है, जहां उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच यह संकेत दे रही है कि कोरल की अवैध खरीद-फरोख्त के पीछे कोई बड़ा नेटवर्क सक्रिय हो सकता है। अधिकारियों का कहना है कि तस्करी के इस कारोबार की कड़ियां कहां जुड़ती हैं और कोरल की आपूर्ति कहां की जा रही थी। इस दिशा में जांच तेज कर दी गई है।

लिटिल विंग्स स्कूल में लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

रांची। रांची जिला क्रिकेट संघ की ओर से आयोजित लिटिल विंग्स स्कूल बी डिवीजन लीग क्रिकेट प्रतियोगिता (2025-26) का शुभारंभ शनिवार को ओटीसी मैदान, रातू रोड में किया गया। उद्घाटन अवसर पर लिटिल विंग्स स्कूल के निदेशक रमेंद्र कुमार, रांची जिला क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष विभूति भूषण अमर, सचिव शैलेंद्र कुमार तथा डॉ. अरुण उरांव (पूर्व आईपीएस) ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता की शुरुआत की। रांची जिला क्रिकेट संघ के सचिव शैलेंद्र कुमार ने बताया कि उद्घाटन मुकाबला विधानसभा क्रिकेट अकादमी और जस्टिस क्रिकेट अकादमी (येलो) के बीच खेला गया, जिसमें विधानसभा क्रिकेट अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। उद्घाटन समारोह में जिला क्रिकेट संघ के कार्यकारिणी सदस्य चंचल भट्टाचार्य, मुज्जफर अली, मुन्ना, सहायक सचिव सुनील पाल, शंभू सिन्हा, प्रमोद सिंह, नागेन्द्र मिश्रा, पंकज तिर्की, कमल सहदेव, बंशीधर सारंगी, अर्क राज सिन्हा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए शुरू होगी विशेष ओपीडी सेवा : मंत्री

रांची। राज्य में पहली बार ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए विशेष ओपीडी सेवा शुरू की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से बकायदा सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के प्राचार्यों और अस्पताल प्रबंधकों को ओपीडी सहित सेवा शुरू करने का आदेश स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए दिया है। विज्ञप्ति में मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल और स्वास्थ्य संस्थानों में ट्रांसजेंडर्स के लिए विशेष ओपीडी सेवाएं शुरू की जाएंगी, जहां उन्हें बिना किसी भेदभाव के जांच, परामर्श और इलाज मिल सकेगा। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग सम्मान स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था लागू की जा रही है। इसके तहत ट्रांसजेंडर्स के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। मंत्री ने कहा कि सभी अस्पतालों के डॉक्टर, नर्स और स्टाफ को ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के प्रति संवेदनशीलता और पेशेवर व्यवहार के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। ताकि उनकी गरिमा और अधिकार सुरक्षित रहे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

दिल्ली में देर रात 15 साल लड़के को चाकू से गोदकर मार डाला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कम उम्र के बच्चों के बीच आपराधिक प्रवृत्ति की एक और चिंताजनक मामला सामने आया है। राजधानी के कर्दमपुरी इलाके में नाबालिग लड़कों के बीच हुए एक झगड़े में 15 साल के किशोर की दर्दनाक मौत हो गई। शुक्रवार देर रात अंबेडकर कॉलेज के पीछे वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस को घटना में दो लोगों के शामिल होने के सुराग मिले हैं जिनमें से एक नाबालिग बताया गया है।

एनसीआर में सस्ते घर खरीदने को जाएं तैयार, इन जगहों पर मिलेंगे 5000 फ्लैट

गुरुग्राम, एजेंसी। एनसीआर में अपने घर का सपना देख रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। हरियाणा सरकार की किफायती आवास योजना के तहत आने वाले कुछ दिनों में गुरुग्राम, सोहना और रेवाड़ी में करीब पांच हजार सस्ते फ्लैट की बिक्री के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग की वेबसाइट के माध्यम से फार्म को ऑनलाइन भरना होगा। फार्म की जांच के बाद ड्रॉ निकालकर इन फ्लैट का आवंटन किया जाएगा।

छह बिल्डर कंपनियों ने किफायती आवास योजना के तहत रिहायशी सोसाइटियां विकसित करने के लिए लाइसेंस लिया है। गुरुग्राम के सेक्टर-99ए के लिए साल 2023 और सेक्टर-93 के लिए साल 2020 में लाइसेंस जारी हुए थे। सेक्टर-93 में रिहायशी सोसाइटी विकसित कर रही कंपनी का यह तीसरा ड्रॉ है। इसके अलावा इस नीति के तहत सोहना के सेक्टर-25, फर्रुखनगर के सेक्टर-तीन में एक-एक रिहायशी सोसाइटी के अलावा रेवाड़ी में दो रिहायशी सोसाइटी विकसित करने के लिए नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने बिल्डरों को लाइसेंस जारी किए हैं। बता दें कि इस नीति के तहत चार साल के अंदर फ्लैट बनाने के लिए बिल्डर को समय दिया गया है। पेमेंट को परियोजना के निर्माण के साथ लिंक किया है। सोहना के सेक्टर-36 स्थित 4एस एस्टर एवेन्यू फ्लैट ड्रॉ में अनियमितता उजागर होने पर नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने ड्रॉ रद्द कर नए सिरे से आवंटन कराया। पोर्टल अपडेट कर आधार से स्वतः पता और आवेदक के नाम पर पूर्व फ्लैट की जानकारी अनिवार्य की गई। इंटरनेट पर संबंधित वेबसाइट को खोलना होगा। इसके खुलने के बाद आपके दाईं तरफ पर ई-गवर्नेंस का एक सेक्शन होगा। इसमें आठवें नंबर पर किफायती आवास योजना के नाम से एक लिंक है।

भाजपा का दावा, चेन्नई कॉर्पोरेशन के टेंडर एक्सटेंशन में 4,000 करोड़ रुपए का 'स्कैम'

चेन्नई , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता के. अन्नामलाई ने ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन पर 4,000 करोड़ रुपए के बड़े कचरा कलेक्शन कॉन्ट्रैक्ट की डेडलाइन को गैर-कानूनी तरीके से बढ़ाने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया है कि यह कदम एक खास कंपनी को फायदा पहुंचाने और बड़े पैमाने पर करप्शन को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है। उन्होंने मांग की कि टेंडर तुरंत कैंसिल किया जाए और इस फैसले की पूरी जांच शुरू की जाए। कॉर्पोरेशन ने जुलाई में टोंडियारपेट और अन्ना नगर जोन में डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन सर्विस के लिए बोली लगाई थी। 10 साल के इस कॉन्ट्रैक्ट की कीमत लगभग 4,000 करोड़ रुपए है। अन्नामलाई के अनुसार, गुरुवार को दोपहर 3 बजे आखिरी डेडलाइन तय होने से पहले ही टेंडर को चार बार टाला जा चुका था। उस समय तक, तीन फर्मों ने अपनी बिड जमा कर दी थीं। अन्नामलाई ने आरोप लगाया कि खरीद नियमों का उल्लंघन करते हुए, कॉर्पोरेशन ने ऑफिशियल विंडो बंद होने के बाद 21 नवंबर को नया कट-ऑफ घोषित करते हुए डेडलाइन को एक और दिन बढ़ा दिया। आखिरी मिनट में हुए इस बदलाव के बाद एक और कंपनी टेंडर प्रक्रिया में शामिल हो गई।

पूर्व पीएम के बेटे को हाई कोर्ट से बड़ी राहत

यौन उत्पीड़न मामले में आईपीसी 354 के तहत आरोप हटाया

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक हाई कोर्ट ने जनता दल (सेक्युलर) नेता एवं होले नरसीपुरा के विधायक और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के बेटे एच डी रेवन्ना के खिलाफ उनकी पूर्व घरेलू सहायिकता द्वारा दायर महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने (आईपीसी की धारा 354) के आरोप को खारिज कर दिया है। अदालत ने हालांकि आईपीसी की धारा 354ए के तहत यौन उत्पीड़न के आरोप को बरकरार रखा है और निचली अदालत को यह पड़ताल करने का निर्देश दिया है कि क्या शिकायत दर्ज करने में देरी को दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 468 के तहत माफ किया जा सकता है।

रेवन्ना जेल में बंद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के पिता हैं। वह केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के बड़े भाई हैं। जस्टिस एम.आई. अरुण ने कहा कि शिकायत की विषय-वस्तु अधिक गंभीर धारा 354 के बजाय, धारा 354ए के तहत यौन उत्पीड़न के अपराध के अनुरूप थी। रेवन्ना ने प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध करते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिसमें दलील दी गई थी कि शिकायत तीन साल की सीमा अवधि के बाद दायर की गई थी, जो तीन साल तक के कारावास से दंडनीय अपराधों के लिए लागू होती है। अभियोजन पक्ष ने कहा कि कि याचिका स्वयं ही निरर्थक हो गई है, क्योंकि पुलिस पहले ही आरोप पत्र प्रस्तुत कर चुकी है तथा निचली अदालत ने संज्ञान ले लिया है। रेवन्ना के लिए न्यायाधीश ने कहा कि आरोप शिकायतकर्ता के प्रारंभिक बयान के आधार पर ही तय किए जाने चाहिए, जो केवल धारा 354ए के आरोप का समर्थन करता है। धारा 354ए के तहत अपराध के लिए अधिकतम तीन साल की सजा का प्रावधान है, इसलिए न्यायाधीश ने माना कि शिकायत प्रथमदृष्टया सीआरपीसी की धारा 468 के तहत

समय-सीमा के कारण वर्जित है। इसलिए मामले को निचली अदालत को वापस भेज दिया गया है। हालांकि धारा 354 के तहत अधिकतम सजा पांच साल की है और गैर जमानती है। निचली अदालत अब यह तय करेगी कि शिकायत दर्ज करने में हुई देरी को माफ किया जाना चाहिए या नहीं और फिर यौन उत्पीड़न के आरोप पर तदनुसार आगे कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में शिक्षकों को मिला नया काम, आवारा कुत्तों की देंगे जानकारी

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में आवारा कुत्तों के प्रबंधन और जानकारी स्थानीय निकाय को देने के लिए अब शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। संचालक लोक शिक्षण संचालनालय ने इस संबंध में सभी संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारी को आदेश जारी किया है। आवारा कुत्तों की सूचना देने के लिए स्कूलों में नोडल अधिकारी नियुक्त होंगे। स्कूल के प्राचार्य या संस्था प्रमुख नोडल अधिकारी होंगे, जो स्कूल के आसपास आवारा कुत्तों की सूचना देंगे। नजदीक के डॉग कैचर को नोडल अधिकारी सूचना देंगे। लोक शिक्षण संचालनालाय ने सभी डीईओ को इस आशय का पत्र भेज दिया है शिक्षकों के संघों ने इस आदेश का विरोध करते हुए इसे मनमाना बताया है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद यह पत्र जारी हुआ है। इस मामले में शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि पिछले कुछ दिनों पहले बलौदाबाजार जिले के एक स्कूल में मध्यान भोजन को कुत्ते ने जूठा कर दिया। उच्च न्यायालय के द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग को हर्जाना लगाया गया, जिसमें सभी बच्चों को हर्जाना राशि दिया जाए। इसके तहत 22 लाख रुपए की राशि राज्य सरकार ने दिया।

अगर हिंदू नहीं रहेगा तो दुनिया नहीं रहेगी: मोहन भागवत

इंफाल, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत हिंदू धर्म को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हमने समाज का एक बेसिक नेटवर्क बनाया है, उसके चलते हिंदू समाज रहेगा। अगर हिंदू नहीं रहेगा तो दुनिया नहीं रहेगी। मणिपुर के दौरे पर गए भागवत ने शुक्रवार को कहा, 'परिस्थिति का विचार सबको करना पड़ता है। परिस्थिति आती है और जाती है। दुनिया में सब देशों पर तरह-तरह की परिस्थिति आई और गई। कुछ देश उसमें समाप्त हो गए। देखिए कि यूनान, मिस्र और रोम सब मिट गए। कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी।'

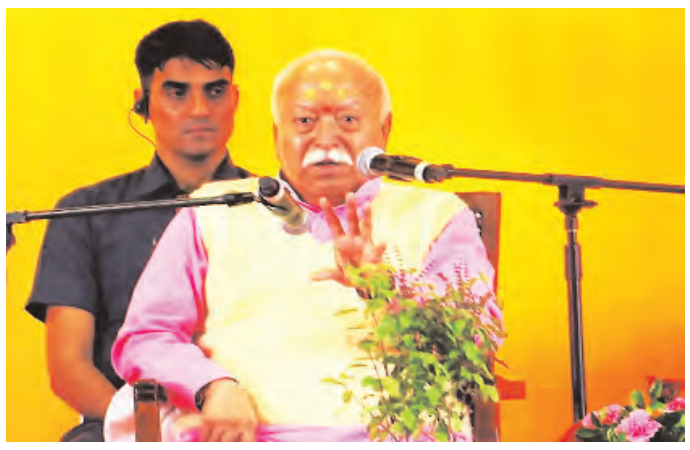

मोहन भागत ने कहा, 'भारत एक अमर समाज, अमर सिविलाइजेशन का नाम है। बाकी सब आए, चमके और चले भी गए। इन सबका उदय और अस्त होते हमने देखा है। हम अभी भी हैं और रहेंगे क्योंकि हमने अपने समाज का बेसिक नेटवर्क बनाया है। उसके चलते हिंदू समाज रहेगा। अगर हिंदू नहीं रहेगा तो दुनिया नहीं रहेगी। धर्म का सही अर्थ और मार्गदर्शन दुनिया को समय-समय पर हिंदू समाज ही देता है।' उन्होंने कहा कि यह हमारा ईश्वर प्रदत्त कर्तव्य है।

ब्रिटिश साम्राज्य का दिया उदाहरण: आरएसएस चीफ ने कहा, 'ब्रिटिश साम्राज्य का सूर्य अस्त नहीं होता था। लेकिन भारत में उनके सूर्यास्त की शुरुआत हुई। इसके लिए हमने 90 साल प्रयास किए। 1857 से लेकर 1947 तक। इतने लंबे समय तक स्वतंत्रता के लिए हम सब लड़ते रहे। वह आवाज कभी हमने दबने नहीं दी। कभी कम हो गई, कभी बढ़ गई, लेकिन दबने कभी नहीं दी। भागवत ने कहा कि हर समस्या का अंत संभव है। इसके लिए उन्होंने नक्सलवाद का उदाहरण देते हुए कहा कि जब समाज ने तय किया कि अब यह बर्दाश्त नहीं होगा, तब यह खत्म भी हो गया।

सामाजिक एकता की अपील: मोहन भागवत ने इंफाल में जनजातीय नेताओं के साथ शुक्रवार को बैठक की। इस दौरान उन्होंने सामाजिक एकता का आह्वान किया और दोहराया कि उनका संगठन समाज को मजबूत करने के लिए पूरी तरह से समर्पित है। भागवत ने कहा, 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ किसी के खिलाफ नहीं है। इसका गठन समाज को नष्ट करने के लिए नहीं, बल्कि समाज को समृद्ध करने के लिए किया गया है।' उन्होंने कहा कि संघ न तो राजनीति करता है और न ही किसी संगठन को रिमोट कंट्रोल से चलाता है। यह केवल मित्रता, स्नेह और सामाजिक सद्भाव के माध्यम से काम करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता के प्रति समर्पण के साथ समाज की बेहतरी के लिए काम करने वाला कोई भी व्यक्ति पहले से ही अघोषित स्वयंसेवक है।

हिमाचल में स्टूडेंट्स के लिए बड़ी खुशखबरी, सिर्फ 1 फीसदी ब्याज पर 20 लाख तक ऋण

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश सरकार ने छात्रों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए डॉ. यशवंत सिंह परमार विद्यार्थी ऋण योजना शुरू कर दी है। यह एक विशेष ब्याज सब्सिडी शिक्षा ऋण योजना है। इसके तहत प्रदेश के युवा अब मात्र एक प्रतिशत ब्याज दर पर उच्च, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के लिए ऋण प्राप्त कर सकेंगे। सरकार का उद्देश्य है कि आर्थिक तंगी के कारण कोई भी छात्र अपनी पढ़ाई से वंचित न रहे और बिना वित्तीय बोझ के अपने सपनों को आगे बढ़ा सके।

उच्च शिक्षा विभाग के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि यह योजना हिमाचल प्रदेश में स्थित किसी भी अधिसूचित बैंक से शिक्षा ऋण लेने वाले पात्र छात्रों पर लागू होगी। योजना के तहत इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट, फार्मेसी, पैरामेडिकल, नर्सिंग, लॉ जैसे व्यावसायिक तथा तकनीकी डिग्री और डिप्लोमा कोर्स शामिल हैं। इसके साथ ही आईटीआई, पॉलिटेक्निक, पोस्ट-ग्रेजुएशन और पीएचडी के लिए भी लोन उपलब्ध होगा, बशर्ते संस्थान एआईसीटीई, एनएमसी, यूजीसी, बीसीआई, एआइएमए, पीसीआई, आईएनसी आदि मान्यता प्राप्त नियामक संस्थाओं से मान्य हो। उन्होंने कहा कि यह योजना भारत और विदेश में पढ़ाई करने वाले छात्रों दोनों पर लागू होगी। यह उन विद्यार्थियों के लिए भी उपलब्ध है जो नए प्रवेश ले रहे हैं या पहले से पढ़ाई कर रहे हैं। योजना के तहत छात्र 20 लाख रुपये तक का शिक्षा ऋण ले सकते हैं, जिसमें ट्यूशन फीस, छात्रावास शुल्क, भोजन, किताबें, लैब उपकरण और अन्य शैक्षणिक खर्च शामिल होंगे।

प्रवक्ता के अनुसार इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक के परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। वहीं ऋण लेने की अधिकतम आयु सीमा प्रवेश या पंजीकरण की तारीख तक 28 वर्ष रखी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस योजना के संचालन के लिए शिमला मॉल रोड स्थित यूको बैंक को नोडल बैंक नियुक्त किया है। योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी और आवेदन प्रक्रिया उच्च शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट उन्होंने कहा कि यह सब्सिडी वाला शिक्षा ऋण हजारों युवाओं को अपनी पढ़ाई आगे बढ़ाने और बेहतर करियर बनाने में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करेगा।

बम से क्यों खेलने लगे एमबीबीएस-एमडी किए लड़के, मोदी करें विचार: राशिद अल्वी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में लाल किले के पास हुए बम धमाके में कुछ डॉक्टरों की संलिप्तता की जानकारी सामने आने के बाद कई तरह के सवाल खड़े किए जा रहे हैं। अल फलाह यूनिवर्सिटी की मान्यता तक रद्द कर दी गई है। इस सबके बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने उन डॉक्टरों का बचाव किया है। उन्होंने इसके उलट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किए हैं।

राशिद अल्वी ने कहा, 'वो पढ़ा-लिखा नौजवान जिसने एमबीबीएस और एमडी किया है, वे आतंक का रास्ता क्यों अपना रहा है? वह आराम से अपनी कोठी में रह सकता है। आराम से अपने परिवार के साथ पूरी जिंदगी बिता सकता है।' राशिद अल्वी ने सवाल पूछा कि, किन हालातों ने उन्होंने मजबूर कर दिया कि वे बमों से खेलने लगे? मोदी साहब यह जिम्मेदारी आपकी है कि आप इन बातों पर विचार करें।' आपको यह भी बता दें कि दिल्ली में लाल किले के पास हाल ही में हुए कार विस्फोट और इसके अलावा 'सफेदपोश' आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किए जाने के संबंध में कई एजेंसियां जांच कर रही हैं। वहीं फरीदाबाद पुलिस ने अल फलाह विश्वविद्यालय की गतिविधियों की जांच के लिए अलग विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है।

कांग्रेस ने 'वोट चोर गद्दी छोड़' महा रैली का किया ऐलान, केसी वेणुगोपाल ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ बड़े स्तर पर प्रदर्शन करने की घोषणा की है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि 14 दिसंबर को दोपहर 1:30 बजे से दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट चोर गद्दी छोड़ महा रैली' आयोजित की जाएगी। इस रैली का उद्देश्य चुनाव व्यवस्था में कथित धांधलियों और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हो रहे हमलों के खिलाफ देशभर में संदेश देना है। केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर चुनाव परिणामों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों

को ठेस पहुंच रही है। वेणुगोपाल ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'वोट चोरी का साया आज हमारी डेमोक्रेसी पर मंडरा रहा सबसे बड़ा खतरा है। हमारे संविधान को खत्म करने की इन कोशिशों के खिलाफ पूरे देश में मैसेज देने के लिए, कांग्रेस 14 दिसंबर (दोपहर 1.30 बजे से) नई दिल्ली के रामलीला मैदान में वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली करेगी।'

उन्होंने आगे कहा, 'हमें भारत के कोने-कोने से करोड़ों सिग्नेचर मिले हैं, जो भाजपा-भारतीय चुनाव आयोग के गलत तरीकों जैसे बोगस वोटर्स को जोड़ने, विरोधी वोटर्स को हटाने और बड़े पैमाने पर वोटर रोल में हेराफेरी करने को गलत ठहराते हैं। इतना ही नहीं, हर भारतीय ने देखा है कि चुनाव आयोग कैसे नियमों को तोड़ता है, एमसीसी के उल्लंघन को नजरअंदाज करता है और भाजपा को चुनावों में धांधली करने में मदद करने के लिए दिनदहाड़े रिश्वत देता है। चुनाव आयोग जो कभी एक न्यूट्रल अंपायर था, अब एक खुलेआम पार्टी का खिलाड़ी बन गया है, जो चुनावों में बराबरी के मौके के कॉन्सेप्ट को पूरी तरह से खत्म कर रहा है।' वेणुगोपाल ने आगे लिखा, 'जब चुनाव सिस्टम पर यह हमला हमारी आंखों के सामने हो रहा है, तो हम चुप नहीं रहेंगे। यह महारैली वोट चोरों के चंगुल से भारतीय लोकतंत्र को वापस पाने की हमारी लड़ाई की बस शुरुआत है।

बिहार जीतकर भी भाजपा के सामने पूरब में एक बड़ी चुनौती, पीएम कर चुके इशारा

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। 243 सदस्यों वाली विधानसभा में पार्टी ने 89 सीटें जीती हैं, जबकि सहयोगी जेडीयू ने 85 सीटें जीती हैं। अन्य तीन सहयोगियों ने कुल 28 सीटें जीती हैं। राज्य में फिर से एनडीए सरकार बनने से भाजपा गदगद है लेकिन उसे पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल की चिंता सता रही है, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। बिहार में प्रचंड जीत के बाद अब पश्चिम बंगाल पर भाजपा की पैनी नजर है। भाजपा की चाहत है कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के इस राज्य में अपने दम पर सरकार बनाए और वहां भगवा झंडा लहराए, ताकि पूरब से पश्चिम तक उसका डंका और तेज बज सके।

2021 में हुए बंगाल विधानसभा चुनावों में हिन्दुत्व की धार पर भाजपा सत्ता में आने के सपने देख रही थी लेकिन वह मुख्य विपक्षी पार्टी ही बन पाई। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने पांच साल पहले हुए उस चुनाव को

बंगाली अस्मिता का चुनाव बना दिया था और भाजपा को बाहरी करार देकर चुनावों में न सिर्फ जीत हासिल की थी बल्कि सत्ता में वापसी की हैट्रिक भी लगाई थी।

क्क्रूमोदी ने क्या कहा?: पार्टी उस हार को भुला नहीं पाई है। अगले साल होने वाले चुनाव को एक बदलाव की बयार के रूप में देख रही है और हर हाल में जीत के मंसूबे पाल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बिहार जीत के बाद भाजपा के ऐसे इरादों को साफ कर दिया है। 14 नवंबर को बिहार में हुई प्रचंड जीत के बाद अपने संबोधन में उन्होंने बंगाल का जिक्र किया था। पीएम ने कहा था, 'बिहार में जीत ने बंगाल में भाजपा की जीत का रास्ता बना दिया है। मैं पश्चिम बंगाल के लोगों को भरोसा दिलाना चाहता हूँ कि आपके समर्थन से भाजपा वहां भी जंगल राज खत्म कर देगी। '

जी-जान से जुटी बंगाल भाजपा: लिहाजा, भाजपा बंगाल फतह करने की तैयारियों में जी जान से जुटी हुई है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भाजपा बंगाल में जीत के लिए 10 मुद्दों पर फोकस कर रही है और उन्हें अपनी कैम्पेन थीम में शामिल किया है। इन 10 मुद्दों में राज्य की खराब कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार, अवैध घुसपैठिए, राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक व्यवस्था का उल्लंघन भी शामिल है। इसके अलावा बंगाली अस्मिता और बाहरी व स्थानीय का मुद्दा भी शामिल है। भाजपा ने स्थानीय नेताओं को इन मुद्दों के बारे में बता दिया है।

हर हफ्ते मीटिंग कर रहे भूपेंद्र यादव: सूत्रों के मुताबिक, भाजपा के पश्चिम बंगाल चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव हर हफ्ते चुनावी तैयारियों पर नजर रखने के लिए कोलकाता में नेताओं के एक कोर ग्रुप के साथ मीटिंग करते हैं। उन्होंने राज्य भर के 80,000 बूथों पर पार्टी वर्कर्स को संगठन मजबूत करने की ज़िम्मेदारी दी है। पार्टी के एक सूत्र ने बताया है कि इस वक्त भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती 'बाहरी' टैग से छुटकारा पाना है, जिसे ममता बनर्जी ने 2021 के चुनाव में भाजपा के खिलाफ इस्तेमाल किया था और कामयाबी हासिल की थी।

बाहरी और बंगाली अस्मिता के मुद्दे पर आर-पार

ममता बनर्जी ने 2021 के चुनाव को बाहरी बनाम बंगाल की बेटी (टीएमसी का चुनावी नारा था बांग्ला निजेर मेये के चाहिए, यानी बंगाल अपनी बेटी चाहता है) के बीच मुकाबला बना दिया था। जख्मी ममता पैर में प्लास्टर चढ़ाए हुए चुनावी मंचों से बंगाली अस्मिता और बंगाल की बेटियों को ललकारती नजर आती थीं। पार्टी के एक नेता ने एक्सप्रेस को बताया, 'पिछली बार, हमने कई गलतियां कीं। भाजपा के बाहरी लोगों की पार्टी होने के टीएमसी के कैंपेन का मुकाबला करने के लिए कोई ज़ोरदार कोशिश न करना एक बड़ी गलती थी।' लेकिन अब समिक भट्टाचार्य की लीडरशिप में पार्टी की प्रदेश इकाई श्यामा प्रसाद मुखर्जी की विरासत को लेकर आगे बढ़ने जा रही है और लोगों से कनेक्ट करने की रणनीति पर काम कर रही है। पार्टी जनसंघ से होते हुआ भाजपा तक की विचारधारा को बंगाली संस्कृति से जोड़ने की कोशिशों में जुट गई है। यानी बाहरी और बंगाली अस्मिता, दोनों मुद्दों पर पार्टी आर-पार को तैयार है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

राहत नहीं, सख्ती चाहिए...

विभिन्न परियोजनाओं को पर्यावरणीय मंजूरी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही फैसले को पलट कर भले केंद्र और राज्य सरकारों को राहत दे दी हो, लेकिन इससे पर्यावरण को राहत नहीं मिलने वाली। क्लाइमेट चेंज के खतरों को देखते हुए अब कठोर निर्णयों की जरूरत है। शीर्ष अदालत के पास भविष्य के लिए नजीर पेश करने का मौका था। सुप्रीम कोर्ट का पहला आदेश 16 मई को आया था। इसके मुताबिक, लगभग 20 हजार करोड़ रुपये के उन प्रॉजेक्ट्स को ध्वस्त करने का आदेश दिया गया था, जिन्हें बनाने से पहले नियमों के मुताबिक पर्यावरणीय मंजूरी नहीं ली गई थी। इन्हें बाद में जुर्माना वसूलने के बाद क्लियरेंस मिली। अब नए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर मई का आदेश वापस नहीं लिया जाता तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। तीन जजों की बेंच में शामिल चीफ जस्टिस बीआर गवई का सवाल बिल्कुल वाजिब है कि क्या ऐसी सभी परियोजनाओं को ध्वस्त कर देना और सरकारी खजाने से खर्च किए गए धन को कूड़ेदान में जाने देना जनहित में होगा? लेकिन, यह सवाल भी उठता है कि सार्वजनिक हित के नाम पर सार्वजनिक हित को नुकसान पहुंचाने वाले कामों में कब तक ढील दी जाएगी। इन परियोजनाओं को गिराने से एक बार नुकसान होता। लेकिन इनकी वजह से पर्यावरण को जो क्षति पहुंची, उसका असर शायद कभी कम न किया जा सके। विकास परियोजनाओं के नाम पर प्रकृति से होने वाली छेड़छाड़ का दुष्परिणाम आर्थिक नुकसान से ज्यादा गंभीर है। देश के हिमालयी राज्य इसका उदाहरण है, जहां इस साल आपदाओं की बारिश हुई या फिर राजधानी दिल्ली और दूसरे महानगर जिनमें सांस लेना लगातार दूभर होता जा रहा है। इसके बाद भी सरकारें और जिम्मेदार संस्थाएं सबक नहीं ले रहीं। ग्रेट निकोबार आईलैंड प्रॉजेक्ट जैसी योजनाएं पर्यावरणविदों को गंभीर चिंता में डालने वाली है। आदर्श रूप से 33त्न भूभाग पर वन या हरियाली होनी चाहिए, लेकिन है लगभग 25त्न। ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के मुताबिक, 2001 से लेकर अभी तक भारत में 20 लाख हेक्टेयर से ज्यादा हरा-भरा क्षेत्र खत्म हो चुका है, हालांकि इस दौरान पौधारोपण भी खूब हुआ। सुप्रीम कोर्ट के फैसले वाले दिन ही क्लाइमेट चेंज परफॉर्मेंस इंडेक्स भी जारी हुआ और इसमें भारत 13 स्थान फिसलकर 23वें पर पहुंच गया है। इसका सीधा मतलब है कि देश की पर्यावरणीय नीति असर नहीं दिखा रही। ऐसे वक्त में राहत कानून तोड़ने वालों को नहीं, पर्यावरण को चाहिए।

अधिकांश अखबार री-साइकिल किए गए कागज पर छापे जाते हैं, जिसे बनाने की प्रक्रिया पहले ही अस्वच्छ होती है। फिर प्रिंटिंग प्रेस से होते हुए विक्रेता तक पहुंचने में अखबार कई सतहों, हाथों और धूल-मिट्टी के संपर्क में आते हैं। ऐसे में, जब इनमें भोजन परोसा जाता है, तो बैक्टीरिया खाने में चले जाते हैं, जिससे खाद्य विषाक्तता, गंभीर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण और डायरिया जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका प्रभाव बहुत अधिक होता है। सबसे बड़ी बात यह कि स्याही से उपजे जहरीले तत्व आपको न स्वाद में, न गंध में महसूस होते हैं, और न ही इस बारे में व्यापक जागरूकता है। इसका बुरा असर धीरे-धीरे सामने आता है। इसकी शुरुआत पेट की समस्याओं से होती है।

अखबारी कागज पर खाना खाकर बीमारी बुलाते लोग

(पंकज चतुर्वेदी)

हाल ही में मध्य प्रदेश के एक सरकारी स्कूल के बच्चों को मिड-डे मील कागज पर परोसने को लेकर काफी विवाद हुआ। भारत में 'स्ट्रीट फूड' संस्कृति हमारी जीवन-शैली का एक अभिन्न अंग है। गरमागरम समोसे, कुरकुरे पकौड़े, चटपटी चाट हो या नमकीन- इन व्यंजनों का आकर्षण किसी से छिपा नहीं है। लेकिन एक आदत है, जो इस आकर्षण पर एक गहरे काले धब्बे के समान है = अखबार या मुद्रित कागज में पकवानों को लपेटना या परोसना। यह पुराना, सहज व सस्ता चलन, जिसे हम सामान्य बात मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, वास्तव में हमारे स्वास्थ्य के लिए गंभीर और अनसुना संकट है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण, यानी एफएसएसएआई ने बार-बार इस चलन के खिलाफ कठोर चेतावनी जारी की है। यहां तक कि खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग) विनियम- 2018 के तहत इसे प्रतिबंधित किया गया है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका पालन आज भी एक बड़ी चुनौती है। आजकल के अखबार केवल काली स्याही से नहीं छपते, इसे रंगीन बनाते हैं बहुत से जहरीले रसायन। हालांकि, ये रसायन शब्दों और छवियों को कागज पर चिपकाने में मदद करते हैं। खनिज तेल लगभग सभी मुद्रण स्याही में पाए जाते हैं, विशेष रूप से इनमें मिनरल ऑयल हाइड्रोकार्बन का उपयोग होता है। एफएसएसएआई के अनुसार, इन मिनरल ऑयल में से कुछ कार्सिनोजेनिक, यानी कैंसर पैदा करने वाले होते हैं। इनमें पॉली साइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन होता है, जो त्वचा, फेफड़े और मूत्राशय के कैंसर का बड़ा कारक है। यदि बच्चे नियमित रूप से इस तरह की स्याही वाले कागज पर खाते हैं, तो उनका विकास देर से होता है और वे एकाग्रता संबंधी समस्याओं या सीखने की कठिनाइयों के शिकार हो सकते हैं। गौर कीजिए, कागज पर खाने की चीजें परोस देने का संकट दूरस्थ अंचलों में अधिक है और वहीं पर बच्चों में स्कूल छोड़ने की संख्या अधिक है। इस तरह के छपे हुए कागज में एक और खतरनाक रसायन होता है- बीपीए (बिस्फेनॉल ए), जो हमारे हार्मोन पर हमला करता है। इसे लड़कियों में समय से पहले पीरियड आने और पुरुषों में बांझपन से जोड़ा गया है। स्याही का एक और घटक, थैलियम भी हार्मोन के साथ छेड़छाड़ करने वाला तत्व माना जाता है। सन् 2023 में शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के एक अध्ययन में पाया गया कि युवाओं में ऑक्सीडेटिव तनाव बढ़ रहा है, जिसका बड़ा कारण जहरीली स्याही का गरम खाद्य पदार्थों से मिल जाना है। अधिकांश अखबार री-साइकिल किए गए कागज पर छापे जाते हैं, जिसे बनाने की प्रक्रिया पहले ही अस्वच्छ होती है। फिर प्रिंटिंग प्रेस से होते हुए विक्रेता तक पहुंचने में अखबार कई सतहों, हाथों और धूल-मिट्टी के संपर्क में आते हैं। ऐसे में, जब इनमें भोजन परोसा जाता है, तो बैक्टीरिया खाने में चले जाते हैं, जिससे खाद्य विषाक्तता, गंभीर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण और डायरिया जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका प्रभाव बहुत अधिक होता है। सबसे बड़ी बात यह कि स्याही से उपजे जहरीले तत्व आपको न स्वाद में, न गंध में महसूस होते हैं, और न ही इस बारे में व्यापक जागरूकता है। इसका बुरा असर धीरे-धीरे सामने आता है। इसकी शुरुआत पेट की समस्याओं से होती है, जैसे एसिडिटी या मरोड़ उठने के रूप में। फिर चिड़चिड़ापन, मूड स्विंग होने के अलावा हार्मोन के असंतुलन से जुड़े कई रोग भी शरीर में घर कर जाते हैं। समय के साथ-साथ ऐसे रोग बढ़ते जाते हैं। जाहिर है, छपे हुए कागज पर खाने का सामान बेचना एक आदत बन चुका है, जिसका अभी तक किसी ने विरोध किया नहीं, वरना इस पर पाबंदी के लिए किसी कानून की जरूरत नहीं है। अखबार कहानियां सुनाते हैं। मगर जब उसे हमारे खाने में लिपटा जाता है, तो वह उस कहानी का हिस्सा बन जाता है, जिसके बारे में हमने कभी सोचा भी नहीं था। स्वस्थ भारत की दिशा में यह एक छोटा, पर महत्वपूर्ण कदम है कि हम जहर लपेटने की इस आदत को तुरंत त्याग दें। ग्राहकों और विक्रेताओं की सामूहिक जिम्मेदारी ही हमें इस 'साइलेंट हेल्थ इमरजेंसी' से बाहर निकाल सकती है।

डिजिटल जहर से समाज को बचाने की अनूठी पहल

(किंशुक पाठक)

महाराष्ट्र के सांगली जनपद के मोहित्यांचे वडगांव (जिसे संक्षेप में वडगांव कहा जाता है) में हर शाम सात बजे भैरवनाथ मंदिर से 45 सेकंड के लिए एक सायरन-ध्वनि गूंजती है, जो किसी चीनी मिल या अन्य औद्योगिक इकाई के कर्मचारियों के लिए बजने वाले सायरन से भिन्न है। यह ध्वनि दरअसल एक सूचना है कि अगले 90 मिनट (7 से 8.30 बजे तक) सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण- मोबाइल, टीवी इत्यादि बंद रहेंगे। दूसरा बजने वाला सायरन इस अवधि की समाप्ति की सूचना देता है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए क्षेत्रवार समूहों का गठन किया गया है, जो हर घर जाकर इस पहल का महत्व समझाते हैं। इस 'डिजिटल कर्फ्यू' का उल्लंघन करने वालों को शुरू में चेतावनी दी जाती थी, लेकिन अब पूरा समाज इसका पालन करने का प्रयास करता है। माता-पिता भी नियम का अनुपालन करते हैं, ताकि बच्चे अकेला न अनुभव करें। इस 90 मिनट में बच्चे अध्ययन करते हैं, युवा पुस्तकें पढ़ते हैं या घर से बाहर निकलकर सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेते हैं। वर्तमान दौर में स्मार्टफोन और टीवी हमारे रोजमर्रा के जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुके हैं, पर वडगांव ने इसको चुनौती दी है। इस गांव में लगभग 3,000 से 3,500 लोग रहते हैं। अधिकतर किसान या चीनी मिल श्रमिक हैं, जो प्रत्येक शाम डेढ़ घंटे के लिए 'डिजिटल डिटॉक्स' का पालन करते हैं। 15 अगस्त, 2022 को देश के स्वतंत्रता दिवस पर प्रारंभ हुई यह पहल अब न केवल ग्रामीण संस्कृति का हिस्सा बन चुकी है, बल्कि आस-पास के गांवों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन गई है। दरअसल, कोविड-19 के संक्रमण-काल में मानव व्यवहार में अप्रत्याशित परिवर्तन देखा गया। इसने 2020 से 2022 तक शिक्षा के ऑनलाइन माध्यम को अनिवार्य बना दिया, जिससे कम आयु के बच्चों और युवाओं में मोबाइल फोन के प्रयोग को लेकर एक बुरे व्यवहार ने जन्म लिया। एक सर्वेक्षण के अनुसार, 18 वर्ष से कम आयु के 65 प्रतिशत बच्चों में फोन चलाते रहने की मानो लत पड़ गई, जो 30 मिनट से अधिक समय तक फोन से दूर रहने में असमर्थ थे। वडगांव के सरकारी विद्यालयों में भी बच्चे कक्षाओं में एकाग्र नहीं रह पा रहे थे; वे निरंतर वीडियो देखने या सोशल मीडिया में खोए रहते। तब इतिहास के शिक्षक जयवंत विट्ठल मोहिते जैसे कई सेवानिवृत्त शिक्षकों ने इस समस्या को समझा और और इसके नुकसान का अनुमान लगाया। सबके प्रयास से गांव के मुखिया विजय मोहिते ने अगस्त 2022 में अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय लिया।

क्या एलपीजी समझौते से खुल जाएगा ट्रेड डील का रास्ता?

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता के जल्दी ही किसी निष्कर्ष तक पहुंचने की उम्मीद की जा रही है, लेकिन इसके समांतर दोनों देशों में कई अन्य मुद्दों पर भी सहमति बनती देखी जा रही है। अगर कुछ अहम बिंदुओं पर बातचीत परस्पर हित पर आधारित समझौते तक पहुंचती है, तो इससे व्यापार वार्ता भी एक ठोस स्वरूप में सामने आएगी। इस क्रम में जहां अमेरिका के सख्त रुख में नरमी देखी जा रही है, वहीं भारत भी अपने व्यापक हित के मद्देनजर व्यावहारिक फैसले ले रहा है।गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच रसोई गैस के मसले पर एक ऐतिहासिक समझौता हुआ है, जिसे आने वाले दिनों में अमेरिका की शुल्क नीति के प्रभाव से आगे बढ़ते हुए एक नए अध्याय की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। इस समझौते के तहत भारत अमेरिका से लगभग 2.2 मिलियन टन रसोई गैस खरीदेगा। हालांकि यह भारत की सालाना जरूरत का मात्र दस फीसद है और यह समझौता केवल एक वर्ष के लिए ही है, लेकिन इस सहमति को एक व्यापक समझौते की पृष्ठभूमि माना जा सकता है।यह छिपा नहीं है कि तेल की कीमतों के मामले में अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भरता की वजह से रसोई गैस के दाम में कैसे उतार-चढ़ाव आते रहे हैं। अब इस समझौते के अमल में आने के बाद भारत के सामने नए विकल्प खुलेंगे और रसोई गैस की आपूर्ति का जोखिम कम होगा। यह समझौता भारत की तीन सरकारी तेल कंपनियों ने अमेरिकी उत्पादकों के साथ किया है। अब अगर किन्हीं हालात में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमत में कोई उतार-चढ़ाव आता है, तो वैसी स्थिति में भारत पर इसका असर सीमित होगा।इसके अलावा, अगर अगले वर्ष रसोई गैस और तेल के वैश्विक बाजार में किसी तरह की उथल-पुथल होती है, तो भारत के सामने इस मामले में स्थिति को संभालने के लिए एक वैकल्पिक इंतजाम होगा।

हिड़मा का अंत नक्सल आंदोलन के ताबूत में आखिरी कील

(नीरज कुमार दुबे)

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अमित शाह की सख्त, निरंतर और परिणाम-उन्मुख नीतियों ने सुरक्षा बलों में वह गति भर दी, जिसकी भारत को वर्षों से आवश्यकता थी। माओवादी हिंसा जिस रफ्तार से सिमट रही है, वह उनकी रणनीति का प्रत्यक्ष परिणाम है। भारत के आंतरिक सुरक्षा तंत्र के लिए 2025 एक निर्णायक मोड़ साबित हो रहा है। सीपीआई (माओइस्ट) के सबसे क्रूर, सबसे चालाक और सबसे कुख्यात सैन्य कमांडर मदवि हिड़मा का खात्मा केवल एक ऑपरेशनल सफलता नहीं, यह एक बहुत बड़ा संदेश भी है। यह संदेश है उस अंतिम लड़ाई का, जिसकी समय सीमा खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तय की थी। हिड़मा का अंत 30 नवंबर 2025 की डेडलाइन से ठीक 12 दिन पहले हुआ है। यह डेडलाइन अमित शाह ने सुरक्षा बलों को देते हुए कहा था कि हिड़मा का आतंक उसी दिन तक समाप्त होना चाहिए। हिड़मा की मौत ने यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि देश अब उस विजय रेखा के बेहद करीब है, जिसे गृह मंत्री ने 31 मार्च 2026 तक माओवाद को पूरी तरह समाप्त करने के रूप में परिभाषित किया था। हम आपको याद दिला दें कि अमित शाह ने पिछले वर्ष घोषणा की थी कि माओवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने का समय आ चुका है। उन्होंने बड़ी समय-सीमा देने के साथ-साथ सुरक्षा एजेंसियों को छोटे-छोटे लक्ष्य भी सौंपे थे। जैसे- कहीं किसी इलाके को माओवादियों से पूरी तरह मुक्त कराना, कहीं किसी शीर्ष माओवादी नेता को समर्पण के लिए मजबूर करना और कहीं ऑपरेशनों के माध्यम से संगठन की कमर तोड़ देना। उसी रणनीति का सबसे अहम माइलस्टोन था हिड़मा का निपटारा, जिस पर अमित शाह ने हाल की समीक्षा बैठकों में निजी तौर पर जोर दिया था। हिड़मा का अंत उसी जंगल में हुआ, जहाँ से उसका आतंक शुरू हुआ था। आज यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अमित शाह की सख्त, निरंतर और परिणाम-उन्मुख नीतियों ने सुरक्षा बलों में वह गति भर दी, जिसकी भारत को वर्षों से आवश्यकता थी। माओवादी हिंसा जिस रफ्तार से सिमट रही है, वह उनकी रणनीति का प्रत्यक्ष परिणाम है। कौन था हिड़मा और क्यों था इतना महत्वपूर्ण यदि इस सवाल पर गौर करें तो आपको बता दें कि मदवि हिड़मा माओवादियों की केंद्रीय समिति का सबसे युवा सदस्य था, लेकिन उसकी कुख्याति, क्रूरता और क्षमताएँ उसे संगठन का सबसे खतरनाक सैन्य चेहरा बनाती थीं। वह पीएलजीए की कुख्यात बटालियन नंबर 1 का कमांडर रहा था। वह बस्तर का एकमात्र आदिवासी नेता था जिसे माओवादियों की केंद्रीय समिति में जगह दी गई। छत्तीसगढ़, तेलंगाना और ओडिशा में कई बड़े हमले उसी की योजना का हिस्सा थे। वर्षों से सुरक्षा बल उसकी तलाश में थे, लेकिन वह हमेशा बच निकलता था। पिछले दिनों छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उसकी माँ से मिलकर समर्पण की अपील भी करवाई, पर वह तैयार नहीं हुआ। उसकी मृत्यु पर बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी का यह बयान बिल्कुल सटीक है कि यह वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में ऐतिहासिक माइलस्टोन है। हम आपको बता दें कि केंद्रीय समिति की शक्ति अब घटकर केवल 7 सदस्यों पर आ गई है। इनमें भी गणपति अस्सी के करीब है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5921

	4	7			3			5
			6	8	7		4	
			2	4		9		7
		6					1	8
				1				
2	7					5		
8		5		6	1			
	9		8	5	2			
1			9			8	5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5920

1	4	7	9	5	3	8	2	6
9	5	3	8	6	2	4	7	1
6	2	8	1	7	4	9	5	3
3	6	9	7	1	8	5	4	2
4	1	2	3	9	5	6	8	7
7	8	5	4	2	6	1	3	9
2	9	1	5	8	7	3	6	4
5	3	6	2	4	1	7	9	8
8	7	4	6	3	9	2	1	5

वर्ग पहेली 5921

संकेत: बाएं से दाएं
1. रामकृष्ण परमहंस के सुयोग्य शिष्य जिनका वास्तविक नाम नरेंद्रनाथ था (7)
7. चित्ताकर्षक, दिल को अपनी ओर खींचने वाला (4)
8. उपद्रव, गदर, विद्रोह (3)
9. नृत्य में एक प्रकार की गति (3)
10. अज्ञानपूर्ण, तमोगुण युक्त (3)
12. चांद्रमास के किसी पक्ष का कोई दिन, पुण्य दिवस (2)
14. प्रत्येक पक्ष की तीसरी पिथि (2)
16. लंबाई, चौड़ाई, या गहराई आदि का हिसाब लगाना, मापना (3)
18. प्रक्षालन कर्मी, पक्षालक (3)
20. जो देखने में सुंदर हो (4)
21. गाढ़ा द्रव, लोंदा, स्कंद (2)
22. जन्म से मृत्यु तक का समय, जिंदगी, पुरानी फिल्मों का एक प्रसिद्ध खलनायक (निधन 10 जून 1987)(3)
23. उपाधि, ओहदा, पोस्ट (3)

ऊपर से नीचे
1. स्वाद देने वाला, जिसका स्वाद अच्छा हो, सुस्वाद (3)
2. दूरी नापने की एक प्राचीन इकाई जो 1760 गज के बराबर होती है (2)
3. आतुरता, अस्थिरचित्तता (4)
4. मंच पृष्ठ, स्वांग, परिधान (2)
5. क्यू क्रम, संख्या अंक, आकार माप (3)
6. दल नायक, सेनापति, कप्तान, टीम नायक (4)
9. उसके उपरांत, तदापि (4)
11. वर्जित, निषिद्ध (2)
13. संगीत के साथ नृत्य करते समय तेजी से अंगों को संचालित करना (4)
14. धनुर्विद्या, धनुर्कौशल, लक्ष्य संधान (4)
15. न्यायाधीश को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
17. जिसका नाम किसी बात आदि के लिए निश्चित कर लिया गया हो (4)
19. अभिव्यक्ति, बयान, तकरीर, अभिलाप (3)

वर्ग पहेली 5920 का हल

बां	ग्ला	दे	श		अं	ग	द
सु		व	त	न	कु	श	
री	ड	र		व	श		सि
	का		दा	मी		मा	ता
फु	र	स	त		आ	स	रा
स			व्य	व	स्था		
ला	य	क		जू		दू	ज
ना		म	द	द	गा	र	

आज का राशिफल

मेष
आज दांपत्य जीवन में आज के दिन कुछ उथल-पुथल देखने को मिल सकती है। शाम के बाद घर परिवार में मनमुटाव की स्थिति पैदा हो सकती है। ऐसे में आपकी मनोदशा तनाव से ग्रस्त रहेगी। अपने प्रेम का खुलासा करना का आज सही दिन नहीं है। इससे पारिवारिक वातावरण परेशान करने वाला हो सकता है।

वृष
आज के दिन कामकाजी गतिविधियों को जरूरत के मुताबिक संचालित करने में आप सफल रहेंगे। आपके करीबी लोग आपकी मदद करने को तैयार रहेंगे, लेकिन उन पर पूरी तरह निर्भर होना ठीक नहीं रहेगा। किसी पर आंख बंद करके विश्वास करना आगे चलकर परेशानी का कारण बन सकता है। बेहतर होगा कि आप महत्वपूर्ण फैसले खुद लें।

मिथुन
आज के दिन थोड़ा सतर्क रहना होगा। अगर आप अपने करियर में बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं तो अभी परिस्थिति ठीक नहीं हैं। किसी भी काम में हाथ डालने से पहले अपने जीवनसाथी से सलाह ले लें। सोच-समझकर निर्णय लेकर आगे बढ़ना लाभदायक रहेगा।

कर्क
आज आप व्यापार में कोई नई शुरुआत करने पर विचार कर सकते हैं। इस प्रयास में आपको कुछ पुराने मित्रों से आर्थिक सहयोग भी मिल सकता है। इससे आपका आत्मविश्वास और बढ़ेगा। आज के दिन मदद देना भी आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। इसका लाभ आपको भविष्य में देखने को मिलेगा।

सिंह
आज मूड थोड़ा खराब रह सकता है। विपरीत हालातों से मन परेशान रहेगा। युवा वर्ग को दाम्पत्य जीवन अथवा प्रेम संबंधों को लेकर शिकायत रहेगी। जीवन साथी का भरोसा जीतना जरूरी होगा। कुछ जरूरी खर्चे भी सामने आयेंगे। बुजुर्गों का सहयोग कुछ हद तक माहौल को ठीक करने में सहायक होगा।

कन्या
आज आपके कार्यक्षेत्र का माहौल पहले की तुलना में काफी बेहतर रहेगा। ऑफिस में हंसी-मजाक और हल्का-फुल्का मनोरंजन भी देखने को मिलेगा। किसी सहकर्मी की ओर से पार्टी मिल सकती है। कुल मिलाकर आज का दिन ऑफिस में सकारात्मक हेगा।

तुला
आज के दिन घूमने-फिरने या किसी छोटी यात्रा की योजना बन सकती है। इसके लिए पहले से तैयारी करना जरूरी होगा। बीच में कुछ अधूरे काम भी पूरे करने पड़ेंगे। दोपहर के बाद कामकाज और इधर-उधर की भागदौड़ अचानक बढ़ सकती है। ऐसे में जल्दबाजी में कोई निर्णय आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

वृश्चिक
आज के दिन आप जिस भी काम को करने का संकल्प लेंगे, उसके पूरे होने की संभावनाएं काफी मजबूत रहेगी। एडमिशन कराना हो, यात्रा पर जाना हो या कोई जरूरी सामान खरीदना हो इन सभी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। इसके साथ ही अटका हुआ पैसा भी आपको मिलने की संभावना दिख रही है। कुछ प्राप्त करने के लिए कुछ खोने की परिस्थितियां भी पैदा हो सकती हैं।

मकर
आज आपको अपनी कार्ययोजना में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं। यह बदलाव आगे चलकर आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे। आर्थिक तौर पर आज दबाव कम रहेगा। छोटी-मोटी देनदारियां चुकाने के बाद भी आपकी सेविंग्स पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा। परिवार के सदस्यों की कुछ ज़रूरतें पूरी करनी पड़ सकती है।

कुंभ
आज घर-परिवार में किसी सदस्य की सेहत आपके लिए परेशानी का कारण बन सकती है। खराब स्वास्थ्य के कारण घर परिवार का वातावरण कुछ अवसादपूर्ण रहेगा। तनाव से उबरने का रास्ता यहीं है कि आज आप किसी मनोरंजक यात्रा पर निकल पड़ें। यदि आपके पास वाहन आदि नहीं भी हो तो सार्वजनिक वाहन का फायदा उठाया जा सकता है।

धनु
आज तीर्थ यात्रा पर जाने का अवसर प्राप्त हो सकता है। आज के दिन मित्रों के लिए कुछ धन की भी व्यवस्था करनी पड़ सकती है। किसी एग्जाम परीक्षा के लिए तैयारी करने वालों को सफलता मिलेगी। घर के वरिष्ठ सदस्य से टकराव की संभावना दिख रही है। ऐसे में किसी भी तरह का टकराव आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

मीन
आज शारीरिक थकान धीरे-धीरे दूर होती दिखाई देगी। पिछले कई दिनों से आप जो एक्सरसाइज या योगाभ्यास कर रहे हैं उसका सकारात्मक असर दिखाई देगा। घर के छोटे सदस्यों या संतान की ओर से भी कोई अच्छा समाचार मन को प्रसन्न करेगा। इसके साथ ही आज वस्तु या किसी उपयोगी चीज का लाभ मिलने की भी संभावना है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

माहित ने बधिर ओलंपिक में जीता अपना दूसरा स्वर्ण

टोक्यो, एजेंसी। माहित ने फाइनल तक पहुंचने के दौरान बधिर खेलों का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने क्वालिफाइंग दौर में 585 अंक बनाए और शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया। भारत की माहित संधू ने बधिर ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

माहित ने टोक्यो में चल रहे बधिर ओलंपिक खेलों की निशानेबाजी प्रतियोगिता में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में स्वर्ण पदक जीता जो उनका चौथा पदक है। माहित ने 45 शॉट के बाद कुल 456.0 अंक हासिल कर बधिर ओलंपिक खेलों का अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण कोरिया की डैन जियोंग ने 453.5 अंक के साथ रजत और हंगरी की मीरा जुज़ाना बियातोव्स्की ने 438.6 अंक के साथ कांस्य पदक जीता।

माहित ने बनाया बधिर खेलों का नया रिकॉर्ड: माहित ने फाइनल तक पहुंचने के दौरान बधिर खेलों का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने क्वालिफाइंग दौर में 585 अंक बनाए और शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया। माहित ने नीलिंग में 194, प्रोन में 198 और स्टैंडिंग में 193 अंक प्राप्त किए तथा पिछले वर्ष हनोवर में आयोजित विश्व बधिर निशानेबाजी चैंपियनशिप में बनाए गए 576 अंकों के अपने ही पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

भारत की नताशा जोशी ने भी 566 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। वह फाइनल में 417.1 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। भारतीय निशानेबाजों ने बधिर ओलंपिक में अब तक पांच स्वर्ण, छह रजत और तीन कांस्य सहित 14 पदक जीते हैं। अभिनव देशवाल और चेतन हनमंत सपकाल 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा में हैं।

न्यूजीलैंड - वेस्टइंडीज:

न्यूजीलैंड ने तीसरा वनडे 4 विकेट से जीता, वेस्टइंडीज को 3-0 से किया क्लीन स्वीप

हैमिल्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने सेडन पार्क में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे मुकाबले में वेस्टइंडीज को 4 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। कीवी तेज गेंदबाज मैट हेनरी को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी का फैसला किया, लेकिन पूरी टीम 36.2 ओवर में 161 रन पर सिमट गई। रोस्टन चेस ने 51 गेंदों पर 38 रन बनाकर टीम के लिए सबसे बड़ी पारी खेली। जॉन कैंपबेल ने 26 और खैरी पियरे ने नाबाद 22 रन बनाए।

न्यूज़ीलैंड के लिए मैट हेनरी ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 4 विकेट झटके। जैकब डफी और कप्तान मिचेल सैंटनर ने 2-2 विकेट लिए। टारगेट का पीछा करते हुए न्यूज़ीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। डेवोन कॉन्वे (11), रचिन रविंद्र (14) और विल यंग (3) जल्दी आउट हो गए। लेकिन इसके बाद मार्क चैपमैन (64 रन, 63 गेंद) और माइकल ब्रेसवेल (नाबाद 40 रन, 31 गेंद) ने टीम को संभाला और 30.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर मैच जीत लिया। वेस्टइंडीज़ की ओर से मैथ्यू फोर्ड और जेडन सील्स ने 2-2 विकेट लिए। इससे पहले, न्यूज़ीलैंड ने पहला वनडे 7 रन से और दूसरा वनडे 5 विकेट से जीता था। टी20 सीरीज़ में भी न्यूज़ीलैंड ने वेस्टइंडीज़ पर 3-1 से कब्ज़ा किया था। अब दोनों टीमें 2 दिसंबर से क्राइस्टचर्च में शुरू होने वाली 3 मैचों की टेस्ट सीरीज़ में आमने-सामने होंगी, जो आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का हिस्सा है।

एशेज : सिर्फ 2 दिनों में खत्म हुआ पर्थ टेस्ट

ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट से जीता मुकाबला

पर्थ, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ पर्थ स्टेडियम में खेले गए एशेज सीरीज 2025-26 के पहले मुकाबले को 8 विकेट से अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ मेजबान टीम ने 5 मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से लीड बना ली। यह मैच सिर्फ दो ही दिन चला।

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। यह टीम 32.5 ओवरों में सिर्फ 172 रन ही बना सकी। इंग्लैंड की ओर से इस पारी में हैरी ब्रूक ने सर्वाधिक 52 रन बनाए, जबकि ओली पोप ने 46 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम की तरफ से मिचेल स्टार्क ने 12.5 ओवरों में 58 रन देकर 7 विकेट हासिल किए, जबकि ब्रेंडन डोगेट ने 2 विकेट निकाले। 1 विकेट कैमरून ग्रीन के नाम रहा।

इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम सिर्फ 132 रन पर सिमट गई। इस पारी में एलेक्स कैरी ने 26 रन की पारी खेली, जबकि कैमरून ग्रीन ने 24 रन टीम के खाते में जोड़े। इंग्लैंड की ओर से कप्तान बेन स्टोक्स ने 6 ओवरों में 23 रन देकर 5 विकेट हासिल किए, जबकि ब्रायडन कार्स ने 3 सफलताएं हासिल कीं। इंग्लैंड ने पहली पारी के आधार पर 40 रन की बढ़त बना कर ली थी। इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 164 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 205 रन का लक्ष्य दिया। इंग्लैंड की दूसरी पारी में गस एटकिंसन ने सर्वाधिक 37 रन बनाए, जबकि ओली पोप ने 33 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इनके अलावा, बेन डकेट ने 28 रन की पारी खेली। मिचेल स्टार्क और ब्रेंडन डोगेट ने इस पारी में 3-3 विकेट निकाले, जबकि स्कॉट बोलैंड ने 4 विकेट हासिल किए। सिर्फ 5 सेशन में 30 विकेट गिर चुके थे। यहां से लगा कि ऑस्ट्रेलिया के लिए 205 रन तक पहुंचना आसान नहीं होगा, लेकिन सलामी जोड़ी ने मेजबान टीम को शानदार शुरुआत दिलाते हुए जीत की नींव रखी। ट्रेविस हेड ने जैक वेदरलैंड के साथ 11.3 ओवरों में 75 रन जुटाए। वेदरलैंड 34 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद मार्नस लाबुशेन ने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर शतकीय साझेदारी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को जीत की दहलीज तक पहुंचाया।

हेड 83 गेंदों में 4 छक्कों और 16 चौकों के साथ 123 रन बनाकर आउट हुए, जबकि लाबुशेन ने नाबाद 51 रन की पारी खेली।

पूर्व विश्व चैंपियन गोलोवकिन वर्ल्ड बॉक्सिंग के नए अध्यक्ष बने

वॉशिंगटन, एजेंसी। गोलोवकिन ने 2004 में ओलंपिक में रजत पदक जीता था और पेशेवर बनने के बाद वह लंबे समय तक विश्व चैंपियन रहे। उन्होंने 2022 में संन्यास ले लिया था। अब उन्हें नई जिम्मेदारी मिली है। पूर्व विश्व चैंपियन गेनाडी गोलोवकिन विश्व मुक्केबाजी की सर्वोच्च संस्था वर्ल्ड बॉक्सिंग के नए अध्यक्ष चुने गए हैं। कजाकिस्तान के रहने वाले गोलोवकिन को वर्ल्ड बॉक्सिंग के अध्यक्ष पद के लिए यूनान के हरिलाओस मारिओलिस के खिलाफ चुनाव लड़ने की उम्मीद थी, लेकिन संगठन ने शुक्रवार को कहा कि जांच प्रक्रिया के बाद वह एकमात्र योग्य उम्मीदवार पाए गए हैं।

गोलोवकिन ने एक प्रतिनिधि के माध्यम से जारी बयान में कहा, 'मुझे सूचित किया गया है कि अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल एकमात्र अन्य उम्मीदवार को अयोग्य घोषित कर दिया गया है।' उन्होंने कहा, 'मैं वर्ल्ड बॉक्सिंग के स्वतंत्र जांच पैनल के काम की सराहना करना चाहूंगा, जिसने यह सुनिश्चित करने में मदद की कि सभी चुनाव ओलंपिक खेल में प्रशासन के उच्चतम मानकों के अनुसार निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हों। कजाकिस्तान के पूर्व मिडिलवेट चैंपियन गोलोवकिन को अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा था, क्योंकि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ संबंधों को फिर से सुधारने के लिए वर्ल्ड बॉक्सिंग के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। गोलोवकिन ने 2004 में ओलंपिक में रजत पदक जीता था और पेशेवर बनने के बाद वह लंबे समय तक विश्व चैंपियन रहे। उन्होंने 2022 में संन्यास ले लिया था।

लक्ष्य सेन ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे

सिडनी, एजेंसी। फाइनल में लक्ष्य का सामना या तो जापान के युशी तानाका या चीनी ताइपे के पांचवीं वरीयता प्राप्त लिन चुने-यी से होगा। इस सीजन लक्ष्य अभी तक कोई खिताब नहीं जीत पाए हैं, इसलिए यह फाइनल उनके लिए बेहद खास मौका होगा। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने विश्व नंबर-छह और दूसरे वरीय खिलाड़ी चौ तिएन-चेन (चीनी ताइपे) को कड़े संघर्ष में 17-21, 24-22, 21-16 से पराजित किया। यह मुकाबला करीब 86 मिनट तक चला और इसमें लक्ष्य का जज्बा और धैर्य देखने लायक था।

पहला गेम: धीमी शुरुआत, दबाव में गिरे अंक

पहले गेम में लक्ष्य की शुरुआत कमजोर रही और चेन ने अपनी

सटीक प्लेसमेंट और आक्रामक गेम के दम पर 11-6 की बढ़त बना ली। लक्ष्य ने कुछ शानदार शॉट्स जरूर लगाए, लेकिन लगातार गलतियों ने अंतर बढ़ाया और वे पहला गेम 17-21 से हार गए।

दूसरा गेम: रफ्तार, धैर्य और वापसी की कहानी

दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी रैलियों और शानदार नेट गेम देखने को मिला। स्कोर कई बार बराबर पहुंचा, लेकिन अंतिम पलों में लक्ष्य के शानदार स्मैश और आत्मविश्वास ने उन्हें 24-22 से गेम जिताया। यह जीत निर्णायक साबित हुई क्योंकि इससे मैच का मोमेंटम भारत की ओर शिफ्ट हुआ।

तीसरा गेम: अनुभव बनाम ऊर्जा और जीत लक्ष्य की

निर्णायक गेम में लक्ष्य ज्यादा फिट और तेज नजर आए, जबकि 35 वर्षीय चेन की रफ्तार कम होती दिखी। लक्ष्य ने लगातार दबाव बनाए रखा और 6-1 की शुरुआती बढ़त के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। शानदार नेट ड्रॉप्स, सटीक स्मैश और आत्मविश्वास भरे शॉट्स की बदौलत लक्ष्य ने गेम 21-16 से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया।

अब फाइनल में मुकाबला

फाइनल में लक्ष्य का सामना या तो जापान के युशी तानाका या चीनी ताइपे के पांचवीं वरीयता प्राप्त लिन चुने-यी से होगा। इन दोनों के बीच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाना है। इस सीजन लक्ष्य अभी तक कोई खिताब नहीं जीत पाए हैं, इसलिए यह फाइनल उनके लिए बेहद खास मौका होगा।

महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड :

ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से रौंदकर फाइनल में पहुंचा भारत

कोलंबो, एजेंसी। भारत ने शनिवार को पी. सारा ओवल में ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से मात देकर महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड के फाइनल में जगह बना ली है। भारत की जीत में बसंती हंसदा ने अहम भूमिका निभाई, जिन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। ऑस्ट्रेलियाई टीम 37 के स्कोर तक अपने 5 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से चानाकन बुआखाओ ने जूली न्यूमैन के साथ टीम को संभाला।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 109 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बी2 बैटर जूली न्यूमैन ने 25 रन बनाए, जबकि बी3 प्लेयर्स चानाकन बुआखाओ ने 34 और कोर्टनी लुईस ने 14 रन बनाकर स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाया, जिसमें 20 एक्स्ट्रा रन भी शामिल थे। भारत की तरफ से बी2 सिमरनजीत कौर, बी1 जमुना रानी और बी1 अनु कुमारी ने 1-1 विकेट हासिल किया। इसके जवाब में बी3 गंगा कदम ने तेजी से रन जुटाते हुए भारत को शानदार लय दिलाई। उन्होंने बी2 बसंती हंसदा के साथ 11 ओवरों में 93 रन बनाए। बसंती हंसदा 39 गेंदों में 3 चौकों के साथ 45 रन बनाकर रन आउट हुईं। यहां से बी1 स्ट्राइकर करुणा ने सिर्फ 5 गेंदों में 16 रन बनाकर मैच खत्म किया। भारत ने 11.5 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारत की ओर से गंगा कदम 31 गेंदों में 3 चौकों के साथ 41 रन बनाकर नाबाद रहीं। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से बी3 कोर्टनी लुईस और बी3 एडेलिन रो ने 4-4 ओवर गेंदबाजी की, लेकिन विकेट हासिल नहीं कर सकीं। इनके अलावा, चानाकन बुआखाओ ने 3.5 ओवरों में 46 रन दिए, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। अब नेपाल और पाकिस्तान के बीच दूसरा सेमीफाइनल तय करेगा कि भारत रविवार को ऐतिहासिक फाइनल में किस टीम से भिड़ेगा।

महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड टूर्नामेंट में छह टीमों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने एक ही राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे के साथ खेला। टीम इंडिया ने अपने सभी पांच मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की।

भारत-साउथ अफ्रीका :

व्हाइट बॉल सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका टीम घोषित

- बावुमा वनडे, मार्करम टी-20 में कप्तानी करेंगे, भारत के खिलाफ 30 नवंबर से मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने भारत के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा ही वनडे में भी टीम को लीड करेंगे। वहीं ऐडन मार्करम टी-20 फॉर्मेट में कप्तानी संभालते नजर आएंगे। दोनों टीमों के बीच 30 नवंबर से 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज शुरू होगी।

रांची में पहला वनडे होगा

साउथ अफ्रीका ने वनडे टीम में ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्जकी, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, प्रनेलन सुब्रायन और रुबिन हरमन को शामिल किया। ये सभी प्लेयर्स फिलहाल खेली जा रही टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। वनडे सीरीज के 3 मैच रांची, रायपुर और विशाखापट्टनम में खेले जाएंगे।

रोहित शर्मा और विराट कोहली करीब 10 महीने बाद भारत में इंटरनेशनल मैच खेलते नजर आएंगे। दोनों ने इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी बार घरेलू मैदान पर वनडे सीरीज खेली थी।

फिर दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद दोनों ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया सीरीज से वापसी की थी। टेम्बा बावुमा वनडे सीरीज में भी साउथ अफ्रीका की कप्तानी करते नजर आएंगे।

19 दिसंबर को खत्म होगा दौरा

टी-20 टीम में डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, जॉर्ज लिंडे, डेविड मिलर और एनरिक नॉर्त्या को शामिल किया गया। सीरीज के 5 मुकाबले 9 से 19 दिसंबर तक खेले जाएंगे। मुकाबले कटक, मुल्लांपुर, धर्मशाला, लखनऊ और अहमदाबाद में होंगे। साउथ अफ्रीका का भारत दौरा 14 नवंबर से कोलकाता में शुरू हुआ। यहां टीम ने पहला टेस्ट जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। अब दूसरा मुकाबला गुवाहाटी में 22 नवंबर से खेला जाएगा।

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा को राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल करने का भरोसा, ग्लास्गो में होनी है बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। उषा ने उम्मीद जताई कि 26 नवंबर को ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेल आमसभा की बैठक के दौरान 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिल जाएगी।

भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा को राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी भारत को मिलने का पूरा यकीन है। उषा ने उम्मीद जताई कि 26 नवंबर को ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेल आमसभा की बैठक के दौरान 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिल जाएगी। पिछले महीने राष्ट्रमंडल खेल कार्यकारी बोर्ड ने अहमदाबाद में इन खेलों के आयोजन की सिफारिश की थी। ग्लास्गो में होने वाली बैठक में अंतिम मंजूरी मिलेगी। अहमदाबाद के अलावा नाइजीरिया का अबुजा मेजबानी की दौड़ में है। राष्ट्रमंडल खेल को 2030 में 100 साल भी पूरे होने जा रहे हैं। राष्ट्रमंडल खेल कार्यकारी बोर्ड ने भविष्य में मेजबानी की संभावना के लिए नाइजीरिया के साथ काम करने पर भी सहमति जताई जिसमें 2034 खेलों की मेजबानी की संभावित दावेदारी शामिल है। पीटी उषा ने कहा, हम शनिवार को ग्लास्गो रवाना हो रहे हैं। मुझे पूरा यकीन है कि लोगों की उम्मीदें पूरी होंगी। दो तीन दिन इंतजार कर लें। भारतीय खेल तभी आगे बढ़ेंगे जब हम मिलकर आगे बढ़ेंगे। देश के कोने कोने में प्रतिभायें हैं लेकिन मौके हर बच्चे तक पहुंचने चाहिए।

इस बहुत बड़े 'ब्लंडर' की वजह से सेमीफाइनल हारा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप राइजिंग स्टार्स के सेमीफाइनल मैच में बांग्लादेश ने भारत पर रोमांचक जीत दर्ज की. जानिए टीम इंडिया अपनी किस सबसे बड़ी गलती की वजह से हारी. एशिया कप राइजिंग स्टार्स के सेमीफाइनल मैच में बांग्लादेश ने भारत पर रोमांचक जीत दर्ज की.

सुपर ओवर तक चले इस मैच को बांग्लादेश ने वाइड गेंद की मदद से जीता. दरअसल सुपर ओवर में भारत ने बिना रन बनाए अपने दोनों विकेट गंवा दिए थे. बांग्लादेश को सुपर ओवर जीतने के लिए सिर्फ एक रन बनाना था. सुयश शर्मा वाइड गेंद फेंक बैठे, जिसके चलते बांग्लादेश के स्कोरकार्ड में एक रन जुड़ गया और

- वैभव सूर्यवंशी को बाहर करने से सभी भड़के

उसने फाइनल में एंट्री ली. मगर भारत की इस शर्मनाक हार का असली कारण आखिर क्या रहा?

इस गलती की वजह से हारा भारत

पारी की आखिरी गेंद पर 3 रन भाग कर भारतीय बल्लेबाज जैसे-तैसे मैच को सुपर-ओवर तक ले गए थे. भारतीय टीम के पास फाइनल में जाने का सुनहरा मौका था, लेकिन सुपर ओवर में भारतीय मैनेजमेंट बहुत बड़ी

गलती कर बैठा. भारतीय टीम ने जीतेश शर्मा और रमनदीप सिंह को बल्लेबाजी के लिए भेजा. एक तरफ जीतेश शर्मा टूर्नामेंट के पहले मैच के बाद बैटिंग में चले ही नहीं हैं, वहीं रमनदीप सिंह को भी बहुत बड़े-बड़े शॉट लगाने के लिए नहीं जाना जाता है.

वैभव सूर्यवंशी को नहीं भेजा

सुपर ओवर की स्थिति आने पर भारतीय टीम को अपने दोनों नियमित ओपनिंग बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और प्रियांश आर्या से शुरुआत करवानी चाहिए थी. सूर्यवंशी ने पूरे टूर्नामेंट में करीब 244 के तूफानी स्ट्राइक रेट से बैटिंग की. वहीं बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में उन्होंने पहली ही गेंद पर बल्ला घुमाना शुरू कर दिया और पारी की पहली 3 गेंदों में 2 छक्के जड़ दिए थे. जब टीम को सूर्यवंशी की सबसे अधिक जरूरत थी, तब उन्हें बैटिंग के लिए नहीं लाया गया.

दूसरी ओर प्रियांश आर्या इस मैच में 23 गेंदों में 44 रन की पारी खेल चुके थे. 4 चौके और 3 छक्के लगाने वाले प्रियांश भी अच्छे टच में लग रहे थे.

इस सबको नजरंदाज कर मैनेजमेंट ने जीतेश शर्मा और रमनदीप सिंह से सुपर ओवर की शुरुआत करवाई. ये भारतीय टीम का बहुत बड़ा 'ब्लंडर' कहा जा सकता है.

न्यूज बाइट्स

चोरी की नीयत से घर में घुसे युवक को ग्रामीणों ने पकड़ा, भेजा जेल

हसपुरा (औरंगाबाद) (नि. सं.)। हसपुरा थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी के बीच शुक्रवार की देर रात रामपुर कैथी गांव में चोरी का प्रयास करने आए एक युवक को ग्रामीणों ने मौके पर ही पकड़ लिया। घटना मुन्नी खातून, पति मो. तैयब शेख के घर की है। बताया जाता है कि युवक रात के अंधेरे में घर के अंदर चोरी करने की नीयत से घुसा था। इसी दौरान सामान गिरने की आवाज से घर के लोग जाग गए। शोर मचते ही घर वाले सतर्क हो गए और आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया। कुछ ही मिनटों में शोर सुनकर ग्रामीणों की बड़ी संख्या में भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई। पकड़े गए युवक की पहचान कोईलवा गांव निवासी ब्रजेश कुमार गुप्ता के 26 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार के रूप में की गई। घटना के समय वह नशे में धुत था, जिससे उसके शरीर से शराब की तेज गंध आ रही थी। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना हसपुरा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आरोपी युवक को अपने कब्जे में ले लिया। बाद में उसे मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया और फिर थाने लाकर पूछताछ की गई। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार युवक का आपराधिक इतिहास भी रहा है। इससे पहले भी वह चोरी के मामले में जेल जा चुका है। एक बार फिर घर में चोरी का प्रयास करने के आरोप में ग्रामीणों की तत्परता से पकड़ा जाने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस घटना के बाद गांव में भय और आक्रोश का माहौल देखा गया। ग्रामीणों का कहना है कि बीते कुछ दिनों से इलाके में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं, जिससे रात के समय लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ गई है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्ती बढ़ाने और क्षेत्र में असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त अभियान चलाने की मांग की है।

ठुमरी गायिका शिवांगी ने पटना दूरदर्शन में दी शानदार प्रस्तुति

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। शहर की प्रतिष्ठित सांगीतिक संस्था दानिका संगीत महाविद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा एवं प्रसिद्ध ठुमरी गायिका शिवांगी सिंह ने पटना दूरदर्शन के मंच पर अपनी मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों का दिल जीत लिया। मंच पर आते ही उन्होंने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत देवी स्तुति 'वर दे वीणा वादिनी' से की, जिसे श्रोताओं ने मंत्रमुग्ध होकर सुना। इसके बाद उन्होंने 'आओ आओ श्रीराम', 'कौन शाम ढूंढ़े तू', 'भेज गेल सखियां की आज चुनरी' और 'हे जग जननी मां तुम हम पर कृपा करो' जैसी रचनाओं को अपनी मधुर व भावपूर्ण आवाज में प्रस्तुत किया, जिसे सुनकर लोग अभिभूत रह गए। पूरी प्रस्तुति के दौरान दानिका परिवार के डायरेक्टर डॉ. रविंद्र कुमार मंच पर मौजूद रहे और मार्गदर्शन प्रदान करते रहे। कार्यक्रम में संगीत संगत में सुनेश सिंह, मोहित सिंह और विकास कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे प्रस्तुति और प्रभावशाली बन गई। गौरतलब है कि औरंगाबाद जिले की रहने वाली शिवांगी सिंह लोक गायन एवं ठुमरी शैली की एक जानी-मानी युवा कलाकार हैं। जिले में आयोजित विभिन्न युवा महोत्सवों में वह लगातार सहभागिता निभाते हुए शीर्ष स्थान अर्जित करती रही हैं। उनकी कला का प्रभाव केवल जिला स्तर तक सीमित नहीं है।

80 करोड़ का सांप का जहर बरामद, औरंगाबाद के पिता-बेटे सहित 10 तस्कर हुए गिरफ्तार

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

पलामू जिले में वन विभाग और वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो (डब्ल्यूएलसीसीबी) की संयुक्त कार्रवाई में बड़े पैमाने पर तस्करी रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। इस कार्रवाई में 10 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें औरंगाबाद के देव निवासी पिता-बेटे मोहम्मद सिराज (60) और मोहम्मद मिराज (36) भी शामिल हैं। आरोपियों के कब्जे से 1200 मिलीलीटर सांप का जहर और लगभग 2.5 किलो पैंगोलिन शल्क जब्त किया गया। सांप के जहर की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 80 करोड़ रुपए और पैंगोलिन शल्क की कीमत लगभग 20 लाख रुपए आंकी गई है।

जानकारी के अनुसार, यह गिरोह जड़ी-बूटी बेचने के आड़ में झारखंड-बिहार सीमा के ग्रामीण इलाकों में सांप का जहर इकट्ठा कर अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सप्लाई करता था। हरिहरगंज बाजार के कारोबारी राजू शौंडिक भी इस रैकेट से जुड़ा हुआ था। राजू जड़ी-बूटी, गुड़ और महुआ की तस्करी का कारोबार करता था और स्थानीय शराबबंदी के बाद महुआ व गुड़ से शराब बनाने में सक्रिय था। जड़ी-बूटी खरीदने-बेचने के क्रम में उसकी मुलाकात देव के सिराज से हुई और दोनों ने मिलकर इस अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क को संचालित किया।

वन विभाग को पहले सूचना मिली थी कि बिहार और झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में सांप का जहर स्थानीय स्तर पर इकट्ठा कर विदेशी बाजारों में भेजा जा रहा है। इसके आधार पर आरोपियों की कई दिनों तक निगरानी की गई। औरंगाबाद से गिरफ्तार पिता-बेटे से पूछताछ के बाद नेटवर्क के अन्य लोगों की पहचान हुई। इसके बाद राहुल कुमार, गोपाल प्रसाद सिंह, मानकी सिंह, शमीतुल्ला मियां, तैयब अंसारी, अनिल यादव और विनोद चंद्रवंशी को भी गिरफ्तार किया गया। इनसे करीब 10 किलो पैंगोलिन के टुकड़े जब्त किए गए।

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि जब्त जहर के साथ 'मेड इन फ्रांस' लिखा हुआ एक आईडी कार्ड भी मिला। इससे यह पुष्टि हुई कि यह रैकेट सिर्फ स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं था, बल्कि इसका अंतरराष्ट्रीय बाजार से भी कनेक्शन था। जांच में यह भी सामने आया कि सांप का जहर नशीले पदार्थ के रूप में इस्तेमाल किया जाता है और इसकी वैश्विक कीमत प्रति ग्राम 7–8 लाख रुपए तक है।

सिराज का परिवार पहले चमड़ा कारोबार करता था। बेटे मिराज फुटपाथ पर कपड़ा बेचता था और नेयाज ऑटो चलाता है। गिरफ़्तारी के समय सिराज ठंड के मौसम में आंख का ऑपरेशन करवाने हरिहरगंज गया था। परिवार का कहना है कि उन्हें फंसाया गया।

गुरुग्राम में औरंगाबाद के मजदूर की मौत, गांव में पसरा मातम

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

फाइल फोटो

जिले के गोह प्रखंड अंतर्गत मीरपुर पंचायत के भलुआर गांव के एक मजदूर की मौत हरियाणा के गुरुग्राम में काम करने के दौरान हो गई, जिसकी खबर मिलते ही गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। मृतक की पहचान 45 वर्षीय रागिब अंसारी उर्फ सोनी के रूप में हुई है, जो पिछले कई वर्षों से गुरुग्राम के सेक्टर-37 स्थित सिमरन इंटरनेशनल कंपनी में रहकर जैकेट सिलाई का काम करता था। बताया जा रहा है कि बीते मंगलवार को रोज की तरह वह अपने काम पर पहुंचा था, लेकिन कुछ देर बाद अचानक चक्कर आने पर वह बेहोश होकर गिर पड़ा। साथी मजदूरों ने बिना देर किए उसे स्थानीय अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शनिवार को जब रागिब का शव गांव पहुंचा तो माहौल पूरी तरह गमगीन हो गया। गांव के लोग बड़ी संख्या में उसके घर के दरवाजे पर उमड़ पड़े और पूरा इलाका रोने-धोने की चीख़ों से गूंज उठा। मृतक की पत्नी अफसरी खातून इस कदर बदहवास हो गईं कि बार-बार बेहोश होती रहीं। परिजन और ग्रामीण उन्हें संभालने में लगे रहे, लेकिन घर का माहौल बेहद दर्दनाक और बोझिल बना रहा। गांव की महिलाएं, रिश्तेदार और पड़ोसी लगातार उन्हें ढांढस बंधाने की कोशिश करते रहे, लेकिन परिवार टूट चुका था।

परिजनों के अनुसार, रागिब के माता-पिता का निधन पहले ही हो चुका था और घर की पूरी जिम्मेदारी उसने कम उम्र में ही उठा ली थी। मेहनत-मजदूरी और परदेश में रहकर काम करके ही वह अपने परिवार का पेट पालता था। उसकी कमाई से पत्नी और तीन छोटे बच्चों का पालन-पोषण हो रहा था। अचानक हुई इस दुर्घटना ने पूरे परिवार को आर्थिक और भावनात्मक रूप से बुरी तरह झकझोर दिया है।

बीआरबीसीएल का 19वां स्थापना दिवस भव्य और उत्साहपूर्ण ढंग से मनाया गया

- सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी गईं।
- समारोह का सबसे उत्साहवर्धक हिस्सा केक काटने का रहा, जिसमें मुख्य अतिथि सहित सभी उपस्थित सदस्यों ने भाग लिया।

निज संवाददाता | नवनीगर (औरंगाबाद)

बीआरबीसीएल ने अपने 19वें स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य और गरिमामय समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बीआरबीसीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपक रंजन देहुरी उपस्थित रहे। समारोह में कंपनी के सभी विभागाध्यक्ष, कर्मचारी, संविदाकर्मी, श्रमिक और उनके परिवार भी शामिल हुए, जिससे यह अवसर एक सामूहिक उत्सव का रूप धारण कर गया। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि दीपक रंजन देहुरी द्वारा बीआरबीसीएल का ध्वज फहराने के साथ हुई। इसके बाद उन्होंने विभागाध्यक्षों के साथ मिलकर आकाश में रंग-बिरंगे गुब्बारे छोड़े, जो इस उत्सव को और भी जीवंत और यादगार बना दिया। इस क्रम में कर्मचारियों में भी उत्साह देखने लायक था।

अपने प्रेरणादायक संबोधन में दीपक रंजन देहुरी ने बीआरबीसीएल की अब तक की उपलब्धियों, प्रगति और कंपनी की विभिन्न परियोजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बीआरबीसीएल की सफलता केवल प्रबंधन का नहीं, बल्कि प्रत्येक कर्मचारी, संविदाकर्मी और श्रमिक के मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं भी दी। समारोह का सबसे उत्साहवर्धक हिस्सा केक काटने का रहा, जिसमें मुख्य अतिथि सहित सभी उपस्थित सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान कर्मचारियों और अतिथियों के चेहरों पर खुशी और उत्साह झलक रहा था। केक काटने के पश्चात, सभी ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और कार्यक्रम का आनंद उठाया। बीआरबीसीएल के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के समारोह न केवल कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाते हैं, बल्कि टीम भावना को भी मजबूत करते हैं। 19वां स्थापना दिवस कर्मचारियों के लिए प्रेरणादायक और यादगार अवसर साबित हुआ, जो भविष्य में कंपनी की प्रगति और समर्पण की दिशा में सकारात्मक संदेश देता है।

रफीगंज में विधायक प्रमोद कुमार सिंह का भव्य स्वागत, जनता ने जताया स्नेह और विश्वास

- विधायक ने जनता के आशीर्वाद के लिए धन्यवाद व्यक्त किया और कहा कि यह जीत जनता के स्नेह की जीत है।

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत के बाद शनिवार को रफीगंज विधायक प्रमोद कुमार सिंह का पूरे विधानसभा क्षेत्र में जोरदार स्वागत किया गया। क्षेत्रवासियों ने विभिन्न स्थानों पर अभिनंदन समारोह आयोजित कर विधायक को फूल-मालाओं और अंगवस्त्र से सम्मानित किया।

दिनभर विधायक का रफीगंज नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क और आभार यात्रा का सिलसिला चलता रहा। विधायक ने महादेव घाट, काली स्थान बाबुगंज, वार्ड संख्या-3, अब्दुलपुर, हाजीपुर गौला, मलुक बिगहा सहित कई गांवों का दौरा किया, जहां नागरिकों ने जीत की बधाई देते हुए उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। रफीगंज स्थित ग्रीन पार्क होटल में एनडीए कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में विधायक को जीत की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर विधायक ने कहा, 'यह जीत जनता की मेहनत और विश्वास की जीत है। मैं यह विजय आप सभी को समर्पित करता हूँ। आपके स्नेह और समर्थन के लिए हृदय से आभार।' साथ ही, तैलिक धर्मशाला में भी स्थानीय नागरिकों ने अभिनंदन समारोह का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे। लोगों ने विधायक को जीत की बधाई देने के साथ-साथ अपने क्षेत्र की समस्याओं से भी अवगत कराया। नगर भ्रमण के दौरान विधायक ने बड़ी दुर्गा मंदिर और डीहवार बाबा मंदिर परिसर (स्टेशन रोड) में पूजा-अर्चना कर शांति, विकास और समृद्धि की कामना की। इसके अलावा, ब्राइट लाइफ पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में विधायक ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी और अभिभावकों से बच्चों के समग्र विकास पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ, अभिभावक और नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूरे दिनभर चले अभिनंदन और स्वागत कार्यक्रमों से अभिभूत विधायक प्रमोद कुमार सिंह ने कहा, 'रफीगंज की जनता ने जो स्नेह और विश्वास मुझ पर जताया है, वही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। यह जीत जनता के आशीर्वाद की जीत है। मैं वादा करता हूँ कि जनहित और विकास के कार्यों को और गति दी जाएगी।

पटना हाईकोर्ट ने देव और उमगा मंदिरों की मांगी हेल्थ ऑडिट रिपोर्ट

निज संवाददाता | औरंगाबाद

देव सूर्य मंदिर और उमगा के प्राचीन मंदिरों के संरक्षण को लेकर पटना उच्च न्यायालय ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को निर्देश दिया है कि वे चार सप्ताह के भीतर दोनों ऐतिहासिक मंदिरों की हेल्थ ऑडिट रिपोर्ट अदालत में पेश करें। साथ ही बिहार सरकार से भी शपथपत्र दाखिल करने का आदेश दिया गया है, जिसमें मंदिरों की वर्तमान स्थिति और संरक्षण से जुड़े सवालों के स्पष्ट जवाब शामिल हों। यह आदेश 20 नवंबर 2025 को एक्टिंग चीफ जस्टिस सुधीर सिंह और जस्टिस राजेश कुमार वर्मा की खंडपीठ ने सिविल रिट याचिका संख्या 16861/2025 पर सुनवाई के दौरान दिया। याचिका वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सिद्धेश्वर विद्यार्थी और इतिहासकार प्रेमेंद्र कुमार मिश्रा ने दायर की थी। अधिवक्ता सुमन सौरभ ने बताया कि याचिकाकर्ताओं ने मंदिरों की लगातार खराब होती स्थिति को रेखांकित किया और विशेषज्ञ संरक्षण की मांग की थी। उनका कहना है कि देव सूर्य मंदिर और उमगा विश्व स्तर पर सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं, लेकिन लापरवाही और उचित संरक्षण के अभाव में इनका ढांचा क्षतिग्रस्त होता जा रहा है। हाई कोर्ट के निर्देश के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि पुरातत्व विभाग के विशेषज्ञ मंदिरों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होने की संभावना है। सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा को लेकर हाई कोर्ट का यह कदम राज्य में ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में एक बड़ा हस्तक्षेप माना जा रहा है।

राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक : लंबित मामलों और भूमि रैयतीकरण पर अधिकारियों को चेतावनी

- भूमि मापी, राजस्व संग्रह, सरकारी भूमि दाखिल-खारिज और परिमार्जन प्लस पर विस्तृत चर्चा।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में राजस्व कार्यों की वर्तमान स्थिति का जायजा लेने के लिए जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर समाहर्ता, एसडीओ, डीसीएलआर, सभी अंचल अधिकारी और राजस्व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में मुख्य रूप से गैरमजरुआ मालिक भूमि रैयतीकरण और उत्तर कोयल नहर जलाशय परियोजना से जुड़े अभिलेखों की प्रगति पर चर्चा की गई। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, भारतमाला, एसएच-101, एनएच-98, एनएच-2 एवं आरभीएनएल से जुड़े 756 अभिलेखों में से 682 का निष्पादन पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष अभिलेखों के त्वरित निस्तारण का निर्देश जिला पदाधिकारी ने दिया। उत्तर कोयल नहर जलाशय परियोजना के कुल 16 अभिलेखों में से 15 का निष्पादन सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। समीक्षा के दौरान दाखिल–खारिज मामलों पर भी विशेष ध्यान दिया गया। 75 दिनों से अधिक समय से लंबित 364 मामलों पर जिला पदाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और सभी मामलों को एक सप्ताह के भीतर निस्तारित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। बैठक में यह भी उल्लेख किया गया कि सबसे अधिक लंबित मामले औरंगाबाद सदर में हैं, जबकि हसपुरा में लंबित मामलों की संख्या शून्य है।

इसके अलावा बैठक में भूमि मापी, राजस्व संग्रह, सरकारी भूमि दाखिल–खारिज तथा परिमार्जन प्लस पर भी विस्तृत चर्चा हुई। जिला प्रशासन ने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि राजस्व कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता और त्वरित सेवा सुनिश्चित करना प्राथमिकता होगी। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे विभागीय आदेशों का पालन करते हुए लंबित कार्यों को तुरंत पूरा करें।

जिला पदाधिकारी ने कहा कि राजस्व कार्यों में देरी और लापरवाही प्रशासन की कार्यप्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को चेतावनी दी कि यदि भविष्य में इसी प्रकार की शिकायतें मिलीं तो संबंधित अधिकारियों पर न केवल विभागीय कार्रवाई की जाएगी, बल्कि जो भी राशि बिना निरीक्षण के भुगतान की गई है, वह उनसे वसूल की जाएगी।

बैठक का समापन जिला प्रशासन की पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने तथा नागरिकों को त्वरित सेवा उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराने के साथ हुआ। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे लगातार निरीक्षण और रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें, ताकि जिले के सभी राजस्व कार्य समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पूरे किए जा सकें।

4000 लीटर जावा महुआ नष्ट, 170 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद, एक गिरफ्तार

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

अवैध शराब निर्माण और तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली। गुप्त सूचना पर की गई छापेमारी के क्रम में सलैया थाना अंतर्गत चाल्हो पहाड़ स्थित कच्ची शराब निर्माण स्थल पर पुलिस ने धावा बोला और बड़ी मात्रा में जावा महुआ तथा तैयार देशी चुलाई शराब जब्त की। जानकारी के अनुसार, पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि चाल्हो पहाड़ के दुर्गम इलाके में अवैध रूप से भारी मात्रा में महुआ जावा तैयार कर कच्ची शराब की चुलाई की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस दल तत्काल कार्रवाई में जुटा और मौके पर पहुंचकर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही वहां मौजूद लोग इधर-उधर भागने लगे, हालांकि घेराबंदी के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने करीब 4000 लीटर जावा महुआ को मौके पर ही नष्ट कर दिया, जबकि 170 लीटर तैयार देशी महुआ चुलाई शराब बरामद की। शराब निर्माण में इस्तेमाल होने वाले उपकरण, ड्रम और अन्य सामग्री भी पुलिस ने कब्जे में ले ली। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है, जिससे अवैध शराब कारोबार से जुड़े अन्य लोगों के बारे में सुराग मिलने की संभावना है। बताया जाता है कि इस इलाके में लंबे समय से अवैध शराब का नेटवर्क सक्रिय था, जिसके खिलाफ आम लोगों द्वारा शिकायत की जाती रही थी।

इस कार्रवाई से शराब माफियाओं में हड़कंप मच गया है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के कारोबार को पूरी तरह समाप्त करने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

देव प्रखंड में आज आयोजित होगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

- केंद्रीय सह सचिव एवं संयोजक अजीत मिश्रा ने कहा कि यह शिविर गरीब परिवारों के लिए विशेष रूप से लाभकारी होगा, क्योंकि उन्हें मुफ्त उपचार के साथ चिकित्सकीय परामर्श भी मिलेगा।

निज संवाददाता | देव (औरंगाबाद)

जिले के देव प्रखंड अंतर्गत ग्राम केताकी के अंशुमान पब्लिक स्कूल में आज निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में कर्मा रोड स्थित चिकित्सक कक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. सुजीत मनोहर और अध्यक्ष अशोक पांडेय ने जानकारी दी। डॉ. सुजीत मनोहर ने बताया कि शिविर में बीपी और शुगर की जांच, ईसीजी परीक्षण, आवश्यक दवाओं का वितरण तथा सामान्य स्वास्थ्य परामर्श निशुल्क प्रदान किया जाएगा।

अध्यक्ष अशोक पांडेय ने कहा कि स्वास्थ्य शिविर की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं और समिति के सभी पदाधिकारी कार्यक्रम में पूरी तत्परता से लगे हुए हैं। शिविर का प्रचार-प्रसार देव के विभिन्न क्षेत्रों में जोर-शोर से किया जा रहा है। केंद्रीय सह सचिव एवं संयोजक अजीत मिश्रा ने कहा कि इस तरह के चिकित्सा शिविर गरीब परिवारों के लिए विशेष रूप से लाभकारी होंगे, क्योंकि उन्हें न केवल मुफ्त उपचार मिलेगा बल्कि चिकित्सकीय परामर्श से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान भी आसानी से होगा। शिविर सुबह 10:00 बजे से शुरू होगा और डॉक्टरों की टीम उपस्थित रहेगी।

पशु तस्करों का हमला, दो गौ रक्षक गंभीर रूप से घायल

निज संवाददाता | देव (औरंगाबाद)

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के देव मोड़ के पास पशु तस्करों ने गौ सेवकों और पुलिस पर जानलेवा हमला कर दिया। इस घटना में पटना हाई कोर्ट के अधिवक्ता एवं गो-रक्षक शशांक शेखर और नरसिंहा गांव निवासी प्रमोद सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिवक्ता शशांक शेखर ने बताया कि वह अपने घर जा रहे थे, तभी देव मोड़ के समीप एक पिकअप वैन को असामान्य तेज रफ्तार से गुजरते देखा। स्थानीय लोगों की मदद से वाहन को रोका गया तो उसमें लगभग 15 बछड़े अमानवीय तरीके से लादे हुए थे। शशांक ने तुरंत डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और गोवंश को अपने कब्जे में ले लिया।

इसी बीच 15–20 पशु तस्करों ने अचानक हमला कर दिया और शशांक तथा प्रमोद सिंह को बुरी तरह पीट दिया।

श्रम एवं नियोजन, डीआरसीसी की संयुक्त समीक्षा बैठक

बाल श्रम उन्मूलन और कौशल विकास कार्यक्रमों में तेजी की मांग

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

समाहरणालय के सभाकक्ष में शनिवार को श्रम विभाग, जिला नियोजनालय एवं डीआरसीसी कार्यालय की संयुक्त समीक्षा बैठक जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य जिले में श्रम एवं नियोजन से संबंधित सभी योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा करना और आगामी कार्रवाई की रणनीति तय करना था। समीक्षा में विभागीय कार्यों की स्थिति, मजदूरों के निबंधन, कौशल विकास कार्यक्रमों की प्रगति, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभार्थियों की संख्या तथा बाल श्रम उन्मूलन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर विशेष रूप से चर्चा की गई। बैठक के दौरान श्रम अधीक्षक ने बताया कि जिले में सक्रिय कुल पांच धावादलों द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण अभियान संचालित किया गया, जिसके अंतर्गत अब तक 16 प्रतिष्ठानों की जांच की गई है। इस पर डीएम ने बाल श्रम उन्मूलन को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए इसके लिए जिले में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों, सामाजिक संगठनों, पंचायत प्रतिनिधियों व स्थानीय नागरिकों को शामिल करते हुए जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से बाल श्रम के खिलाफ सामूहिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। डीएम ने स्पष्ट रूप से कहा कि 'बाल श्रम किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है' और इस दिशा में सभी विभाग समन्वित प्रयासों के साथ कार्य करें।